दैनिक जागरण Sunday

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 73 अंक 124 पृष्ठ 12
रीवा, रविवार 01 फरवरी, 2026
माघ शुक्ल पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

टी-20 सीरीजः भारत ने न्यूजीलैंड को 4-1 से हराया

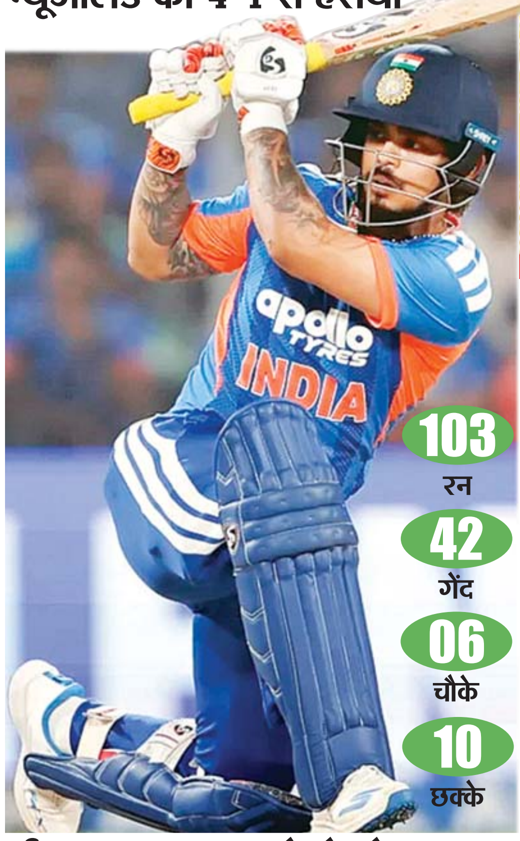

ईशान का 42 गेंदों में शतक

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम में लंबे समय बाद वापसी करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के बल्ले से न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वें टी20 मैच में 42 गेंदों में शतकीय पारी खेली। भारत ने आखिरी मैच 46 रन से जीतकर सीरीज 4-1 से अपने नाम की। ईशान भारत की तरफ से रोहित शर्मा के बाद दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जो वनडे में दोहरा शतक लगाने के बाद टी20 इंटरनेशनल में शतकीय पारी खेली। ईशान मुकाबले में 43 गेंदों का सामना कर 103 रनों की पारी खेली।

(विस्तृत खबर पेज-11 पर)

बजट 2026: व्यापार घाटा कम करने और विकसित भारत के लक्ष्य पर हो सकता है फोकस

टैक्स स्ट्रक्चर में बदलाव की संभावना कम

नई दिल्ली, जेएनएन। आम बजट 2026 को केवल पैसों के आवंटन तक सीमित नहीं माना जा रहा है। यह बजट देश को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर ले जाने वाला एक अहम पड़ाव साबित हो सकता है इकोनॉमिक सर्वे के आंकड़े संकेत देते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ रही है। ऐसे में बजट का मुख्य फोकस आर्थिक गति को और तेज करने पर रहेगा। यह बजट पीएम मोदी के विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाने वाला माना जा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 से नई टैक्स व्यवस्था में पहले ही बड़े बदलाव किए जा चुके हैं। कुछ श्रेणियों के करदाताओं के लिए टैक्स-फ्री इनकम की सीमा 7 लाख से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी गई है। इन बदलावों को देखते हुए बजट 2026 में टैक्स स्ट्रक्चर में किसी बड़े फेरबदल की संभावना कम मानी जा रही है।

बजट को लेकर खास बातें

- ‘बजट’ शब्द संविधान में नहीं है। संविधान में ‘बजट’ को आर्टिकल 112 के तहत सिर्फ ‘एनुअल फाइनेंशियल स्टेटमेंट’ के तौर पर बताया गया है, जिसमें रेवेन्यू, खर्च की आउटलाइन है।
- पहली बार 2026-27 का यूनियन बजट रविवार, 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। पहले बजट वर्किंग डेज में पेश किए जाते थे। 1999 में 28 फरवरी को रविवार को पड़ा तो वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने एक दिन पहले 27 फरवरी को बजट पेश किया। हालांकि, तब बजट फरवरी के आखिरी दिन पेश किया जाता था।
- पहला ‘इंडियन बजट’ संविधान से पहले का है। बजट कॉन्सेप्ट ब्रिटिश राज में शुरू हुआ। 7 अप्रैल, 1860 को ईस्ट इंडिया कंपनी के जेम्स विल्सन ने ब्रिटिश क्राउन के सामने पहला बजट पेश किया।
- आजाद भारत का पहला बजट नवंबर में पेश किया गया। 26 नवंबर 1947 को आरके शानमुखम चेट्टी ने बजट पेश किया जिसमें कुल खर्च सिर्फ 197 करोड़ था, जिसमें से आधा हिस्सा नए आजाद देश को स्थिर करने रक्षा पर खर्च किया था।
- 1999 तक, बजट शाम 5 बजे पेश किया जाता था। यह कॉलोनियल-युग का समय था, जिससे डॉक्यूमेंट प्रिंट करने वाले अधिकारियों को तैयारी के लिए रात भर का समय मिल जाता था। तब घोषणाओं को यूके के काम के घंटों के साथ जोड़ा जाता था। भारत का टाइम जोन, हमारे घंटे और ब्रिटिश समर टाइम से 30 मिनट आगे, यह पक्का करता था कि बजट बिजनेस के घंटों के दौरान लंदन पहुंचे। 1999 में अटल सरकार में वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने बजट पेश करने का समय सुबह 11 बजे कर दिया।
- 2017 तक बजट फरवरी के आखिरी दिन आता था। हालांकि, 2017 में तारीख को आसान बनाने 28 फरवरी से 1 फरवरी कर दिया गया। संसदीय प्रक्रिया और 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत से लागू करने में मदद करना वजह रही।
- ब्रिटिश राज में बजट और डॉक्यूमेंट्स सिर्फ इंग्लिश में होते थे। 1955 में, वित्त मंत्री सीडी देशमुख ने पहली बार हिंदी का भी इस्तेमाल किया।
- 2019 से, बजट डॉक्यूमेंट्स को संसद में पारंपरिक ‘बही खाता’ (लाल लेजर) में ले जाया जाता है, न कि कॉलोनियल ब्रीफकेस में, जो भारत की वित्तीय अभ्यास में कल्चरल पहचान का सिंबल है। लाल कपड़े का फोल्डर, जिस पर नेशनल एम्बलम बना होता है, देश की अपनी अकाउंटिंग ट्रेडिशन को दिखाता है। 2021 से, इसका इस्तेमाल सरकार के पेपरलेस बजट की तरफ कदम बढ़ाने के हिस्से के तौर पर एक डिजिटल टैबलेट ले जाने के लिए किया जा रहा है।

आज 11 बजे से बजट पेश करेंगी निर्मला

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को लोकसभा में वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। यह पहली बार होगा, जब केंद्रीय बजट रविवार को पेश किया जाएगा। केंद्रीय बजट भाषण सुबह 11 बजे संसद में शुरू होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भाषण लोकसभा में देंगी। उनका भाषण करीब 60 से 90 मिनट तक चल सकता है। बजट भाषण के बाद इससे जुड़े सभी दस्तावेज लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में पेश किए जाएंगे। इसे टीवी पर दूरदर्शन संसद टीवी पर लाइव देखा जा सकेगा। प्रसारण भाषण शुरू होने से कुछ देर पहले शुरू हो जाएगा।

महाराष्ट्र की पहली महिला उप मुख्यमंत्री बनीं सुनेत्रा

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी ने ली शपथ

मुंबई/बारामती, जेएनएन। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे। इससे पहले दिन में एनसीपी विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी सीएम की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। अजित की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी सीएम पद खाली हो गया था। सुनेत्रा को मुंबई के लोक भवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस मौके पर मौजूद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री हैं और वह राज्य की जनता के कल्याण के लिए मेहनत करेंगी तथा दिवंगत अजित पवार के सपनों को साकार करेंगी।

शपथ में नहीं पहुंचे शरद पवार

अजीत दादा के सपनों को साकार करने ईमानदारी से करूंगी काम : सुनेत्रा

सुनेत्रा पवार ने शपथ लेने के बाद पहला भावुक ट्वीट किया। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा, अजीत दादा ने किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए पूरी जिंदगी जीने का मंत्र दिया है। मैं उनके सपनों को साकार करने के लिए बिना थके और ईमानदारी से काम करती रहूंगी। सुनेत्रा ने लिखा, आदरणीय अजीत दादा ने किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए पूरी जिंदगी जीने का मंत्र दिया है। मैं उनके सपनों के न्यायपूर्ण, समानता पर आधारित और विकसित महाराष्ट्र को साकार करने के लिए बिना थके और ईमानदारी से काम करती रहूंगी। इन मुश्किल समय में, महाराष्ट्र के लोगों का प्यार और समर्थन ही मेरी असली ताकत है।

सीएम का ऐलान, प्रदेश में जल्द ही होंगे 50 मेडिकल कॉलेज

भोपाल/रीवा, जेएनएन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में कैंसर मरीजों का इलाज अत्याधुनिक मशीनों से किया जाएगा। रीवा स्थित श्याम शाह चिकित्सा कॉलेज में स्पेशल कैंसर यूनिट सहित विस्तारीकरण कार्यों का भूमि-पूजन करते हुए उन्होंने बताया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर में भी आधुनिक तकनीक से कैंसर उपचार की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 55 वर्षों में प्रदेश में केवल 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में तेजी से विस्तार हो रहा है और जल्द ही मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 तक पहुंचाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा विंध्य क्षेत्र के विकास का इंजन है, जो पूरे क्षेत्र को गति दे रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि संकट के समय विदेशों में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित वापस लाना सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के लगभग 350 करोड़ रुपए के विस्तारीकरण से नया अस्पताल भवन बनेगा, जिससे 2400 से अधिक बेड की क्षमता होगी। नए भवन में कार्डियोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और कैंसर के लिए विशेष यूनिट स्थापित होंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में मेडिकल अंडरग्रेजुएट सीटें बढ़कर 5500 हो गई हैं और आने वाले वर्षों में हर साल 10 हजार डॉक्टर पढ़ाई पूरी कर सेवाएं देंगे। नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा के लिए भी सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों का महत्व समान है।

गुढ़ में बनेगा 100 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने रीवा जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में 100 एकड़ में नए औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं और देशभर से निवेशक यहां उद्योग लगाने के लिए आ रहे हैं, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को गुढ़ स्थित बाबा भैरवनाथ मंदिर परिसर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 17 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से बने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

हार्ट क्लीनिक आपके शहर रीवा में

डॉ. शिरीष मिश्रा हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं प्रत्येक दिन

रीवा। रीवा के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ शिरीष मिश्रा जी M.D. मेडिसिन D.N.B कार्डियोलॉजी कंसलटेंट इंटरवेशनल कार्डियोलॉजिस्ट पूर्व कंसलटेंट - मैक्स हॉस्पिटल, बी.ल कपूर हॉस्पिटल, नई दिल्ली हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं प्रति दिन समड़िया गोल्ड बाल भारती स्कूल के सामने रीवा में उपलब्ध है, डॉ शिरीष मिश्रा पूर्व में मैक्स हॉस्पिटल और बी.एल. कपूर जैसे हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके है, हार्ट अटैक, सीने का दर्द, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, सांस फूलना, स्टंट, पेसमेकर, वाल्व बाईपास इत्यादि के मरीजों का फॉलो उप, जन्मजात हृदय रोग जैसे बीमारी का इलाज किया जाता है, आधुनिक जांच सुब्धियाएं जैसे कि इकोकार्डियोग्राफी, टीएमटी, ECG, होल्टर, ए बीपीएम जैसे आधुनिक तकनीक से जांच उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु आराध्या मेडिकल स्टोर्स समदड़िया गोल्ड, बाल भारती स्कूल के सामने, रीवा। संपर्क नं. 9752244-218 में संपर्क कर सकते हैं।

75 वर्ष से ज्यादा व्यक्तियों का सभी प्रकार की जांचो में 50% की छूट एवं निःशुल्क परामर्श

विशेष सुविधाएंः एन्जोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, आयुष्मान द्वारा निःशुल्क सर्जरी की जाती है।

धोखाधड़ी के मामले में अडानी कानूनी नोटिस लेने को तैयार

नई दिल्ली, जेएनएन। अरबपति गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) से दीवानी धोखाधड़ी के मुकदमे में कानूनी नोटिस लेने को तैयार हो गए हैं।

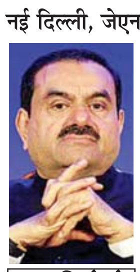

90 दिनों में देना होगा नोटिस का जवाब

अडानी को 90 दिनों के भीतर मामले को खारिज करने का अनुरोध करने या अपना बचाव पेश करने का मौका मिलेगा। एक अदालती दस्तावेज से यह जानकारी मिली। न्यूयॉर्क के ब्रूकलिन में एक संघीय अदालत में दायर दस्तावेज के अनुसार एसईसी गौतम और सागर अडानी के अमेरिका स्थित वकीलों ने कहा, वकील नियामक के कानूनी कागजात स्वीकार करने के लिए सहमत हो गए हैं।

बलूचिस्तान में 12 जगहों पर बलूचों का हमला

क्वेटा, जेएनएन। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में 10 सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 37 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में चार पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया कि यह चार पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं।

आज रहेगा रीवा बंद, सवर्णों ने किया एलान

जागरण, रीवा। समस्त सामान्य वर्ग एवं बृद्धिजीवी समुदाय ने रविवार को समूचा भारत बंद का एलान किया गया था। जिसके समर्थन में रविवार को रीवा/मऊगंज जिले में शांति प्रिय तरीके से बंद किए जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त निर्णय सरकार की गलत नीतियों तथा निर्णयों के कारण समूचे देश में व्यापक स्तर पर आक्रोश है। इसलिए रीवा/मऊगंज के सभी सम्मानित व्यापारियों, सामाजिक संगठन, राजनैतिक दलों, शासन के अधिकारी, कर्मचरियों एवं राजनैतिक पदाधिकारियों से भी अपील की गई है कि बंद में अपना सहयोग प्रदान कर बंद को सफल बनाएं।

पानी टंकी की टूटी सप्लाई लाइन, मोहल्ले में भरा पानी

मऊगंज के वार्ड क्रमांक 7 चक्रभाठी मोहल्ले में रहा अफरा-तफरी का महौल

जागरण,रीवा। शुक्रवार की रात बिना बारिश के बाढ़ जैसी स्थिति मऊगंज के वार्ड क्रमांक 7 चक्रभाठी मोहल्ले में निर्मित हो गई और मोहल्ले वासियों में अपरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया आनन फानन में इसकी सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। दरअसल यहां बानी पानी की टंकी की सप्लाई पाईप बीती रात्रि अचानक फूट गई और देखते ही देखते टंकी में भरा पानी मोहल्ले वासियों के घरों तक जा पहुंचा, जिससे मोहल्ले में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए। हालांकि देर रात टंकी का पानी खत्म हो जाने के बाद अब उस पर सुधार कार्य किया जा रहा है। स्थानीय मोहल्ले वासियों ने बताया कि पानी की टंकी का पाइप फूट जाने के कारण कई लाख लीटर पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया, जिससे लोगों के अंदर भय का माहौल व्याप्त हो गया था। हालांकि देर रात पानी की टंकी का पानी खत्म हो जाने के बाद धीरे-धीरे घरों और मोहल्ले में घुसा पानी बाहर निकल गया।

न्यूज कार्नर

सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल धाम में दीक्षांत समारोह संपन्न

जागरण, रीवा। सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल धाम में दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी थे, अध्यक्षता पूर्व छात्रा डॉ. डिंपल त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम में प्राचार्य संतोष कुमार पटेल, कामता प्रसाद द्विवेदी, राजललन त्रिपाठी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा स्पष्ट लक्ष्य और आध्यात्मिक वस्तुओं की चर्चा कर नैतिकता एवं जिम्मेदारी समय प्रबंधन आदि विषय रखे। प्राचार्य ने बच्चों को आत्मविश्वास एवं अनुशासन सकारात्मक दृष्टिकोण, सतत ज्ञानार्जन, समय का प्रबंध, धैर्यता अन्य विषय पर जानकारी प्रदान की। कामता प्रसाद ने छात्रों को नेतृत्व एवं स्नेह के बंधन में पढ़ने की सीख दी व समय के साथ निरंतर रहने व इन बिन्दुओं पर सोचने की बात कही ताकि उनका विकास हो सके। डॉ. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को कठोर मेहनत परिश्रम और परीक्षा के संदर्भ में निर्देश दिए। अतिथियों का परिचय मोनिका द्विवेदी ने दिया, संचालन एकादश की छात्रा निवेदिता सिंह बघेल ने किया।

नाली के तले व बीच से किए जा रहे सीवर हॉउस कनेक्शन, पार्षद ने की शिकायत

जागरण, रीवा। शहर भर में किए जा रहे सीवर हाउस कनेक्शन नालियों के तले अथवा नाली के बीच से क्रॉस किए जा रहे हैं, जिससे आने वाले भविष्य में यह कनेक्शन कब तक कायम रह पाएंगे इसकी कोई गारंटी नहीं, उक्ताशय की शिकायत वार्ड 44 के पार्षद पति अमृतलाल मिश्रा ने महापौर से की ताकि भविष्य में सीवेज लाइन परेशानी का कारण न बने।

उन्होंने बताया कि नालियों के तले और नाली के बीच से डाले जा रहे पाइप जहां नाली में बहने वाले पानी के लिए अवरोधक का काम करेंगे वहीं नाली में बहने वाले कचरे को भी अवरुद्ध करेगा। नालियों की सफाई के दौरान पाइप क्षतिग्रस्त भी हो सकते हैं। शहर में जो सीवरेज लाइन डाली गई हैं कई मकान ऊंचे हैं तो कई नीचे, जिससे मकानों के सैप्टिक टैंकों के आधार पर सीवेज हाउस कनेक्शन किए जए रहे हैं। सफाई के दौरान नाली के तले व बीच से डाले गए पाइप क्षतिग्रस्त होते हैं तो घरों की गंदगी बजाय सीवरेज लाइन में जाने के नाली में ही बहेगी। जिससे सीवरेज लाइन का महत्व ही नहीं रह जाएगा। पार्षद पति श्री मिश्रा ने बताया कि उक्त कार्य की तकनीक के बारे में अधिक नहीं जानते किन्तु कार्य ऐसा हो कि भावी संकट का कारण न बने।

नाली का पानी करेंगे अवरुद्ध, सफाई के दौरान पाइप क्षतिग्रस्त भी होंगे

किसानों को करें जागरूक, खेतों में नरवाई जलाने पर लगाएं हर हाल में रोक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक कल्याण वर्ष के लिए सभी कमिश्नर्स-कलेक्टर्स को वीसी से दिए निर्देश

जागरण, रीवा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जो हम सबके अन्नदाता हैं, उनके दुख-दर्द की चिंता करना हमारा कर्तव्य है। किसानों का समग्र कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह सरकार के लिए एक मिशन है। सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों का जीवन संवारने और इनकी बेहतरी के लिए पूर्ण समर्पित भाव से मिशन मोड में कृषक कल्याण वर्ष का बेहद प्रभावकारी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी कमिश्नर्स-कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। किसान रथ चलाये जाएं। इनका शुभारंभ स्थानीय सांसद/विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से ही कराएं। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में किसानों से विभिन्न स्थानों पर को निरंतर संवाद करें। उन्हें ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर अधिकाधिक रकबे/मात्रा में मूंगफली और उड़द की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें। प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करें। जलवायु, ऊर्जा एवं सतत् कृषि को बढ़ावा देने के लिए ई-विकास पोर्टल एवं किसानों को संतुलित मात्रा में भी उर्वरकों का उपयोग के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष मनाने में किसान कल्याण एवं कृषि विकास के नेतृत्व में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, जल संसाधन, सहकारिता, ऊर्जा, राजस्व, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कुटीर एवं ग्रामोद्योग सहित 15 से अधिक विभाग सक्रिय भूमिका निभायेंगे। पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर लगाएं रोक, किसानों को जागरूक किया जाए कि वे खेत का भूसा गौशालाओं में पहुंचाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर्स किसानों से लगातार संवाद करते रहें। कृषक कल्याण वर्ष की तय गतिविधियों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। रोस्टर तैयार कर कृषि उपज मंडियों का सतत् निरीक्षण करें और कृषि उत्पादों पर विपणन पर विशेष ध्यान देकर इनके मूल्य संवर्धन के लिए पूरी कमर्शियल चेन का निर्माण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए विभाग को नवाचार अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को दुग्धोत्पादन बढ़ाने के सभी नए-नए तरीके और उपाय बताएं जाएं। प्रमुख सचिव पशुपालन ने बताया कि पशुपालकों के ज्ञान संवर्धन के लिए एक ऐप तैयार किया जा रहा है। यह ऐप पशुपालकों को बताएगा कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए किस प्रकार की गाय/भैंस को कैसा आहार खिलाना चाहिए। इससे पशुपालक सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। कृषक कल्याण वर्ष के लिये तय की गई कार्य योजना का फील्ड में बेहतर तरीके से अमल किया जाए। इस अवधि में विशेष अभियान चलाया जाए। छोटे-बड़े कार्यक्रम भी किए जाएं। निचले स्तर पर किसानों से सघन सम्पर्क स्थापित किया जाए। सभी हितग्राहियों का सत्यापन एवं सहयोग भी लिया जाए।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर कार्यालय से कमिश्नर बीएस जामोद, संयुक्त संचालक कृषि यूपी बागरी, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ. डीएस बघेल, उप संचालक मछली पालन डॉ. अंजना सिंह तथा कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए।

खाद वितरण केन्द्र रहे बंद, किसान चक्कर काट लौटे खाली हाथ

सोमवार तक किसानों को यूरिया नसीब होगी या नहीं कहना मुश्किल

जागरण, रीवा। खाद का अभाव झेल रहे किसानों को गुरुवार व शुक्रवार को खाद के टोकन वितरित किए गए, शनिवार को खाद वितरण केन्द्र बंद रहा, जो रविवार को भी बंद रहेगा, कई किसान खाद वितरण केन्द्र खुला होने की आस में पहुंचे लेकिन गेट पर ताला टंगा देख निराश होकर वापस लौट गए। खाली हाथ लौट रहे कुछ किसानों ने बताया कि खाद वितरण केन्द्र आए थे, आसपास के लोगों ने बताया कि शनिवार और रविवार को छुट्टी रहेगी, सोमवार को खाद वितरण केन्द्र खुलेगा, किसानों ने बताया कि हर बार खाद आने के दौरान यही होता है, एक या दो दिन से अधिक दिनों तक खाद के टोकन वितरित नहीं किए जाते, बाद में किसानों को खाद खत्म हो गया कहकर चलता कर दिया जाता है। अब खाद वितरण केन्द्र सोमवार को खुलेगा, उस दिन किसानों को टोकन मिलता है या नहीं कह नहीं सकते।

किसानों ने आरोप लगाया कि कि यहां खाद खत्म हो जाती है, लेकिन बाजार में खत्म नहीं होती, बाजार में कई खाद-बीज व्यापारी यूरिया बेच रहे हैं, उनके पास खाद कहां से आ रही है? पहले किसानों को खाद देना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया जाता। खाद का अभाव और किसानों की आवश्यकता को देखते हुए शनिवार को खाद वितरण की जा सकती थी, लेकिन खाद वितरण दो दिनों के लिए बंद कर दिए गए। जबकि खरीफ सीजन के दौरान शनिवार, रविवार को भी खाद के टोकन वितरित किए गए थे, लेकिन रबी सीजन में यह सुविधा नहीं दी जा रही, जबकि इस बार तो किसान खाद के लिए पहले से ही परेशान है, पूरे सीजन दो-तीन बार ही खाद का आवंटन हुआ और सभी किसानों को मिल भी नहीं पाई, अब सोमवार को खाद वितरण केन्द्र खोला जाएगा उस दिन किसानों को टोकन मिलता है या उन्हें हर बार की तरह इस बार भी खाली हाथ लौटना पड़ेगा।

बाबा घाट में मनाया गया भगवान श्री विश्वकर्मा प्रकट महोत्सव

जागरण, रीवा। नगर में धार्मिक आस्था, सनातन परंपरा और शिल्प-संस्कृति का भव्य संगम शनिवार को देखने को मिला। सृष्टि के आदि शिल्पकार भगवान श्री विश्वकर्मा के प्रकट महोत्सव के पावन अवसर पर विशाल दिव्य एवं ऐतिहासिक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बाबा घाट बड़ी पुल किया गया। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विशेष व्यवस्थाएँ भी की गई थी। महोत्सव के दौरान विशेष अनुष्ठान एवं पूजन, भगवान श्री विश्वकर्मा की महिमा का चालीसा पाठ, भक्तिमय भजन-कीर्तन तथा महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम किये गये। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के लिये, बल्कि समाज में श्रम-सम्मान, सृजनशीलता और सांस्कृतिक चेतना को भी प्रोत्साहित करता है। इस पावन अवसर पर समस्त स्वजन, बंधुजन, माताएँ, बहनें एवं नगरवासी सपरिवार पहुचे व प्रोग्राम को सफल बनाया। कार्यक्रम का आयोजन ओमश्री विश्वकर्मा विकास परिषद एवं श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति, रीवा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस पूजन महोत्सव में विश्वकर्मा विकास परिषद के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, मंदिर समिति के अध्यक्ष राम बहोर विश्वकर्मा, द्वारिका प्रसाद विश्वकमा, संभागीय अध्यक्ष की सत्येंद्र विश्वकर्मा, राजेंद्र विश्वकर्मा, नंदलाल विश्वकर्मा, आचार्य रामाधार विश्वकर्मा, मंगलदीन विश्वकर्मा, रामगोपाल विश्वकर्मा, कमलेश विश्वकर्मा, पप्पू विश्वकर्मा, शहर अध्यक्ष अर्जुन विनय विश्वकर्मा, मुन्नालाल विश्वकर्मा, एमपी संतोष विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, विश्वकर्मा दशमत गोपाल विश्वकर्मा विश्वकर्मा देवी विश्वकर्मा जी कैलाश विश्वकर्मा रामानुज विश्वकर्मा रविंद्र विश्वकर्मा, कमलेश विश्वकर्मा, पृथ्वीराज विश्वकर्मा, बाबा आयरन शैलेश विश्वकर्मा, रमाकांत विजय विश्वकमा, बिहारी विश्वकर्मा, उमेश विश्वकर्मा, गिरजा विश्वकर्मा, मोले विश्वकर्मा, गोविंद विश्वकर्मा, पिंटू विश्वकर्मा, राम शिरोमणि विश्वकर्मा आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परमात्मा की भक्ति और सत्संग से मिलती है शांति : आचार्य रमाशंकर दास

मानस भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का हुआ वर्णन

जागरण, रीवा। मानस भवन रीवा प्रांगण में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन भावपूर्ण धूमधाम से मनाया गया। कथा के आरंभ में सर्वप्रथम यजमान परिवार द्वारा व्यासपीठ में विराजमान आचार्यश्री का पूजन एवं आरती की गई। तत्पश्चात कथा व्यास आचार्यश्री द्वारा श्रीमद भागवत महापुराण के चतुर्थ दिवस की कथा में बताया कि सत्संग के माध्यम से भगवान की विभिन्न लीलाओं का रस मिलता है। हम सब जीवों को कथा यह संदेश देती है कि सदा हम सत्य, करुणा और सेवा के मार्ग पर चलकर ही अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। कथा श्रवण से भक्तों के हृदय में भक्ति की गहराई बढ़ती जाती है और आत्मा प्रभु चरणों में और अधिक स्थिर होती चली जाती है। इसके अलावा भगवत रस प्राप्त भक्तों की कथा समुद्र मंथन, वामन भगवान का चरित्र सहित गौ, ब्राम्हणों की महिमा सूर्यवंश में रामजी के चरित्र का विस्तार से वर्णन करते हुये बताया कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है जब भी हमें यह सत्संग मिले सदुपयोग अवश्य करना चाहिये। उक्त जानकारी देते हुए राधेश्याम द्विवेदी ने बताया कि सायंकालीन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को वसुदेव जी द्वारा मस्तक में विराजमान कर ब्यासपीठ पर भगवान को पालने में विराजमान किया गया जहां यजमान परिवार द्वारा विधि विधान से पुष्पमालाओं द्वारा पूजन किया गया। इस अवसर पर पं. विजय तिवारी गोलू भैया सहित अन्य संगीत कलाकारों द्वारा सुमधुर बधाईयां प्रस्तुत की गई। आचार्य श्री द्वारा प्रेमीभक्तों को बधाई स्वारूप उपहार सामग्री, फलफूल आदि वितरित किये गये। इस कथा में निरंतर दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक अमृतरस की गंगा बह रही है। मालूम हो यह आयोजन स्व. श्रीश कुमार मिश्र की प्रथम पुण्य स्मृति में भाजपा नेत्री अनिता मिश्र (नीतू) रीवा के द्वारा आयोजित की गई है जिसमें व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य पं. स्माशंकरदास जी महाराज अपने मुखारबिंद से भक्तों को रसपान करा रहे हैं।

लाडली लक्ष्मी पथ के मोड़ पर ही खड़ी कर रहे बसें

स्कूल आने वाले वाहन चालकों को हो रही परेशानी, दुर्घटना की भी आशंका

जागरण, रीवा। लाडली लक्ष्मी पथ को बस चालकों ने लंबे समय से अघोषित बस स्टैंड बना रखा है, यहां स्थित हॉस्टल, कॉलेज व स्कूल के सामने ही बसों को खड़ा किया जाता था अब तो मोड़ पर ही बसें खड़ी होने लगी हैं,जिससे इस मार्ग पर स्थित स्कूल, कॉलेज आने वाले बच्चों को छोड़ने-लेने आने वाले वाहन चालक परेशान होते हैं, शहर के मुख्य मार्गों में जाम लगना आम बात हो गई, अब इस मार्ग पर भी जाम की स्थिति निर्मित होने लगी है।

लाडली लक्ष्मी मार्ग पर लॉ कॉलेज, सेण्ट्रल, एकेडमी, केन्द्रीय विद्यालय सहित छात्रावास व कॉलेज स्थित है, जिनमें पढ़ाई करने प्रतिदिन सैंकड़ों विद्यार्थी आते हैं, इस मार्ग पर पूर्व तो कुछ आगे बसें खड़ी की जाती थी, लेकिन अब बस चालक मोड़ पर ही एनसीसी ग्राउण्ड की बाउंड्री किनारे बसों को कतारबद्ध खड़ी कर देते हैं, जिससे स्कूल लगने व छूटने के समय अक्सर यहां जाम लग जाता है, जिससे वाहन निकालने की होड़ में वाहन चालक अपनी साइड का ध्यान न रख जहां जगह दिखती है वहां से वाहन निकालने की होड़ में रहते हैं, इस वजह से यहां किसी भी प्रकार की दुर्घटना से इंकार भी नहीं किया जा सकता। शहर में दो-दो बस स्टैंड हैं, जहां बसों को खड़ा करने के लिए स्थान का अभाव नहीं फिर भी बसों को लंबे समय से लाडली लक्ष्मी पथ पर खड़ा कर दुर्घटना को आमंत्रण देकर नियमों का भी खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है।

इंदिरा नगर बगीचे में काट दिया गया दस साल पुराना पीपल का पेड़

जागरण, रीवा। शहर की पॉश कॉलोनी इंदिरा नगर में स्थित बगीचे में दस साल पुराना पीपल का पेड़ ट्री गार्ड लगे होने के बाद भी काट दिया गया। इसकी खबर लेने वाला कोई नहीं है। लगभग दस एकड़ में फैला यह बागीचा पिछले चार दशक से उपेक्षित पड़ा है। इसी बागीचे में विगत दिनो रामानंद सिंह की स्मृति में कार्यक्रम किया गया है जिसमें उपमुख्यमंत्री भी शामिल हुए थे। इस जमीन का अधिग्रहण सन् 1984 में तत्कालीन रीवा सुधार न्यास द्वारा योजना क्रमांक 8 के लिए किया गया था। योजना क्रमांक 8 में ही नेहरू नगर, इंदिरा नगर एवं गंगोत्री कालोनी बसाई गई है। रीवा सुधार न्यास का नगर निगम में विलय होने के बाद से यह जमीन उपेक्षित पड़ी है। इस बागीचे में शाम ढलते ही आसामाजिक तत्वों का जमघट लगा जाता है और पूरे बागीचे में फैला कचरा यहां होने वाली गतिविधियों की कहानी खुद बयां करता है। नगर निगम द्वारा शहर के लक्ष्मणबाग, सैनिक स्कूल एवं इजीनियरिंग कालेज की खाली पड़ी जमीनों पर वृहद वृक्षारोपण किया जाकर पर्यावरण सुधार करने के प्रयास किये जा रहे है लेकिन इस बागीचे में सिर्फ पुराने पेड़ ही है। नये सिरे से वृक्षारोपण नहीं किया गया है। इस बागीच पर भी एक सुंदर पार्क विकसित किया जा सकता है। वार्ड पार्षद रश्मि विनोद शर्मा ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सब उपमुख्यमंत्री के इशारे पर हो रहा है।

दूषित पानी पीकर शहरवासी हो रहे अज्ञात बीमारियों का शिकार

दो-चार दिन दिखाई तत्परता, इसके बाद फिर पुरानी स्थिति बहाल

जागरण, रीवा। शहर के वार्डों में पीएचई द्वारा प्रदाय किए जा रहे दूषित पेयजल को पीकर शहरवासी अज्ञात बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। इंदौर में दूषित पानी पीने से अब तक 31 लोग जान से हाथ धो चुके हैं तो सैंकड़ों लोग बीमार हो गए हैं, उक्त घटना के बाद शहर के वार्डों में भी संबंधित विभाग द्वारा तत्परता दिखाते हुए कुछ समय तो पानी की जांच आदि की, एकाध जगह की पाइपलाइन भी दुरुस्त करवाई, शिकायत पर तत्काल सुनवाई करने के निर्देश दिए, किन्तु फिलहाल मामला फिर से ठंडा होकर शहर में पुराने हालात बरकरार हो गए हैं।

शहर के वार्ड 44 के महाजन टोला नई बस्ती में पिछले कई दिनों से नलों में प्रदाय किया जाने वाला पानी काले रंग का व दुर्घन्धयुक्त आ रहा है, जिसे लोग पीने से कतरा रहे हैं, वार्ड के पार्षद अमृतलाल मिश्रा ने बताया कि इसकी वे स्वयं भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन आज तक कोई देखने ही नहीं आया। जबकि नगर निगम प्रशासन ने पेयजल संबंधी शिकायतों पर तत्काल सुनवाई करने के निर्देश दे रखे हैं, किन्तु जब पार्षद की ही सुनवाई नहीं हो रही तो ऐसे में आम जनता की क्या बिसात इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। शहर के वार्ड क्रमांक 12 में छह साल से पेयजल पाइपलाइन में गटर का पानी मिल रहा था, जिसे दुरुस्त करवाया गया, लेकिन पानी अभी भी वैसा ही आ रहा है, जैसा पिछले वर्षों से आ रहा था। वार्ड के लोगों ने बताया कि अभी भी यहां नलों में गंदा व बदबूदार पानी ही प्रदाय किया जा रहा है, जिसके चलते वार्ड के लोगों को पूर्वानुसार बाजार से ही पानी खरीदकर प्यास बुझाना पड़ रही है। वार्ड 42, वार्ड 5 सहित अन्य वार्डों में इस प्रकार की स्थिति देखी जा सकती है।

शहर का तापमान/मौसम

अधिकतम 27.0°c | न्यूनतम 10.0°c

जिले भर में मौसम शुष्क रहने के साथ शीतलहर के आसार

आज आयेंगे पीसीसी अध्यक्ष होगा संभागीय सम्मेलन

रीवा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष रीवा के संयोजकत्व में आज एक फरवरी को रीवा में आयोजित कांग्रेस के संभागीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं सह प्रभारी रणविजय सिंह लोचव एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आ रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी रीवा शहर एवं ग्रामीण ने कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कांग्रेस जनों से प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत हेतु दोपहर 01:00 बजे रीवा एयरपोर्ट पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने 17.13 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31 जनवरी को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में भैरवनाथ मंदिर का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री मंदिर के समीप आयोजित जनसभा में 17 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत के चार निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश गृह निर्माण अधोसंरचना मद से भैरव मंदिर निर्माण लागत एक करोड़ 80 लाख रुपए तथा सामुदायिक भवन, प्रवेश द्वार, बाउन्ड्रीवाल, पाथवे एवं अन्य निर्माण कार्य लागत 39 लाख रुपए का लोकार्पण किया। समारोह में रायपुर कर्चुलियान में 2.99 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए विश्राम गृह और दो आवास गृहों का भी लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग द्वारा 4.35 करोड़ रुपए की लागत से टीकर-सुपिया मार्ग तथा औद्योगिक विकास निगम द्वारा 7.60 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए औद्योगिक क्षेत्र गुढ़ के दूसरे चरण का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इन कार्यों से गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर (अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599, 9399312433

ब्रेजा कार सवार ने बाइक चालक को मारी टक्कर

जागरण, रीवा। विश्वविद्यालय थाना अंतर्गत नीम चौराहा से करहिया मार्ग पर शनिवार रात एक ब्रेजा कार सवार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।प्राप्त जानकारी केअनुसार करहिया निवासी विष्णु कुशवाहा नीम चौराहा से बाइक लेकर अपने ग्राम करहिया जा रहा था, चौराहे से करीब 200 मीटर दूर सामने से आ रही एक ब्रेजा कार के सवार ने विष्णु की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक कई फीट तक घिसटती चली गई, उक्त घटना में विष्णु को गंभीर चोट आई है। एम्बुलेंस के माध्यम से घायल युवक को संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया गया व पुलिस को सूचना दी। मौके पर डायल 112 भी पहुंच गई थी। कार सवार एक व्यक्ति को पुलिस अपने साथ ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार में तीन लोग सवार थे सभी नशे में धुत थे।

प्रदेश में हर साल 10 हजार नए डॉक्टर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता: डॉ मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर किया हमला कहा जितना हम दो साल में किया उतना 55 साल में नहीं किया

350 करोड़ रूपये के कार्यों से चिकित्सा सुविधाओं में और वृद्धि होगी: उप मुख्यमंत्री

जागरण, रीवा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरों के साथ ग्रामीण स्तर तक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के सभी कार्य प्राथमिकता से किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा कहा कि कांग्रेस की अकर्मण नीति के कारण 55 साल में 5 मेडिकल कालेज ही खेले जबकि 6 कालेज हमने दो ससाल के कार्यकाल में खोले। कहा कि वर्ष 2003 से पूर्व जहां प्रदेश में सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे आने वाले दो वर्षों में प्रदेश में 50 मेडिकल कॉलेज हो जायेंगे। मुख्यमंत्री ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय में 350 करोड़ रूपये की लागत के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

2400 बेड का हो जायेगा मेडिकल कालेज : सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा के श्यामशाह मेडिकल कॉलेज अन्तर्गत स्थापित अस्पतालों तथा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 2440 बेड हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि कैंसर यूनिट की स्थापना हो जाने से विन्ध्य अंचल के लोगों को कैंसर के इलाज के लिये बाहर नहीं जाना पड़ेगा उन्हें कैंसर की जांच के साथ ही बेहतर से बेहतर इलाज मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीब वर्ग के लोगों व जरूरतमंदों को सुगम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की जिसकी बड़ी संख्या में मरीज लाभ उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और विविधता के देश को प्रधानमंत्री जी लगातार आगे ले जा रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में हर क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे हैं। डॉ. यादव ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व रीवा के विधायक राजेन्द्र शुक्ल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह रीवा एवं विन्ध्य को लगातार विकास के क्षेत्र में आगे ले जा रहे हैं। वह 24 घंटे क्षेत्र के विकास में अपनी जागरूक भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं इसी का परिणाम है कि रीवा व विन्ध्य हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण भी किया।

स्वास्थ्य के लिए कायाकल्प का दिन : इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि आज का दिन स्वास्थ्य के मामले में कायाकल्प का दिन है। कैंसर यूनिट की स्थापना विन्ध्य वासियों के लिये सौगात होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में देश व प्रदेश में मेडिकल कालेजों की स्थापना की जा रही है ताकि अधिक से अधिक चिकित्सक मिलें और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया हो सकें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी का ब्राहमाकुमारी संस्थान रीवा द्वारा दिव्य गुणों की माला पहनाई गई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, पार्षदगण, डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल सहित चिकित्सक, स्थानीय जन उपस्थित रहे।

200 सीट होगा रीवा मेडिकल कॉलेज, 70 साल का बन रहा डेव्हलपमेंट प्रपोजल : उपमुख्यमंत्री

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आज का दिन रीवा के लिये सौगात का दिन है। श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों के लिये 350 करोड़ रूपये के कार्यों से पुराने अस्पताल भवन, डॉक्टर्स क्वार्टस तथा अन्य आवश्यक कार्य कराये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रीवा में पहले सिर्फ 60 मेडिकल की सीटें थी तथा इसका काफी पुराना भवन हो गया था अब एमबीबीएस की 200सीटें करने के साथ ही नवीन कार्य व उपकरण बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये सौगात होंगे। उन्होंने कहा कि 200 विस्तर का कैंसर अस्पताल के बन जाने से जांच के साथ उपचार की सुविधा मिलने लगेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के पुराने 5 मेडिकल कॉलेजों के नवीनीकरण कार्यों के लिये मुख्यमंत्री जी द्वारा धनराशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में रीवा व विन्ध्य में बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के सभी कार्य प्राथमिकता से किये जायेंगे।

यहां होगा विस्तार

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश भवन विकास निगम द्वारा श्याम शाह मेडिकल कॉलेज परिसर में नवीन चिकित्सा एवं आवासीय भवनों का निर्माण किया जा रहा है। जिनकी कुल परियोजना लागत 321.94 करोड एवं कुल क्षेत्रफल 1,17,000 वर्गमीटर है तथा इस परियोजना को पूर्ण करने हेतु 03 वर्षों का समय निर्धारित है। इस परियोजना के अंतर्गत 740 बिस्तरीय मातृत्व एवं शिशु हॉस्पिटल, सर्व सुविधा युक्त 250 बिस्तरीय कैंसर युनिट, 200 बिस्तरीय ओपीडी ब्लॉक, नर्सिंग कॉलेज, नर्सिंग हॉस्टल तथा डॉक्टर एवं स्टाफ हेतु विभिन्न आवासीय भवनों का निर्माण किया जाना है एवं इसके अतिरिक्त अस्पताल परिसर में मल्टी लेवल पार्किंग तथा समस्त कैम्पस का सौंदर्यीकरण किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही 25 करोड़ रूपये की लागत के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के विस्तारीकरण कार्य का भी भूमिपूजन हुआ।

मुख्यमंत्री ने गुढ़ में भैरव नाथ मंदिर का किया लोकार्पण, कहा

विन्ध्य क्षेत्र सनातन संस्कृति और धर्म का केन्द्र है

भैरवनाथ मंदिर अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र है

जागरण, रीवा। गुढ़ विधानसभा के खामडीह में स्थित भगवान भैरवनाथ मंदिर का लोकार्पण करने शनिवार को रीवा आए मुख्यमंत्री डॉ मोहन भागवत ने कहा कि विंध्य संकिृति व धर्म का केंद्र है। भैरवनाथ मंदिर अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र है। सरकार विकास के साथ ही विरासत को भी सहेजने का काम कर रही है। उन्होंने भैरव नाथ पहाड़ी में औद्योगिक केंद्र विकसति करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और आधुनिक विकास के समन्वय को एक नई दिशा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार जहाँ एक ओर आस्था के केंद्रों को भव्य स्वरूप दे रही है, वहीं दूसरी ओर लाड़ली बहनों की आर्थिक मजबूती और किसानों की समृद्धि के साथ इंडस्ट्रियल क्लस्टर के जरिए युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा के गुढ़ में भैरवनाथ मंदिर का विधिवत लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धा भाव से ओत-प्रोत होकर कहा कि भैरवनाथ मंदिर एक अद्भुत और अलौकिक स्थान है, जिसका प्राकृतिक सौंदर्य अपने भीतर एक हजार साल पुराना गौरवशाली इतिहास समेटे हुए है। उन्होंने मंदिर में स्थापित दिव्य प्रतिमा की महत्ता बताते हुए कहा कि बाबा भैरवनाथ की यह भव्य प्रतिमा ऐसी प्रतीत होती है मानो वे अपने दोनों हाथ उठाकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान कर रहे हों। यह न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि हमारी प्राचीन विरासत का जीवंत प्रमाण भी है।

सनातन संस्कृति का वैभव : अयोध्या से चित्रकूट तक विकास की नई गाथा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म की अद्भुत माया और इसकी वैश्विक व्यापकता है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। आज यह मंदिर हमारी आस्था और अलौकिक आनंद का केन्द्र है। प्राचीन मंदिरों को वर्षों तक आक्रमणकारियों ने नष्ट किया। आजादी के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयासों से सोमनाथ के मंदिर का भव्य का पुनर्निर्माण हुआ। हमारी सरकार धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में ओरछा, मैहर, चित्रकूट सहित 13 भव्य लोकों का निर्माण किया जा रहा है। विन्ध्य की पावन धरा सदैव से सनातन धर्म का केन्द्र रही है। विन्ध्य की गोद में बसे चित्रकूट में भगवान राम ने वनवास के 11 वर्ष से अधिक का समय बिताया। चित्रकूट में सरकार तीन हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों के साथ वनवासी रामलोक का निर्माण कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सांदीपनि विद्यालयों को भव्य स्वरूप दिया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़ी रहे।

सशक्त बहना और समृद्ध किसान

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का खाका खींचते हुए लाड़ली बहनों और अन्नदाताओं के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने हर्ष व्यक्त किया कि लाड़ली बहना योजना की राशि को एक हजार रुपये से बढ़ाकर अब 1500 रुपये तक पहुँचा दिया गया है, जो महिलाओं के स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित हो रही है। किसानों को अन्न भंडार भरने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के संयुक्त प्रयास से किसानों को अब 12 हजार रुपये की वार्षिक सहायता सीधे उनके खातों में मिल रही है। साथ ही, बेहतर विद्युत व्यवस्था और सोलर पंपों की उपलब्धता ने किसानों की खेती को सुगम और लाभप्रद बना दिया है। हम इस वर्ष किसान वर्ष मना रहे हैं। किसान को समृद्ध करने और खेती के विकास में सरकार पूरा सहयोग करेगी।

ये रहे मौजूद

समारोह में विधायक देवतालाब गिरीश गौतम, विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, अध्यक्ष जिला पंचायत नीता कोल, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, मऊगंज जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा, पूर्व मंत्री पुष्पराज सिंह, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, केपी त्रिपाठी, पन्नाबाई प्रजापति, पंचूलाल प्रजापति, पूर्व विविप्रा उपाध्यक्ष विमलेश मिश्रा, राजगोपाल चारी, विवेक दुबे तथा स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। समारोह में कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव सिंह राजपूत, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

गुढ़ के सर्वांगीण विकास का संकल्प

स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार की नई उड़ान व क्षेत्रीय विकास को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुढ़ विधानसभा के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी। उन्होंने गुढ़ और गोविंदगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पोस्टमार्टम केंद्र की स्थापना तथा गोविंदगढ़ में एक्सरे मशीन की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की, जिससे स्थानीय निवासियों को चिकित्सा सेवाओं के लिए भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने भैरवनाथ में पुलिस चौकी खोलने तथा गुढ़ में 100 एकड़ में औद्योगिक केन्द्र के विकास की घोषणा की। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा आर्थिक विकास होगा। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक विश्रामगृह के निर्माण की भी घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने भैरवनाथ मंदिर के समीप एक हजार गौवंश के लिए गौशाला निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भैरवनाथ मंदिर परिसर के विकास से जुड़े कार्य प्राथमिकता से कराये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा मेरी ससुराल है इसलिए यहाँ से मेरा विशेष नाता है।

समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि गुढ़ क्षेत्र के लिए भैरवनाथ और कष्टहरनाथ मंदिर आस्था के केन्द्र हैं। गुढ़ में सोलर प्लांट स्थापना के बाद उसके सीएसआर मद से इन दोनों मंदिरों में विकास के कार्य किए गए हैं। गुढ़ में तीन सौ एकड़ क्षेत्र में औद्योगिक विकास केन्द्र स्थापित किया गया है। रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव से विन्ध्य में तेजी से निवेश बढ़ा है।

समारोह में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि भैरवनाथ लोक के निर्माण के साथ ही नए युग का सूत्रपात हो रहा है। सांसद ने मुख्यमंत्री जी से विन्ध्य की लंबित सिंचाई परियोजनाओं का कार्य तेजी से पूरा कराने का अनुरोध किया।

समारोह में स्वागत उद्बोधन देते हुए विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह ने क्षेत्र के विकास के संबंध में विभिन्न मांगे रखीं। विधायक श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी और उप मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों से भैरवनाथ मंदिर का निर्माण हुआ है। मुख्यमंत्री ने कन्यापूजन करके बेटियों का सम्मान किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया तथा मेरिट में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने की भैरवनाथ की पूजा-अर्चना और हवन, पौधे भी लगाए

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा रीवा जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गुढ़ के समीप ग्राम खामडीह में मध्यप्रदेश शासन की एलएडी योजनांतर्गत भैरव बाबा मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने पर भैरवनाथ लोक परिसर का भव्य लोकार्पण किया गया। इसकी कुल लागत 2 करोड़ 19 लाख है। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भैरव बाबा का विधिवत पूजन-अर्चन एवं हवन किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में ध्वज का आरोहण कर धार्मिक आस्था को नई ऊँचाई दी। लोकार्पण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में त्रिवेणी बरगद, पीपल एवं नीम के पौधों का रोपण भी किया तथा से धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंदिर परिसर पहुंचने पर मुख्यमंत्री का लक्ष्मी स्वरूपा नारियों ने मंगल कलश और पुष्पवर्षा से स्वागत किया। इस अवसर पर 51 बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार करके वातावरण को गरिमा और धर्ममय बनाया।

उल्लेखनीय है कि ग्राम खामडीह में स्थित भैरव बाबा की विशाल एवं प्राचीन प्रतिमा अत्यंत दुर्लभ है, जो शयन मुद्रा में स्थापित है। स्थापत्य कला की दृष्टि से यह प्रतिमा लगभग 10वीं शताब्दी की मानी जाती है। यह ऐतिहासिक प्रतिमा वर्षों से खुले आसमान के नीचे स्थित थी। शासन की एलएडी योजना के अंतर्गत 180 लाख रूपये लागत से इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार एवं अन्य आवश्यक निर्माण कार्य कराए गए हैं। विशाल भैरव बाबा प्रतिमा के चारों ओर दो मंजिला मंदिर का निर्माण किया गया है, जिससे प्रतिमा को संरक्षण मिलने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा भी सुनिश्चित हुई है। निर्माण कार्य मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न किया गया। भैरव नाथ लोक परिसर अब धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए एक सशक्त और भव्य केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यह लोकार्पण कार्यक्रम आस्था, विरासत संरक्षण, विकास और पर्यावरण संवर्धन तीनों का प्रेरक उदाहरण बनकर क्षेत्रवासियों के लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह, विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री का रीवा एयरपोर्ट पर किया गया आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक दिवसीय प्रवास पर रीवा पहुंचे। रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री का उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद सतना गणेश सिंह, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव सिंह राजपूत सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

जमीन बेचना है
1.रीवा एयरपोर्ट के सामने मारुति एजेन्सी के पहले फोरलेन हाइवे पर 54000 वर्गफिट जिसका सामना 145 फिट है।
2.ट्रांसपोर्ट नगर रीवा में दो तरफ रोड से लगा 7200 वर्गफिट जिसमें गोडाउन बना हुआ है.
संपर्क :- 9425830072

पायनियर स्कूल (Pioneer School)
प्रथम 50 छात्रों को प्रवेश शुल्क माफ
सत्र - 2026-27 हेतु प्रवेश प्रारंभ
• घर तक वाहन सुविधा
• शांत वातावरण / एक एकड़ का कैम्पस
• सभी शिक्षक पोस्ट ग्रेज्यूट
Pioneers School of Excellence
अनंतपुर, सूरज नगर, रीवा | संपर्क नंबर :- 9826877767, 83700 73017

कॉस्मेटिक स्किन एंड प्लास्टिक सर्जरी क्लीनिक
डॉ. सौरभ सक्सेना
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (सर्जरी), MCH (प्लास्टिक सर्जरी)
समयः 4:00 PM से 7:30PM सोमवार से शनिवार, रविवार 12 PM- 02:00PM
• स्किन टैन, तिल, मस्से का उपचार टैटू रिमूवल
• झुरियां, मुंहासे के दाग के लिए
• सफेद दाग का इलाज • फिलर ट्रीटमेन्ट
• लेजर द्वारा नॉन सर्जिकल एवं सर्जिकल उपचार
• त्वचा संबंधी सभी विकृतियों का उपचार
• स्ट्रेच मार्क चोट, सर्जरी के दाग का उपचार
• हेयर लेजर रिमूवल (अनचाहे बाल) केमिकल पीलिंग से (झाइयां)
• कार्बन पीलिंग • Prp थैरेपी, GFC थैरेपी
• मेडिफेशियल, वैंपायर फेसियल
• हेयर ग्रोथ ट्रीटमेन्ट
• स्किन व्हाइटनिंग एण्ड ग्लो ट्रीटमेन्ट
07662.352194, 9827268788, 9825935433 (एमरजेन्सी नंबर)
पता-साक्षी मेडिकोज के बगल में, LIC क्र.-1 के नीचे, सिरमौर चौराहा, रीवा (म.प्र.)

थोड़ा समय भी एक साथ रहना परिचय उत्पन्न कर देता है।
- बाणभट्ट

हर बार औरतों के हाथ रहा ईरानी इंकलाब का परचम

ईरान में 1979 में जब इस्लामी क्रांति ने दस्तक दी और आयतुल्लाह खुमैनी पेरिस से तेहरान पहुंचे, तब उनके स्वागत में ईरानी औरतें आगे-आगे थीं। इन्हीं औरतों ने शाह पहलवी के खिलाफ जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे। अब वही औरतें उसी मजहबी सत्ता के खिलाफ जंग लड़ रही हैं। ईरान के मौजूदा हालात के पसमंजर में हिजाब के खिलाफ शुरू हुए आंदोलन का बड़ा हाथ है, जो सितंबर 2022 में महसा अमीनी के कत्ल के बाद से ईरान ही नहीं, विदेशों में भी फैल गया था।

● सुहेल वहीद ●

ईरान में लगातार उस आंदोलन का दमन किया जाता रहा, पर वह रह-रहकर उभर आता है। नवंबर 2024 में तेहरान यूनिवर्सिटी में एक छात्रा हिजाब के खिलाफ इतनी गुस्से में आ गई कि वह अपने कपड़े उतारकर कैंपस में घूमने लगी थी। हिजाब, महिला अधिकार और मानव अधिकारों के हनन के खिलाफ जद्दोजहद के लिए पूर्व अभिनेत्री और इंजीनियर नरगिस मोहम्मदी करीब 13 साल जेल में गुजार चुकी हैं, उन्हें साल 2023 में शांति के नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था।
ईरान में जब कभी कोई आंदोलन हुआ या क्रांति आई, उसमें ईरानी औरतों ने जबर्दस्त रोल अदा किया है। 1979 के 'इस्लामी इंकलाब' के लिए भी ईरानी औरतों ने गोलियां खाई थीं। इस ऐतिहासिक घटना के करीब आठ साल पहले विख्यात लेखिका पद्म विभूषण कुर्रतुल ऐन हैदर ईरान गई थीं और वापस आने के बाद उन्होंने एक शानदार रिपोर्ताज कोहे दमावंद लिखा। उसमें उन्होंने उस वक्त के शाही ईरान का बड़ा उम्दा मंजरनामा पेश किया है। ज्ञानपीठ से सम्मानित कुर्रतुल ऐन हैदर तब ईरान के शाह की मेहमान थीं।
एक कार्यक्रम के बारे वह में लिखती हैं, 'तीसरे रोज अमजदिया स्टेडियम में तकरीबन पचास हजार नौजवान लड़के-लड़कियों ने वर्जिशी मुकाबले पेश किए। लड़कियां लड़कों के साथ कराटे लड़ीं, मोटर बाइक सवार जनाना पुलिस की लड़कियों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। आग के चक्करों से अपनी मोटरसाइकिलें कुदा ले गईं। ईरानी महिलाओं की यह तरक्की वाकई काबिले तारीफ थी, इसकी शुरुआत रजा शाह कबीर ने की थी। प्रोग्राम में पूरे ईरान की महिला कॉलेजों और स्कूलों की लड़कियां हिस्सा ले रही थीं। तब रानी शहबानो के सानो गुमान में न था कि यही छात्र और बुद्धिजीवी शहंशाहियत के खिलाफ संघर्ष का आगाज करेंगे। उनकी तस्वीरें जलाएंगे, 'मर्ग बरशाह' के नारे लगाएंगे और खुशी-खुशी मशीनगनों का निशाना बनेंगे। ये मोटर बाइक सवार और जूडो-कराटे करने वाली लड़कियां कौमी जद्दोजहद के सिंबल के तौर पर सियाह चादरें ओढ़कर उस इंकलाब में शामिल होंगी। उनको और मुझ समेत अनेक लोगों को उस वक्त मालूम न था कि ये नई मिडिल क्लास लड़कियां आठ साल बाद शहंशाहियत के खिलाफ मोर्चा लगाकर तेहरान के इस मैदान में गोलियों का निशाना बन जाएंगी, जिसे अब ईरानी 'शिकारगाहे शहंशाही' कहते हैं।'

1964 से सड़कों पर उतर आई थीं ईरानी औरतें

दिलचस्प यह है कि खुमैनी को जब 1964 में देश निकाला दिया गया, तब ईरानी औरतों ने सड़कों पर जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे और 1978 आते-आते हर तबके की ईरानी औरतें शाह के खिलाफ मोर्चा खोल चुकी थीं। इन प्रदर्शनों में 1963 की पश्चिमी सभ्यता को थोपने वाले 'काफूरी इंकलाब' व शाह की खुफिया पुलिस के रवैये का भी बड़ा हाथ था। इस समय ईरान का सबसे बड़ा हिमायती रूस है। उसी के खिलाफ 1911 में ईरानी औरतों ने संसद के सामने जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे, बहारिस्तान स्क्वॉयर में जोरदार तकरीरें कीं और नज्में पढ़ी थीं। रजा शाह कबीर ने 1937 में गर्ल्स कॉलेज खोला और ईरानी औरतों की दुनिया बदल दी। 1962 में ईरानी औरतों को वोट का अधिकार भी शाह ने ही दिया था। लेकिन, अब वहां की इविन जेल औरतों के लिए काल-कोठरी बन गई है। कितनी महिलाएं जेल में हैं, कोई नहीं जानता। पिछले साल मार्च में एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा था ईरान में औरतों व लड़कियों के खिलाफ व्यवस्थागत भेदभाव, हिंसा तथा महिला अधिकारों का खुला हनन हो रहा है।

कुछ नया खोज पाना एआई के बस की बात नहीं

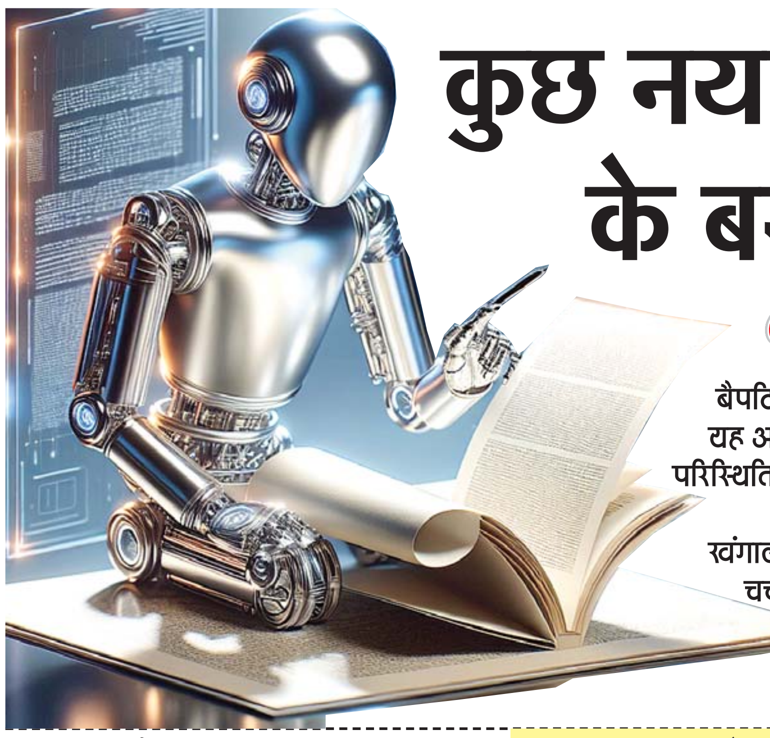

इटली के फ्लोरेंस शहर में, प्रसिद्ध फ्लोरेंस कैथेड्रल के ठीक सामने एक बहुत पुराना चर्च है, सैन जियोवानी का बैपटिस्टी। प्राचीन रोम की वास्तुकला की स्पष्ट छाया होने के बावजूद, यह आज भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है कि किसने और किन परिस्थितियों में इसका निर्माण करवाया। 2020 की शुरुआत में मैंने इसकी ऐतिहासिक जड़ों की तलाश शुरू की। वर्षों तक दस्तावेजों को खंगालने और गहन शोध के बाद, मैं एक अहम निष्कर्ष पर पहुंचा। यह चर्च 1073 में पोप ग्रेगरी सप्तम के चुनाव के बाद, उनके ही नेतृत्व में बनवाया गया था। मेरा यह शोध उस समय पूरा हुआ, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बड़े भाषा मॉडल अभी आम चर्चा का विषय नहीं बने थे।

● एलन डैनजिगर, द न्यूयॉर्क टाइम्स ●

हाल ही में, मेरे मन में यह सवाल उठने लगा है कि क्या आज का कोई चैटजीपीटी सरीखा एआई टूल ऐसे सदियों पुराने रहस्य को मुझसे ज्यादा तेजी से सुलझा सकता था? एक व्यक्तिगत प्रयोग के तौर पर मैंने अपनी खोज के अलग-अलग पहलुओं पर तीन एआई चैटबॉट-चैटजीपीटी, क्लाउड और जेमिनी को आजमाया। मेरा उद्देश्य यह जानना था कि क्या ये टूल वही सुराग पहचान पाते हैं, उनकी अहमियत समझ पाते हैं और उसी निष्कर्ष तक पहुंच पाते हैं, जिन तक मैं वर्षों की जांच के बाद पहुंचा था। नतीजा निराशाजनक रहा, क्योंकि चैटबॉट इसमें असफल साबित हुए।
हालांकि, ये एआई टूल बैपटिस्टी की उत्पत्ति से जुड़े जटिल व कठिन तथ्यों को समझने में सक्षम थे, लेकिन वे किसी नए विचार या मौलिक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सके। उनमें वह बुनियादी गुण नहीं था, जो किसी खोज के लिए आवश्यक होता है। इसके पीछे कई कारण हैं। दरअसल, बड़े लैंग्वेज मॉडल किसी भी इन्सान से कहीं ज्यादा पढ़ चुके होते हैं, पर जब एआई पढ़ता है, तो वह असल में अर्थ नहीं, बल्कि पैटर्न पहचानता है। ऐसे विचार, जो प्रचलित सोच को चुनौती देते हैं, अक्सर इस प्रक्रिया में छूट जाते हैं। जबकि वास्तविक खोज इन्हीं असामान्य बिंदुओं से जन्म लेती है। यदि मैं इन पर ध्यान न देता, तो शायद मैं भी कभी इस खोज तक नहीं पहुंच पाता। उदाहरण के तौर पर, फ्लोरेंस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुइडो टिगलर की किताब टस्काना रोमनिका में बैपटिस्टी के निर्माण से जुड़े तर्क को अधिकांश विद्वान स्वीकार नहीं करते। जब मैंने चैटबॉट से बैपटिस्टी के रहस्य को सुलझाने के स्रोतों के बारे में पूछा, तो उन्होंने इस किताब का कोई जिक्र नहीं किया।
सदियों तक यह माना जाता रहा कि 1059 में पोप निकोलस द्वितीय ने सैन जियोवानी के बैपटिस्टी को पवित्र किया था।

वास्तविक खोज के लिए तथ्यों को जोड़ने के बजाय नए व अप्रत्याशित ढंग से सोचना पड़ता है, जो एआई के बस की बात नहीं।

पर वास्तव में, इसका कोई ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। यह धारणा केवल दस्तावेजों से निकाले गए अनुमान पर आधारित है, जिनमें उस वर्ष पोप निकोलस द्वितीय की अन्य फ्लोरेंटाइन चर्चों से जुड़ी गतिविधियों का उल्लेख मिलता है। जब मैंने एआई चैटबॉट्स से कहा कि वे इस विसंगति को पहचानने की कोशिश करें, तो नतीजे चौंकाने वाले थे। चैटजीपीटी और क्लाउड इस विरोधाभास तक तो पहुंच गए, लेकिन वे यह समझने में असफल रहे कि यह तथ्य संदिग्ध क्यों है। वहीं जेमिनी ने तो ऐसे सबूत ही गढ़ दिए, जिनसे यह भ्रम दूर होता हुआ प्रतीत होने लगा। किसी भी शोध के लिए तीन बातें जरूरी होती हैं-स्थिति का सटीक आकलन, समस्या की पहचान करना और यह स्पष्ट करना कि वह क्यों गंभीर है? बड़े भाषा मॉडल इन तीनों स्तरों पर संघर्ष करते दिखाई दिए।
वास्तव में, इस रहस्य की असली कुंजी बैपटिस्टी की वास्तुकला में ही छिपी थी कि इसे किसने बनाया था। दरअसल, इसकी संरचना प्राचीन रोम के पैंथियन से गहराई से प्रेरित है। यह इमारत ठीक उसी प्रकार की चर्च वास्तुकला थी, जिसे ग्रेगरी सप्तम बढ़ावा देना चाहते थे। मध्ययुगीन इतिहास के बिखरे हुए तथ्यों को एक नई व्याख्या में जोड़ना केवल सूचनाओं को जोड़ने का काम नहीं था, बल्कि उनके बीच छिपे अर्थ को पहचानने की प्रक्रिया थी। एआई इस तरह के ऐतिहासिक टुकड़ों को इकट्ठा करने और व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को तेज तो कर सकता है, पर वास्तविक खोज केवल जानकारी को जोड़ने से नहीं होती। उसके लिए नए और अप्रत्याशित संबंधों को देखना पड़ता है।
मेरे प्रयोगों से यह स्पष्ट हुआ कि मौजूदा एआई तकनीक अभी इस स्तर की रचनात्मक समझ से काफी दूर है। खोज अब भी एक मानवीय प्रयास है। यह उस विशिष्ट मानवीय प्रवृत्ति से जन्म लेती है, जिसमें हम उन चीजों पर ध्यान देते हैं, जो तयशुदा पैटर्न में फिट नहीं बैठतीं और फिर उन्हें गहराई से समझने की कोशिश करती हैं, जो कि शायद एआई के भीतर नहीं हैं।
यह एक नया एआई एजेंटिक टूल है, जिसे एंथ्रोपिक कंपनी ने विकसित किया है। यह साधारण चैटबॉट्स से अलग है, क्योंकि यह सिर्फ सलाह नहीं देता, बल्कि एक डिजिटल सहकर्मी की तरह उपयोगकर्ताओं के लिए काम भी कर सकता है। उपयोगकर्ता इसे अपने कंप्यूटर के किसी खास फोल्डर का एक्सेस दे सकते हैं। यह उस फोल्डर की फाइल्स को पढ़कर उसे एडिट कर सकता है और नई फाइल्स बना भी सकता है। जब इसे कोई काम सौंपा जाता है, तो यह खुद एक योजना बनाकर चरण-दर-चरण प्रक्रिया तय करके काम पूरा करता है। इसके लिए कोडिंग सीखने की जरूरत नहीं है। उपयोगकर्ता इसे हिंदी या अंग्रेजी में निर्देश दे सकते हैं।

जब धर्मेंद्र ने खुद ही भीड़ को कंट्रोल किया....

बॉलीवुड के ही मैन धर्मेंद्र कुछ ही दिनों पहले अलविदा कह गए हैं। उनके भारतीय सिनेमा को दिए योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत वर्ष 2026 के पद्म विभूषण पुरस्कार से नवाजा है। इस मौके पर धर्मेंद्र के फिल्मी जीवन से जुड़ा एक किस्सा यहां प्रस्तुत है, जो यह बताता है कि इतने बड़े स्टार कलाकार होते हुए भी वे आमजन के कितने करीब थे।

फिल्ममेकर अनुराग बसु की पत्नी तानी का आइडिया था कि फिल्म 'लाइफ़ इन ए मैट्रो' में नफ़ीसा अली को धरम जी के अपोजिट कास्ट किया जाए। धरम जी के इस दुनिया से जाने के बाद अनुराग बसु ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब धरम जी और नफ़ीसा अली जी को कास्ट करने का विचार उन्होंने किया था उस वक्त वो दोनों ही मेंबर ऑफ़ पार्लियामेंट थे। इस फिल्म में एक दृश्य है जिसमें धरम जी और नफ़ीसा जी के किरदार जब सालों बाद मिलते हैं तो उनके बीच नज़दीकियां बढ़ती हैं। और दोनों किस करते हैं। धरम जी और नफ़ीसा जी को कास्ट करने से पहले अनुराग बसु को लग रहा था कि ऐसा ना हो धरम जी और नफ़ीसा जी वो किस सीन करने से इन्कार कर दें। हालांकि जब हिम्मत करके अनुराग बसु ने इन दोनों कलाकारों से किस सीन के बारे में बताया तो दोनों ने ही कोई असहजता नहीं दिखाई। एकदम नॉर्मल रहे दोनों।
फिल्म में दिखाया गया है कि अमोल(धर्मेंद्र) और शिवानी(नफ़ीसा अली) दोबार उसी स्टेशन पर मिलते हैं जहां बरसों पहले वो दोनों जुदा हुए थे। वो दृश्य मुंबई के सियोन स्टेशन पर फिल्माया गया था, जो कि काफ़ी व्यस्त रहने वाले स्टेशन्स में से एक है। इस दृश्य को फिल्माने में काफ़ी चुनौतियां भी अनुराग बसु को फेस करनी पड़ी थी। क्योंकि धरम जी बहुत बड़े स्टार थे। उनके साथ भीड़ के बीच में शूटिंग करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। रेलवे से जब शूटिंगकी परमिशन मिल गई तो अनुराग बसु ने अपनी तैयारी शुरू कर दी। शूटिंग वाले दिन उन्होंने धरम जी को बहुत देर तक वैनिटी वैन में ही बिठाए रखा। फिर जब शूट का वक्त आया तो कुछ क्र्यू मेंबर्स छातों की आड़ में धरम जी को प्लेफॉर्म तक लेकर आए। और फौरन ही शूट स्टार्ट कर दिया या। सीन के मुताबिक़ धरम जी दूसरे प्लेफॉर्म पर बैठी नफ़ीसा अली को निहार रहे थे।
मगर तभी पास से गुज़र रहे एक व्यक्ति ने धरम जी को देख लिया। और उसने ज़ोर से धरम जी का नाम पुकारा। धरम जी ने भी उसकी तरफ़ देखा और हाथ हिलाया। फिर तो स्टेशन पर मौजूद लगभग सभी लोगों को पता चल गया कि धर्मेंद्र यहां शूटिंग कर रहे हैं। और धरम जी के चारों तरफ़ भीड़ लग गई। वो नज़ारा देखकर अनुराग बसु को फिक्र होने लगी कि इस दृश्य को पूरा कैसे किया जाएगा? क्योंकि सीन में तो धरम जी को ट्रैक पर कूदकर दूसरी तरफ़ अपनी लेडी लव नफ़ीसा अली के पास जाना था। और उनसे कहना था कि इतने सालों में वो ज़रा भी नहीं बदली हैं।
भीड़ को हटाने का अनुराग बसु को कोई आईडिया सूझता, उससे पहले धरम जी ने ही अपने चारों तरफ़ मौजूद लोगों की भीड़ से हाथ जोड़कर कहा कि प्लीज़ हमें शूट करने दीजिए। धरम जी के इतना कहते ही लोग बिल्कुल शांत हो गए। अनुराग बसु ने बताया है कि लाइफ़ इन ए मेट्रो फिल्म के उस दृश्य में धरम जी के आस-पास जो पुरुष व महिलाएं नज़र आ रहे हैं, वो सभी वास्तव में मुसाफिर थे। और सभी धरम जी को करीब से देखने के लिए वहां आए थे। वैसे मैंने अभी-अभी वो दृश्य फिर से देखा है यूट्यूब पर। एक आदमी है जो कैमरे में एक बार घूरता है। नफ़ीसा जी अब 69 साल की हो गई हैं। 18 जनवरी 1957 को नफ़ीसा जी का जन्म हुआ था। ईश्वर उन्हें हमेशा स्वस्थ रखें।

मुंबईकरों का भाषा प्रेम, दिखावे का उत्कृष्ट उदाहरण

● ट्विंकल खन्ना ●

मुंबई में चुनाव की सुबह एक जानी-पहचानी लय होती है, सुबह 8 बजे घर में हल्की-फुल्की घरेलू लड़ाई शुरू हो जाती है। अपनी बेटी के साथ इस बात पर थोड़ी बहस हुई कि उसका स्कूल क्यों खुला है जबकि चुनाव की वजह से दूसरे स्कूल बंद हैं, मैंने उसे हंसी में टालते हुए कहा- तुम जिस एक ही कैंडिडेट को सपोर्ट करोगी, वह मिस्टर बीस्ट हैं, और मैंने चेक किया है, वह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इसलिए स्कूल जाओ। इसके बाद मैंने घर के मुखिया (अक्षय)को अलविदा कहती हूँ, जो ठीक 7.15 बजे वोट दे चुके थे। हालांकि हम दोनों इस बात पर सहमत हुए थे कि हमारा वोट देना पूरी तरह से बेकार है क्योंकि हम एक-दूसरे को कैंसल कर देंगे। हमारे घर का एक वोट उसकी पार्टी के लिए, एक मेरी पार्टी के लिए, ही होगा।
मैं पोलिंग बूथ में घुसी और अपनी बारी का इंतज़ार किया। सामने वाली महिला ने ध्यान से देखा और कहा, मैं आपको पहचानती हूँ। मैं प्यार से मुस्कुरा दी। फिर उसने कहा, रवीना टंडन, है ना? मैंने इनकार किया। उसने ज़ोर दिया। मैंने जीत के साथ अपना वोटर आईडी लहराया, सिर्फ़ एलिजिबिलिटी के सबूत के तौर पर नहीं, बल्कि उसकी कमज़ोर होती नजर के सबूत के तौर पर। मुझे वोटिंग रूम में ले जाया गया। डेमोक्रेसी की पवित्रता के बारे में ढेर सारे भाषणों के बावजूद, मुझे एक ऐसे सेटअप के पीछे जाने के लिए कहा गया, जिस पर आसानी से शक कर सकते थे, क्योंकि यह किसी स्कूल के साइंस प्रोजेक्ट जैसा लग रहा था। वोटिंग मशीन एक कार्डबोर्ड बॉक्स के पीछे छिपी हुई थी, जो ऐसा दिखता था जैसे अस्सी के दशक के आखिर में कभी इसमें ओनिडा टीवी रखा गया हो। वोट देकर बाहर निकलते समय, एक फ्रेंडली पुलिसवाले ने मुझे सेल्फ़ी के लिए रोका। उसने कहा, 'मैडम, आप असल जिंदगी में ज़्यादा अच्छी लगती हैं।' मैंने थोड़ी देर सोचा कि यह तारीफ़ है या बेइज़्ज़ती, फिर उससे सवाल न करने का फ़ैसला किया। उसके पास बंदूक थे और मेरे पास सिर्फ आइब्रो ट्वीजर... जाहिर है हम बराबर नहीं थे।
दोपहर में मैं आमिर खान की इलेक्शन में वोटिंग की एक क्लिप देखता हूँ। वह मराठी में बोलते हैं, उनसे हिंदी में अपना मैसेज दोहराने के लिए कहा जाता है, और वह जवाब देते हैं, 'हिंदी में? यह महाराष्ट्र है।' भाषा सच में, बीएमसी के लिए ड्रेनेज से भी बड़ा मुद्दा है। चुनावों से पहले, मराठी बनाम हिंदी को लेकर ज़ोरदार बहस हुई, और 2008 में, बीएमसी ने सारा एडमिनिस्ट्रेटिव काम सिर्फ़ मराठी में करने की कोशिश की। इसका हर मुमकिन भाषा में विरोध हुआ और तुरंत पीछे हटना पड़ा। आइडियोलॉजी तब तक पावरफुल होती है जब तक आपको लंबे फ़ॉर्म न भरने पड़ें। दोपहर 3.30 बजे अपनी बेटी को लेने जाते समय, मैं मुंबई एयरपोर्ट का रास्ता दिखाने वाले कई साइन बोर्ड देखकर सोच में पड़ गई, बेशक, इसे बॉम्बे एयरपोर्ट कहकर बड़ा हुआ हूँ। लेकिन जो बात मुझे कन्फ्यूज़ करती है, वह यह है कि मुंबई अभी भी हर जगह इंग्लिश में क्यों लिखा जाता है। अगर भाषा की प्योरिटी ही मकसद है, तो क्या हमें पूरी तरह से कमिटेड नहीं होना चाहिए?
मेरे पास उन नेताओं के लिए एक आसान टेस्ट है जो नाम, भाषा और साइन बोर्ड बदलना चाहते हैं। मैं उनसे पूछना चाहती हूँ कि उनके घर में किस तरह का टॉयलेट है। अगर यह कोई कोर्टरूम ड्रामा होता, तो कोई चिल्लाता, 'ऑब्जेक्शन, मिलॉर्ड' और मैं कहती, 'कोई कनेक्शन है।' क्योंकि अगर आप इंग्लिश के बहुत खिलाफ हैं, लेकिन हर सुबह इंग्लिश टॉयलेट पर बैठते हैं, तो इसमें, एक तरह का दोगलापन भी दिखता है। हालांकि, अगर मैं ईमानदारी से कहूं, तो मुझे लगता है कि हमारे ज़्यादातर पॉलिटिशियन इंडियन-स्टाइल टॉयलेट के लिए नहीं बने हैं। बैठने के लिए थोड़ी फ्लेक्सिबिलिटी और विनम्रता की ज़रूरत होती है। अगर वे सच में डीकोलोनाइज़ करना चाहते हैं, तो उन्हें पूरा इंग्लिश टॉयलेट बाहर फेंक देना चाहिए। ध्यान देने वाली बात है, मिलॉर्ड।
वापस आते समय, हमारी सड़कों की वैसी ही हालत देखकर मुझे यकीन हो गया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन जीतता है, हमारी सड़कें

पिछले दिनों जब मुंबई में महानगरपालिका के चुनाव हुए, तो उस दिन वोट डालने जाना मानो एक किस्सा बन गया।

और हमारी किस्मत वैसी ही रहेगी। हम बीएमसी के यूनिक स्पेस प्रोग्राम के फायदे उठाते रहेंगे, जो चांद की जगहों को सीधे लोगों तक पहुंचाएगा। बीएमसी सच में बराबरी में यकीन करती है। उनका पक्का इरादा है कि हर मुंबईकर का अपना गड्ढा हो और उम्मीद है, हम जल्द ही उनका नाम भी रख पाएंगे, वो भी ठेठ मराठी में...।
आप देखिए, बॉम्बे, सॉरी, मुंबई आने के बाद मेरे कुत्ते का भी नाम बदल गया है। उसे कभी मिस्टर जीव्स कहा जाता था। लंदन में जन्मे, अपनी ज़िंदगी के पहले साल पी जी वोडहाउस के घर के पास ही पले-बढ़े, वे अकसर चुपचाप बैठते थे, अजनबियों को इग्नोर करते थे, और चुपचाप लोगों को जज करते थे, शायद यह ब्रिटिश ट्रेनिंग का सबसे ऊँचा तरीका था। फिर हम मुंबई वापस आ गए। आज, मिस्टर जीव्स को जीबू कहा जाता है, और यहाँ तक कि एकदम महाराष्ट्रियन लगने वाला जीवद्रा भी। मुझे पक्का नहीं पता कि कब, लेकिन किसी समय, उनका नाम और उनका नेचर दोनों बदल गए।
अब वे सिर्फ़ अजनबियों पर ही नहीं बल्कि रिश्तेदारों और हमारे हेल्पर्स पर भी भौंकते हैं। फिर वे उन पर इतनी तेजी से झपटते हैं कि उनके आखिरी दो पैर फिसलते हैं और सीधे उनकी कमज़ोरी पर गिरते हैं, जहाँ वे उन्हें काटते हैं, गुस्से में नहीं, बल्कि फ्रस्ट्रेशन में। वही फ्रस्ट्रेशन जो ठीक-ठाक मुंबईकरों को ट्रैफिक लाइट, स्टॉक मार्केट, गड्ढों और भाषा के बारे में म्युनिसिपल अनाउंसमेंट पर चिल्लाने पर मजबूर कर देती है। हम बाकी लोगों की तरह, जीव्स ने भी इस अफ़रा-तफ़री को अपने अंदर समा लिया है। तो अगर आपने कभी सोचा है कि मुंबई में लोग हमेशा इतने स्ट्रेस में क्यों रहते हैं, तो प्लीज़ मेरे कुत्ते को देखिए- पहले शांत, अब जंगली। आप जो भी नाम से सबसे ज़ोर से पुकारेंगे, वह उसे मानेगा, इस उम्मीद में कि अपना हक चुकाने के बाद, उसे किसी दिन एक-दो ट्रीट मिल जाएगी। मुंबई में, हम सबने अपने अंदर के 'जीव' द्रव्य को बाहर निकाल दिया है, इसलिए हम चलते रहते हैं, टूटे-फूटे फुटपाथों पर कूदते हैं, कचरे पर पैर रखते हैं, अपनी स्याही लगी उंगली बाहर निकालते हैं, उम्मीद से ज़्यादा आदत की वजह से।

सीजन की सबसे बड़ी प्रतियोगिता की तैयारी में जुटा एपीएसयू

रीवा में जुटेंगे 52 विश्वविद्यालयों के 1040 खिलाड़ी व स्टाफ

वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 13 फरवरी तक

जागरण,रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय इस वर्ष सीजन की सबसे बड़ी प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों में जुटा हुआ है। वेस्ट जोन की इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता का आगाज आगामी 9 फरवरी को होना है, जिसका समापन 13 फरवरी को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में वेस्ट जोन के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय सहित 52 विश्वविद्यालय प्रतिभाग करेंगे। इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में इस वर्ष एपीएसयू को महिला फुटबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी दी गई है। बताया गया कि प्रतियोगिता में 52 विश्वविद्यालयों के 1040 खिलाड़ी व स्टॉफ मौजूद होंगे। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का शारीरिक शिक्षा विभाग मेजबानी को लेकर तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रदेश भर से स्टॉफ विवि द्वारा बुलाया जा रहा है, ताकि प्रतियोगिता का आयोजन सफलता पूर्वक किया जा सके। विवि ने पूरा खाका प्रतियोगिता की मेजबानी का तैयार कर लिया है, मैदानों के चयन के साथ-साथ समितियों का गठन कर दिया गया है, सभी को दायित्व दे दिए गए हैं। आयोजक सचिव व संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग एपीएसयू डॉ.रामभूषण मिश्रा द्वारा लगातार समीक्षा की जा रही है।

चार मैदानों में होगी प्रतियोगिता

बता दें कि विवि ने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए चार मैदान तैयार किए हैं, विवि स्टेडियम सहित स्पोर्ट्स कांपलेक्स, टीआरएस कॉलेज मैदान में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ महिला खिलाड़ियों के रूकने के लिए टीआरएस गर्ल्स हॉस्टल व विवि गर्ल्स हास्टल में रूकने की व्यवस्था की गई। शुरुआत 6.30 बजे से होगी और दूसरा सेशन दोपहर 2 बजे से होगा। प्रतियोगिता की मेजबानी को लेकर अभी से तैयारी की जा रही है, समितियों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

यह टीमें होगी शामिल

प्रतियोगिता में पूल ए में एलएनआईपीई ग्वालियर, एमएसबी विवि भरतपुर, एसकेडी विवि हनुमानगढ़, जीवाजी ग्वालियर, एसजीसी देसर, एमएस उदयपुर, आरएसएस छिंदवाड़ा, जीजीटी बंसवारा, वनस्थलि राजस्थान, एमकेबी भगवानपुर, जेएनवी जोधपुर, सौराष्ट्र राजकोट, ईटीएम ग्वालियर, वहीं पूल बी में एचएनजी पटना, एनपीपी पुणे, चारूसट चंगा गुजरात, पीएएचएस सोलापुर, आरटी कोटा, वीएनसीजी सूरत, इंद्रा पुणे, आरजीपीवी भोपाल, पीडीयूएस सीकर, केएसकेवीसी कांच, एमजीसी बीकानेर, अजीनक्या पुणे, केबीसीएनएम जलगांव, पूल सी में मुम्बई विवि, एपीएसयू रीवा, एलएनसीटी भोपाल, विक्रम उज्जैन, एकेएस सतना, अहमदाबाद विवि, एमजीजी चित्रकूट, एमआईटीडब्ल्यूपी पुणे, गुजरात विवि, एमसीबी छतरपुर, जीएनएल गुजरात, बीवाईई, पीटीएसएनएस शहडोल, पूल डी में गोवा विवि, आरटीएमएन नागपुर, राजस्थान विवि, रानी दुर्गावति जबलपुर, एसजीबीए अमरावती, सोम्या मुम्बई, आरएनटी भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, एचएसएनसी मुम्बई, बरकातुल्ला भोपाल, एमएस बरोदा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी राजस्थान व शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर शामिल होंगे।

> वेस्ट जोन की इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता का आयोजन 9 फरवरी से होना है, इसमें वेस्ट जोन के 52 विवि प्रतिभाग करेंगे। आयोजन की तैयारी की जा रही है, चार मैदानों में प्रतियोगिता आयोजित होगी।
> **डॉ.रामभूषण मिश्रा, आयोजक सचिव/संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग एपीएसयू।**

महा शिवरात्रि शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम को भजनों से संजोएगा रिदम ग्रुप

हिन्दू धर्म परिषद ने सदस्यों को सौंपी जिम्मेदारियाँ, यजमानों की हुई घोषणा

जागरण, रीवा। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर आगामी 15 फरवरी को श्रीमनकामेश्वर नाथ मंदिर के प्रांगण में 11 हजार पार्थिव शिवलिंगो के निर्माण और पूजन के महाआयोजन में रिदम म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति से सजाया जायेगा। हिन्दू धर्म परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की व्यवस्था के लिये संस्थापक नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन में अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने अपने वरिष्ठ सदस्यों को जिम्मेदारियाँ सौंपी है। संस्थापक एवं कार्यक्रम संयोजक श्री डिगवानी ने बताया कि हिन्दू धर्म परिषद द्वारा लगातार दूसरे वर्ष में यह लोक कल्याणकारी आयोजन कराया जा रहा है जिसमें नगर के सभी श्रद्धालु शिव भक्तों से शामिल होने का आग्रह किया जा रहा है। इस अवसर पर भंडारे की भी व्यवस्था की जा रही है। 11 हजार पार्थिव शिवलिंगो का पूरी व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा कराई जा रही है। श्री मनकामेश्वर नाथ मंदिर कोठी के सामने स्थित गोल चबूतरे में यह आयोजन संपन्न होगा। रिदम ग्रुप के अलाकारों द्वारा अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी के निर्देशन में तैय्यारी एवं अभ्यास प्रारंभ कर दिया गया है।

बाल विवाह, बाल अधिकार एवं कानूनों पर कार्यशाला आयोजित कर किया जागरूक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा में हुआ आयोजन

रीवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा एवं अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह भारत अभियान, बाल अधिकार संरक्षण, पॉक्सो एक्ट एवं जेजे एक्ट विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह एवं बाल अधिकारों से जुड़े मामलों में जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा पीड़ित बच्चों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव समीर कुमार मिश्रा रहे। उन्होंने बाल विवाह को एक गंभीर सामाजिक एवं कानूनी अपराध बताते हुए कहा कि यह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को गहराई से प्रभावित करता है। उन्होंने संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए बाल विवाह रोकने में सभी हितधारकों की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ,जिला विधिक अधिकारी अभय मिश्रा, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी मिश्रा, सदस्य विभा द्विवेदी, अनिल अग्निहोत्री, आरती, डीपीओ सूर्य प्रकाश पांडे, बाल कल्याण अधिकारी स्वाति श्रीवास्तव, जेजेबी सदस्य रंजना शर्मा एवं के.पी. शर्मा, ममता मिश्रा, विशेष किशोर पुलिस इकाई से प्रद्युम्न सहित अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी की ओर से समन्वयक सुमित सिंह, चक्रपाणि मिश्र एवं आरती पटेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ विषय प्रवेश सुमित सिंह द्वारा किया गया। अंत में उपस्थित प्रतिभागियों ने बाल विवाह के विरुद्ध निरंतर जागरुकता फैलाने एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया।

शासकीय कन्या हाई स्कूल घोघर के प्राचार्य फैज़ मोईन सिद्दीकी हुए सेवानिवृत्त

जागरण, रीवा। शासकीय कन्या हाई स्कूल घोघर के प्राचार्य फैज़ मोईन सिद्दीकी ने शिक्षा विभाग में 39 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुए। उन्होंने अपने सेवा काल की शुरुआत व्याख्याता पद से की थी तथा प्राचार्य पद से अपनी सेवाएँ पूर्ण कीं।

अपने लंबे कार्यकाल के दौरान विभागीय दायित्वों के साथ-साथ जिले में तकनीकी कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे सदैव निष्ठा, समर्पण एवं कर्तव्यपरायणता के लिए जाने जाते रहे। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामलल्लू दीपांकर द्वारा उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष कौशलेंद्र मणि त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष जितेंद्र चतुर्वेदी, विजय पाण्डेय, अविनाश गौतम, सुदीप पांडेय एवं अरुण द्विवेदी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विद्यालय परिवार की ओर से भी उन्हें स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम में मो. सफीक खान, राजेश कुमार नामदेव, कमल नारायण त्रिपाठी, श्यामकली पटेल, मनीषा पटेल, महिमा सिंह, पूजा सिंह, सीमा मुख्तार, नागेन्द्र सिंह गौतम, जया द्विवेदी, सरोज गुप्ता, नसरीन बेगम, सफीना बानो, संतोष वर्मा एवं ज्योति श्रीवास विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

प्रबंधन एवं वाणिज्य में नवोन्मेषी अनुसंधान और सतत विकास पर वैश्विक मंथन

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

जागरण,रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के व्यावसायिक प्रशासन विभाग द्वारा पीएम-उषा पीएम-ऊषा सॉफ्ट कंपोनेंट के अंतर्गत 'प्रबंधन एवं वाणिज्य में नवोन्मेषी अनुसंधान और सतत विकास' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह सम्मेलन शिक्षाविदों, नीतिनिर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए विचारों के आदान-प्रदान का प्रभावशाली मंच बनाए जहाँ अनुसंधान, नवाचार, नैतिकता और सतत विकास के समन्वय पर व्यापक विचार विमर्श हुआ। सम्मेलन में भारत के 10 राज्यों एवं अमेरिका, रूस, कांगो, मलेशिया, सिंगापुर और क़तर सहित 6 देशों के 190 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर सम्मेलन स्मारिका का विमोचन किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों को पौधे भेंट किए गए। कार्यक्रम का समापन डॉ. अलका डिगवानी खेमचंदानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजन समिति और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय गान के साथ उद्घाटन सत्र समाप्त हुआ और तकनीकी सत्रों की औपचारिक शुरुआत के साथ यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञान, नवाचार और सतत विकास की दिशा में एक सशक्त पहल के रूप में संपन्न हुआ। 6 तकनीकी सत्र की समाप्ति के पश्चात कार्यक्रम का समापन सत्र आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्रो.करुणेश सक्सेना कुलगुरु संगम विश्वविद्यालय भीलवाड़ा राजस्थान रहे व प्रो. सुनील तिवारी प्रभारी कुलगुरु अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा मंचसीन रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर सुनील सैनानी, चेयरपर्सन विंध्या ग्रुप सतना, डॉ राजेश जयपुरिया उपाध्यक्ष एरोमा मंचसीन रहे। सम्माननीय अतिथि के तौर पर मनीष सिन्हा एचआर हेड सतना व अमित कुमार तिवारी एचआर हेड अल्ट्राटेक सीमेंट मैहर मंचसीन रहे। सर्वप्रथम इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अतुल पाण्डेय ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया व पीएम उषा मद से आयोजित किए गए इस कांफ्रेंस के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने सरकार द्वारा इस मद से मिलने वाले फंड को विश्वविद्यालय के विकास में खर्च की जानकारी दी। इस कार्यक्रम के सचिव निर्भय माहौर ने इस 2 दिवसीय कांफ्रेंस की समरी रिपोर्ट सभी के समक्ष पेश की। कार्यक्रम में प्रभारी कुलगुरु की भूमिका निभा रहे प्रो.सुनील तिवारी ने कहा कि अगर हम उच्च पद पर पहुंच कर संतुष्ट हो गए तो हमारा विकाश रूक जाएगा। उन्होंने ग्रीनलैंडए अमेरिका जापान जैसे देशों का उदाहरण दिया। उन्होंने सतत विकाश को परिभाषित करते हुए इनोवेशन पर जोर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.दीपा सक्सेना व डॉ.पूजा मिश्रा ने किया जबकि आभार प्रदर्शन डॉ प्रज्ञा सिंह ने किया।

उप मुख्यमंत्री ने गंगा यात्रा को दिखाई हरी झण्डी

रीवा। मणि नागेन्द्र सिंह फाउंडेशन रीवा इकाई के समन्वयक प्रदीप पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि फाउंडेशन का उद्देश्य ''नर सेवा नारायण सेवा'' है उसी के तहत 31 जनवरी दिन शनिवार को सुबह 8.30 बजे नीम चौक हनुमान मंदिर बोदाबाग रीवा से ''गंगा यात्रा'' 2 बस एवं 16 फोर व्हीलर वाहनों में करीब तीन सौ नागरिकों को लेकर प्रयागराज के लिए रवाना हुई। गंगा यात्रा को रवाना करते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मणि नागेन्द्र सिंह फाउंडेशन रीवा इकाई के समन्वयक प्रदीप पटेल को साधुवाद देते हुए कहा कि नर में ही नारायण का वास होता है फाउंडेशन समर्पण भाव से कार्य करें और अंतिम छोर में बैठे व्यक्तियों की सेवा करें। गंगा यात्रा प्रदीप पटेल एवं सरदार सिंह पटेल के नेतृत्व में प्रयागराज के लिए रवाना हुई।

डॉ.रेशू मिश्रा बनी सहायक संचालक पशु चिकित्सा

रीवा। डॉ.रेशू मिश्रा का चयन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सहायक संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं के पद पर हुआ है। डॉ.रेशू मिश्रा का संदीपनी विद्यालय ढ़ेरा के प्राचार्य रमेश मिश्रा की पुत्री है। इनकी शिक्षा मार्तंड क्रमांक 1 से हुई है, इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है। मुख्य प्रेरणा बड़े भाई संदीप मिश्रा को दिया है जो कि उप्र शासन में पीसीएस अधिकारी है।

कलेक्टर ने रीवा और गुढ़ में कार्यक्रमों के सफल आयोजन पर व्यक्त किया आभार

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीवा और गुढ़ में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन पर आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों, व्यवस्थापकों, पत्रकारगणों और व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने कहा कि सभी के बेहतर समन्वय से कार्यक्रमों का सफल आयोजन संपन्न हो सका।

लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ की बैठक सम्पन्न

रीवा। मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ जिला शाखा रीवा की अहम बैठक डाइट रीवा के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मार्च माह में प्रदेश के मुख्यमंत्री के आतिथ्य में रविन्द्र भवन भोपाल में संघ के 45वें वर्ष के स्वर्ण जयंती के अवसर पर महासम्मेलन का आयोजन किया जाना है। उक्त सम्मेलन में प्रदेश के सभी जिलों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में लिपिकों की उपस्थिति एवं मांगों के निराकरण के संबंध में रूप रेखा तय की गई।

ये रखीं मांग : मुख्यमंत्री के समक्ष सम्मेलन में प्रमुख रूप से लिपिक हितार्थ प्रमुख मांगों में मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान, सीपीसीटी से लिपिक वर्ग को मुक्त करने 70, 80, 90 स्टाइपेंड प्रणाली को समाप्त करने, कम्प्यूटर आपरेटर के समान 2400 ग्रेड पे दिये जाने एवं पुरानी पेंशन बहाल करने संबंधी प्रस्ताव रखने पर आम सहमति बनी।

इनकी रही उपस्थिति : बैठक में प्रमुख रूप से संतोष तिवारी, नागेश पाण्डेय, सुभाष शर्मा, केसी त्रिपाठी, संतोष पाण्डेय, अनुज पाण्डेय, वृजेश सिंह, शत्रुघ्न शर्मा, प्रमोद मिश्रा, ज्ञानेन्द्र तिवारी, जीतेश रावत, अनिल सिंह, जेपी खण्डेलवाल, मंजू तिवारी, करुणा श्रीवास्तव, पी.के.मिश्रा, योगेश पाण्डेय, विनय श्रीवास्तव, प्रदीप पाण्डेय, देवेन्द्र द्विवेदी, गोविन्द साकेत, कृष्णानन्द पाण्डेय, अमरनाथ सिंह, श्यामलाल चौधरी, फते मोहम्मद खान, अभिषेक तिवारी, मनीष सिंह तिवारी, अखिलेश त्रिपाठी, संजीव वर्मा, आलेख तिवारी, विवेक गौतम, नरेन्द्र मिश्रा, सतीष वर्मा, साहिद मंसूरी, रोहणी तिवारी, प्रीति मिलन, भूपेन्द्र पटेल, अशोक कुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में लिपिक वर्गीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

8वीं तक के सरकारी स्कूलों में एक जैसी यूनिफार्म

600 रुपए की जगह मिलेगी ड्रेस

जागरण,रीवा। सरकारी स्कूलों के बच्चों में समानता का भाव रहे और कोई भी अलग महसूस न करे, इसके लिए आगामी शिक्षण सत्र से कक्षा पहली से आठवीं तक के सभी विद्यार्थियों को एक समान यूनिफॉर्म दी जाएगी। इसके लिए बच्चों को केवल नाप देना होगा और उसके बाद सरकारी स्तर पर यूनिफॉर्म तैयार हो जाएगी। यूनिफॉर्म तैयार कराने का जिम्मा स्व. सहायता समूहों का होगा। स्कूल शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के सभी विद्यार्थियों को एक समान यूनिफार्म उपलब्ध कराने का निर्णय ले लिया गया है। इससे पहले सरकार विद्यार्थियों को गणवेश सिलवाने के लिए प्रति छात्र 600 रुपए की नकद सहायता राशि देती थी, जो दो यूनिफॉर्म के लिए थी। अब विद्यार्थियों को नकद राशि नहीं दी जाएगी। इसके स्थान पर स्कूल शिक्षा विभाग स्तर पर यूनिफॉर्म की खरीदी कर उसे सीधे विद्यार्थियों में वितरित किया जाएगा। अभी तक केवल सांदीपनि विद्यालयों में ही अलग रंग की चेक डिजाइन यूनिफॉर्म दी जाती थी, जबकि अन्य सरकारी स्कूलों में अलग-अलग यूनिफार्म थीं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए यूनिफार्म की केंद्रीकृत खरीदी की जाएगी। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाएगी और यूनिफॉर्म तैयार करने का कार्य स्व-सहायता समूहों को सौंपा जाएगा। इससे जहां विद्यार्थियों को समय पर एक जैसी यूनिफार्म मिलेगी, वहीं स्थानीय स्तर पर स्व-सहायता समूहों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

हर साल अलग नियम से बिगड़े हालात

राज्य शिक्षा केंद्र ने वर्ष 2020 में यूनिफॉर्म सिलाई का काम स्व-सहायता समूहों को सौंपा था, लेकिन व्यवस्थाएं समय पर पूरी नहीं हो सकीं। सत्र समाप्त होने के बाद मार्च 2021 में यूनिफार्म स्कूलों तक पहुंची। कोरोना काल में स्कूल बंद होने के कारण शिक्षकों को घर-घर जाकर यूनिफॉर्म बांटना पड़ी। बच्चों के सही नाप नहीं होने से कई यूनिफार्म छोटे साइज की निकली। वर्ष 2022 की यूनिफार्म 2023 में पहुंची, जबकि 2024 सत्र की समाप्ति तक कई बच्चों को ड्रेस नहीं मिल सकी। इसके बाद सरकार ने नकद राशि देने की व्यवस्था शुरू की थी, लेकिन अब फिर से टेंडर के माध्यम से खरीदी का निर्णय लिया गया है। देखना होगा कि यह व्यवस्था भी सही तरीके से कार्यान्वित हो पाती है या नहीं।

डॉ. कल्पना चावला की 24वीं पुण्यतिथि पर नारी शक्ति वंदन सम्मान समारोह आज

जागरण, रीवा। सामाजिक संस्था कल्पना कल्याण समिति 01 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे, शासकीय पी.के. कन्या संदीपनि विद्यालय रीवा के प्रांगण में भारतीय मूल की प्रथम महिला अंतरिक्ष वैज्ञानिक एवं नारी शक्ति की गौरवशाली प्रतीक डॉ. कल्पना चावला की 24वीं पुण्य स्मरण के अवसर पर नारी शक्ति वंदन सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति ने इस आयोजन को नारी सम्मान, नारी सशक्तिकरण तथा छात्राओं के सर्वांगीण विकास से जोड़ते हुए इसे प्रेरणादायी, प्रभावशाली एवं स्मरणीय बनाने का संकल्प लिया है। समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में आशीष कुमार (आई.ए.एस. 2005) नई दिल्ली कुछ समय के लिए कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे तथा डॉ. कल्पना चावला को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीता कोल जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा की जाएगी। कल्पना कल्याण समिति रीवा के अध्यक्ष बी.पी. सिंह ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि इस समारोह में छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे तथा अंतरिक्ष विज्ञान की मानव जीवन में उपयोगिता विषय पर आयोजित निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से विज्ञान के प्रति रुचि एवं जागरूकता को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में विजेता 40 छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाली 21 महिलाओं एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तित्वों को भी सम्मानित किया जाएगा।

रावे छात्राओं ने माइकोराइज़ा के उपयोग आधारित दी जानकारी

ग्राम खौर में माइकोराइज़ा की उपयोगिता पर किया गया जागरुकता कार्यक्रम

जागरण, रीवा

कृषि महाविद्यालय रीवा के डीन डॉ. एसके त्रिपाठी एवं कृषि विज्ञान केंद्र रीवा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके पांडे के निर्देशानुसार रावे छात्राओं द्वारा ग्राम खौर में माइकोराइज़ा के उपयोग पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. संजय सिंह एवं डॉ. संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान ग्रामीण किसानों एवं महिलाओं को जैव उर्वरक मायकोराइजा के उपयोग, लाभ एवं महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें महाविद्यालय की रावे छात्राओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्राओं द्वारा बताया गया कि माइकोराइजा एक लाभकारी कवक है, जो पौधों की जड़ों के साथ सहजीवी संबंध बनाकर पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायता करता है। इस प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि मायकोराइजा फास्फोरस, जिंक एवं अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाता है, जिससे फसल की वृद्धि एवं उत्पादन में वृद्धि होती है। साथ ही यह मृदा की संरचना में सुधार करता है और पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराना एवं जैविक व प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना हैं। रावे कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय की छात्राएं आरती कुशवाह, दिव्या शुक्ला, दीपिका चौहान, मानसी चंदेल, पूजा रानी, रीद्धि सिंह, यूकी भील) रावे छात्राओं द्वारा दिया गया यह प्रशिक्षण मृदा स्वास्थ्य सुधार, पर्यावरण संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि की जा सकती है।

पीएम वीबीआरवाई का लाभ प्राप्त करने 31 तक जमा करें रिटर्न

रीवा। 1 अगस्त 2025 से लागू प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के अंतर्गत लाभप्राप्त करने व संस्थानों की पात्रता सुनिश्चित करने के लिए संस्थानों द्वारा पिछले एक साल के दौरान नियोजित किये गये कर्मचारियों के औसत पर लाभार्थियों का निर्धारण किया जाना है। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त राकेश सहरावत ने बताया कि जो संस्थान 31 जुलाई 2024 से पहले ईपीएफओ में पंजीकृत हैं और नियमित रूप से भविष्य निधि अंशदान सहित ईसीआर जमा कर रहे हैं, उनके लिए बेसलाइन 1 अगस्त 2024 से 31 जुलाई 2025 तक की 12 माह की अवधि में जमा ईसीआर के आधार के अनुसार औसत कर्मचारियों की संख्या होगी और जो संस्थान 1 अगस्त 2024 से 31 जुलाई 2025 के बीच पंजीकृत हुए हैंए उनके लिए बेसलाइन 31 जुलाई 2025 तक सभी महीनों के ईसीआर के अनुसार औसत कर्मचारियों की संख्या होगी। संस्थानों को अगस्त 2024 से या ईपीएफओ में पंजीकरण की तिथि से जुलाई 2025 के वेतन माह तक सभी महीनों के लिए अंशदान सहित ईसीआर जमा करना आवश्यक है।

शराब की अवैध बिक्री करवा रहा ठेकेदार दे रहा जनपद सदस्य को धमकी

पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर की अवैध शराब बिक्री पर रोक की मांग

जागरण, रीवा। जिले के गंगेव वार्ड क्रमांक-3 की जनपद सदस्य ममता सिंह ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दर्ज करवाई कि लालगांव कम्पोजिट दुकान द्वारा शराब की अवैध बिक्री की जा रही है। जिसका विरोध करने पर दुकान के ठेकेदार व मैनेजर उन्हें धमकी दे रहे हैं।शिकायत में जनपद सदस्य ममता सिंह ने बताया कि लालगांव की कम्पोजिट शराब दुकान द्वारा अवैध रूप से मढ़वा कस्बा एवं ग्रामीण पताई पनगड़ी में अवैध शराब की बिक्री कराई जा रही है। जब उन्होंने उनके जनपद क्षेत्र में व महिला होने के नाते इसका विरोध किया तो दुकान के मैनेजर लवलेश द्वारा उन्हें झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दी जा रही है। ममता सिंह ने पुलिस अधीक्षक से उनके जनपद क्षेत्र में की जा रही शराब की अवैध बिक्री पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

कांग्रेस नेता राजेश मिश्र बब्बू को पितृशोक

रीवा। कांग्रेस नेता एवं शहर कांग्रेस कमेटी रीवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश मिश्र 'बब्बू भैया' के पिता रामायण प्रसाद मिश्र 82 वर्ष की उम्र में सीता राम कुॅन्ज गांधी नगर दैनिक जागरण प्रेस के पास रीवा स्थित निवास में 30 जनवरी को 11 बजे निधन हो गया है। विदित हो कि सेवानिवृत्त रामायण प्रसाद मिश्र पी.एच.ई. विभाग में मुख्य मान चित्रकार पद में कार्यरत थे। श्री मिश्र अपने सेवा काल के दौरान अनेक लोगों सहायता की और मृदभाषी, मददगार एवं दिनभर सक्रिय रहकर वे स्वस्थ जीवन जी रहे थे एवं दवाइयों का उपयोग कम से कम करते थे। बब्बू भैया के पिता जी का अंतिम संस्कार बनारस के मणिकठिका घाट में किया गया। उनके निधन पर परिवार जानो एवं ईष्ट मित्रो ने दुख व्यक्त किया है।

यूजीसी एवं जाति जनगणना के समर्थन में ओबीसी महासभा ने सौंपा ज्ञापन

जागरण, रीवा। ओबीसी महासभा जिला इकाई रीवा के द्वारा यूजीसी एक्ट के समर्थन में बड़ी तादाद में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने उपस्थित होकर यूजीसी एक्ट के समर्थन में ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में कहा कि इस एक्ट में अभी जो भी खामियां हैं उनको दूर करके एससी एसटी ओबीसी वर्ग के छात्रों के साथ हो रहे भेदभाव को दूर करने के लिए प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। इसके साथ ही आगामी होने वाली जनगणना में जाति के कालम को एससी एसटी की तरह ओबीसी वर्ग के कालम साथ ही अनारक्षित वर्ग के कालम को जोड़कर जनगणना करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि अगर सरकार ने बात नहीं मानी तो इसके लिए मंडल कमीशन की तरह पूरे देश में यह वर्ग आंदोलन करेगा। इस अवसर पर ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य पुष्पराज सिंह, संभागीय अध्यक्ष जेपी कुशवाहा, कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष डॉ अवनीश सिंह, जिला अध्यक्ष छोटेलाल रजक , कार्यकारी जिला अध्यक्ष राजेश कुशवाह, रवि राज बंसल, इंद्रमणि सिंह, ग्रामीण अध्यक्ष जानकी सेन, क्रांतिकारी युवा परिषद के धर्मेंद्र पटेल, अरेज सिंह, इंद्रजीत सिंह शंकु, कृष्ण कुमार कनौजिया, स्नेह लता चौधरी, अजय कुशवाहा, चंद्रमणि कुशवाहा, प्रकाश मौर्य, रमेश कुशवाहा, बाल्मिक प्रसाद नामदेव, रामदास सेन, वीरेंद्र कुमार कुशवाहा, तुलसीदास कुशवाहा, चंद्रमा प्रसाद सेन, भैयालाल, शिवनाथ यादव, राजा कुशवाहा, ऋतुराज कुशवाहा सहित सैकड़ो की तादाद में समाजसेवी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चाकू मारकर पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

घटना के बाद से हो गया था रफूचक्कर, मैहर कोतवाली टीआई ने दबोचा

जागरण, सतना

पत्नी की चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी को मैहर टीआई अनिमेश द्विवेदी ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की घटना को अंजाम देकर आरोपी पति फरार हो गया था जिसे मैहर टीआई ने दबोच लिया है। यह कार्यवाही एसपी अवधेश प्रताप सिंह के निर्देश एएसपी डॉ चंचल नागर और सीएसपी महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में यह कार्यवाही मैहर कोतवाली पुलिस द्वारा की गई है। आरोपी हत्या की घटना को अंजाम देकर चार माह से फरार चल रहा था।

ये थी घटना

फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि इसका जीजा केशव दुवे निवासी गोटेगांव नरसिंहपुर का इसके घर सगमनिया आया था जो अपनी पत्नी अर्चना दुवे से झगडा विवाद कर चाकू से गले मे वार किया है तथा बीच बचाव मे फरियादी के भाई के साथ भी डंडा से मारपीट किया हैए रिपोर्ट पर अपराध धारा 296,109, 115-2 बीएनएस कायम कर विवेचना की गई । मामले की मजरूबा अर्चना दुवे की उपचार दौरान जिला अस्पताल सतना मे मृत्यु होने से मामले मे धारा 103 बीएनएस का इजाफा किया जाकर आरोपी केशव दुवे की लगातार संभावित स्थानों पर दविश देते हुये पता तलाश के क्रम मे दिनांक 30 जनवरी को भेंडाघाट जबलपुर मे मुखबिर सूचना पर दस्तयाब किया गया जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया है।

ये आरोपी गिरफ्तार

पत्नी की हत्या के आरोप में पुलिस ने केशव दुबे पिता प्रह्लाद दुवे उम्र 39 वर्ष निवासी देव मुरलीधर वार्ड थाना गोटेगांव जिला नरसिंहपुर को गिरफ्तार किया गया है। पकडे गये आरोपी को मैहर पुलिस ने न्यायायल में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

हर्रई मण्डल का विशाल हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न

जागरण, रीवा। हर्रई मण्डल के अंतर्गत आने वाले हर्रई, हटहा, बेलहाई, जिवार, मझियार, पड़रिया, बुसौल और लटियार ग्रामों का हिन्दू सम्मेलन ज्योति हाई स्कूल हटहा में शुक्रवार दोपहर 1 से अपराह्न 4 बजे तक संपन्न हुआ। सम्मेलन में उपस्थित मुख्य वक्ता सह विभाग सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पूरनमल साहू, हनुमान मंदिर के पुजारी सियाशरण विश्वकर्मा, कथा वक्ता अमित पांडे, मातृ शक्ति के रूप में बहन सीमा पांडे नेभारत माता समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के प्रथम चरण में संगीत कार्यक्रम रखा गया, जिसमें विभिन्न कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। द्वितीय चरण में अमित पांडे ने हिन्दुत्व पर विषय रखते हुए आत्मावत् सर्वभूतेषु अर्थात सभी प्राणियों में एक ही ईश्वर का वास है पर विचार रखे। बहन सीमा पांडे ने कुटुम्ब प्रबोधन पर ध्यान आकर्षित किया व मुख्य वक्ता पुजारी पूरनमल द्वारा भारत की वर्तमान चुनौतियों और संघ द्वारा शताब्दी वर्ष पर चलाए जा रहे पंच परिवर्तनों का विषय रखा जो वर्तमान की आवश्यकता है। समरस युक्त समाज, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध का जागरण और नागरिक कर्तव्यों पर वृहद चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित हिन्दू समाज को खिचड़ी का प्रसाद वितरित कर वंदे मातरम् गीत द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में हर्रई मण्डल के समस्त हिन्दू समाज का सहयोग रहा।

भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने शहीदों को दी आत्मीय श्रद्धांजलि

रीवा। जय स्तंभ चौराहा रीवा में भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा शहीद दिवस के अवसर पर शहीदों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रदेश कार्यक्रम सचिव राजेंद्र विश्वकर्मा शहीदों के विषय में अपने विचार रखते हुए कहा कि आज हम लोग जो खुली हवा में सांसे ले रहे हैं, वह देश के हजारो हजारों शहीदों के बल पर ही है। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चन्द्रा बोस, अमर शहीद भगत सिंह, चन्दशेखर आजाद, अशफाक उल्लाखां को शतशत नमन। इस अवसर पर मोहित मिश्रा, लवकुश गुप्ता, मिथिलेश मिश्रा, श्यामू वर्मा, राजीव गुप्ता, श्याम कुमार गुप्ता, डॉ सुरेश प्रसाद मिश्रा, प्रवीण गुप्ता, प्रहलाद गुप्ता, राम अवतार पटेल, मनोज कुमार पांडे, विनोद सिंह, राम भजन विश्वकर्मा, शहाबुद्दीन;दादू भाई, केशव प्रसाद नामदेव, शुभम द्विवेदी, शंकर सुमन विश्वकर्मा, राम कुमार तोमर, विजेंद्र सिंह, नंदलाल राठी, संजय सिंह बघेल, मंगल दिन विश्वकर्मा, मोहित आदि कार्यकर्ता एवं समाजसेवी एकत्रित हुए।

न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला रीवा (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक /0655/अपील/2025-26
रीवा, दिनांक-27/01/2026

01. रमेश कुमार पाण्डेय पिता स्व. मधुसूदन प्रसाद पाण्डेय 02. उमेश कुमार पाण्डेय पिता स्व. मधुसूदन प्रसाद पाण्डेय 03. अशोक कुमार पाण्डेय पिता स्व. मधुसूदन प्रसाद पाण्डेय 04. संतोष कुमार पाण्डेय पिता स्व. मधुसूदन प्रसाद पाण्डेय 05. मु. पुष्पादेवी पति स्व. मधुसूदन प्रसाद पाण्डेय सभी निवासी ग्राम आलमगंज तहसील मनगवां जिला रीवा (म.प्र.)

अपीलार्थीगण ।

बनाम

01. अनिल कुमार पाण्डेय तनय स्व. योग भाष्कर प्रसाद पाण्डेय 02. सुशील कुमार पाण्डेय तनय स्व. योग भाष्कर प्रसाद पाण्डेय 03. अश्वनी कुमार पाण्डेय तनय स्व. योग भाष्कर प्रसाद पाण्डेय 04. सतीश कुमार पाण्डेय तनय स्व.योग भाष्कर प्रसाद पाण्डेय सभी निवासी ग्राम बांस तहसील मनगवां जिला रीवा (म.प्र.)

.............उत्तरवादीगण।

//आम इश्तहार//

उत्तरवादीगण क्रमांक 01 ता 04 सभी निवासी ग्राम बांस तहसील मनगवां जिला रीवा मध्यप्रदेश को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थीगण रमेश कुमार पाण्डेय पिता स्व. मधुसूदन प्रसाद पाण्डेय वगैरह सभी निवासी ग्राम आलमगंज तहसील मनगवां जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी तहसील मनगवां जिला रीवा मध्यप्रदेश के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0563/अ-6-अ /2022-23 में पारित आदेश दिनांक 28.08. 2022 के आदेश के विरूद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44(1) के तहत अपील पेश किया गया है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 25.02.2026 को पेशी नियत है। अतः उत्तरवादीगण क्रमांक 01 ता 04 सभी निवासी ग्राम बांस तहसील मनगवां जिला रीवा मध्यप्रदेश को सूचित किया जाता है कि उक्त प्रकरण की पेशी दिनांक 25.02. 2026 को समय 11:00 बजे दिन स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण की सुनवाई की कार्यवाही में भाग लें, उत्तरवादीगण क्रमांक 01 ता 04 के उक्त दिनांक एवं समय में अनुपस्थित रहने पर उत्तरवादीगण क्रमांक 01 ता 04 के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जावगी।

अपर कलेक्टर
जिला-रीवा (म.प्र.)
RN-83742

न्यायालय कलेक्टर, जिला रीवा(म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक 0064/बी-121/मूल/ 2025-2026

आवेदक- हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा रीवा (म.प्र.) द्वारा-प्राधिकृत अधिकारी

बनाम

अनावेदकगण- 1. भगवती प्रसाद सेन/वर्मा पिता राजरूप वर्मा 2. श्रीमती सुनीता देवी सेन पति भगवती प्रसाद सेन/ वर्मा दोनों निवासी ग्राम जवा तहसील जवा जिला रीवा (म.प्र.)

प्रकरण दिनांक 27.01.2026 को नियत है। उक्त प्रकरण में अनावेदक गण पक्षकार है। अनावेदक गण को सूचना दी जाती है कि प्रकरण में अगली तारीख पेशी दिनांक 10.03.2026 नियत है। नियत दिनांक को अनावेदक गण समय 3.00 बजे दिन स्वयं या अपने अभिभाषक या प्रतिनिधि जो जवाब प्रस्तुत करने के संबंध में कार्यवाही करने में सक्षम हो, कलेक्टर महोदय के न्यायालय में उपस्थित हो कर प्रस्तुत करे। आपको निर्देशित किया जाता है कि नियत दिनांक को आवश्यक लोक दस्तावेज जो अपने पक्ष समर्थन के लिये आवश्यक हो प्रस्तुत करे यदि नियत दिनांक को उपस्थित नहीं होने पर गैर हाजिरी की दशा में उक्त प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर निर्णय किया जावेगा।

आदेशानुसार - **कलेक्टर, जिला रीवा**
रीवा दिनांक - 29/01/2026

एसके स्कूल की छात्राएं हुई हादसे का शिकार

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, तीन घायल

जागरण,रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत अनियंत्रित कार ने बाइक सहित साइकिल से जा रही दो छात्राओं को टक्कर मार दी। घटना से अफरा-तफरी का महौल निर्मित हो गया। हालांकि पीछा कर स्थानीय लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मामले की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार सहित चालक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में बताया गया कि शुक्रवार की शाम कार रीवा शहर के निपनिया चौराहे की तरफ आ रही थी। जैसे ही वह चौराहे पर पहुंची तभी चालक कार से नियंत्रण खो बैठा और कार अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार कार ने बाइक से आ रहे युवक को टक्कर मार दी। इसके बाद भागने के प्रयास में चालक ने साइकिल से घर जा रही एसके स्कूल की दो छात्राओं को भी टक्कर मार दी। हादसे में तीनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और तत्काल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। आरोपी चालक को हिरासत में लेकर पुलिस ने घटना की जांच शुरू की। स्थानीय लोगों के मुताबिक आरोपी चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था।

रामसुफल दाहिया वरिष्ठ शिक्षक को सेवानिवृत्त होने पर दी गई भावभीनी विदाई

जागरण, रीवा। रायपुर कर्चुलियान ब्लॉक अंतर्गत संकुल सुरसा शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय छोटी कुइयां में पदस्थ रामसुफल दाहिया अपने शासकीय सेवा काल के लगभग 40 वर्षों की सेवा बतौर शिक्षक पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। रामसुफल दाहिया ने अपने लंबे शासकीय सेवा काल में लगभग 40 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। उनके कार्यकाल में तत्कालीन विधायक विद्यावती पटेल के निज सचिव के रूप में तथा तत्कालीन सांसद बुद्धसेन पटेल के निज के रूप में भी उन्होंने सेवाएं दीं। इतने लंबे और सफल कार्यकाल में उनका सेवा रिकॉर्ड बेदाग रहा। विद्यालय में उनका व्यक्तिगत अनुभव, कक्षा में उनकी हंसी, कार्यक्षमता, बच्चों को प्रोत्साहित करने की शैली तथा स्कूल के कार्यक्रमों में उनका सहयोग विद्यालय को एक परिवार के रूप में स्थापित करता रहा। उन्होंने यह सिखाया कि हारकर रुकना नहीं, बल्कि मेहनत से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि जीवन के मूल्य, संस्कार और अनुशासन की शिक्षा दी। उनका धैर्य और प्रत्येक छात्र के प्रति स्नेह अतुलनीय रहा। कठिन समय में विद्यालय का जिस प्रकार उन्होंने मार्गदर्शन किया वह सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उपूर्व विधायक गुढ़ विद्यावती पटेल, जनपद सदस्य रायपुर शैलेंद्र सिंह, पूर्व सांसद रीवा देवराज सिंह पटेल, पूर्व सांसद बुद्धसेन पटेल, अशोक दाहिया, यू.एस. पटेल, संतोष गौतम, शिक्षक विजय पटेल, दशरथ प्रसाद, जीवेंद्र सिंह, चंद्रनाथ पाण्डेय, विपिन पटेल, शिक्षक संजय वर्मा, अशोक कुमार शुक्ला, दिनेश तिवारी, गेंदलाल पटेल, मनोज पटेल, मृगेंद्र सिंह, लक्ष्मण प्रसाद वर्मा सहित अनेक लोग शामिल रहे।

नोटिस हर आम व खास

प्रिया गुप्ता पत्नी श्री प्रसून गुप्ता निवासी दीनदयाल धाम कालोनी पड़रा तहसील हुजूर नगर जिला रीवा म.प्र. की निवासी हूँ। मेरे द्वारा दिनांक 22-05-2018 को भूमिस्वामी श्री संदीप गुप्ता तनय श्री इन्द्रभान गुप्ता के नाम मौजा बोदा पटवारी हल्का बोदा तहसील हुजूर नगर जिला रीवा म.प्र. के स्वामित्व की आराजी क्र. 966/6/1 शामिल नं0 967 रकवा 0.0110 हे. एवं 966/6/2 शामिल नं0 967, 968 एरिया 0.004 हे0 की मूल लिंक रजिष्ट्री उपपंजीयक कार्यालय रीवा मे रजिस्टर्ड दिनांक 07-03-2009 ग्रान्थ नं. 7004 फोलियो 03 सीरियल कमांक 5913 एवं रजिस्टर्ड दिनांक 30-04-2009 ग्रान्थ नं0 7047 फोलियो 04 सीरियल नं0 451 उक्त रजिष्ट्री एवं ऋणपुस्तिका को मैने उप पंजीयक कार्यालय रीवा मे संदीप गुप्ता से प्राप्त कर ली थी दिनांक 12-01-2026 को मै अपने पति प्रसून गुप्ता के साथ अपने घर से सिरमौर चौराहा अपने दुकान जा रही थी कही रास्ते मे मोटर साईकिल मे लगा बैग गिर गया बैग मे एक पन्नी के अन्दर हमारी मूल लिंक रजिष्ट्री, ऋणपुस्तिका व अन्य रिकार्ड रखे थे जो कही गुम गए है। जो कि मेरे द्वारा काफी खोजबीन की गयी किन्तु उक्त दस्तावेज कही नही मिले। मेरे द्वारा दिनाक 17-01-2026 को लगभग दिन के 1 बजे के लगभग थाना सिविल लाइन रीवा मे उक्त दस्तावेजो के गुमने की सूचना दी गयी है। मै भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा रीवा से होम लोन लेना चाहती हूँ। यदि किसी वितीय शाखा / बैक / समिति या किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो अपना आपति प्रमाण सहित 15 दिन के अन्दर भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा रीवा मे दर्ज करा सकते है इसके बाद कोई आपति मान्य नही होगी।

भवदीय
सच्चिता नंद पटेल एडवोकेट,
रीवा म.प्र. मो. 8770535614
RN- 83324

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

किराये पर देना है

मार्तण्ड काम्प्लेक्स द्वितीय मंजिल पर 10000 स्क्वायर फीट देना है। सम्पर्क करें-
8878054456, 9424375655
RN-83323(7/2)

आवश्यकता है

1. सुरक्षा गार्ड, 2. सफाई कर्मी (घर, होटल, हास्पिटल, सॉपिंग मॉल), 3. सुपर वाइजर (10 से 12 पास) अनुभव कम से कम 2 साल।
Company Name:- S&R Suraksha Guard एवं Facility Service.
सम्पर्क करें रीवा के लिए:-
मो. 8839868626, 9685622651, 7724832009
RN-83165(01/02)

राम श्याम वर वधु केन्द्र

डायरेक्टर-अम्बरीश उपाध्याय
मोबा. 7021777625, 9987606771
हमारे यहाँ सभी प्रकार के रिश्ते कराये जाते हैं-तलाकसुदा, विधुर, सर्विसमेन, बिजनेसमेन, गर्वमेन्ट, एम्प्लायी, मांगलिक, नॉन मांगलिक, कुण्डली मिला के करवाये जाते हैं। पता-वार्ड नं. 4, निर्मल नगर के सामने, मंगलम् मैरिज गार्डन के बगल में चोरहटा रीवा (म.प्र.) 486006
RN-83161(28/2)

मानपुर-कल्याणपुर मार्ग पर गुणवत्ताहीन निर्माण का आरोप

सतना। मानपुर से कल्याणपुर पहुंच मार्ग अब सड़क कम और भ्रष्टाचार की मिसाल ज्यादा बन चुका है। कांग्रेस नेता प्रभात द्विवेदी ने तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि मरम्मत के नाम पर जनता के पैसों की खुली लूट की गई है। सड़क पर लगाए गए जोड़ भी घटिया स्तर के हैं और डामरीकरण मानकों के विपरीत किया गया है। द्विवेदी ने कहा कि यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार का मामला प्रतीत होता है। जनता की जान को खतरे में डालकर कागजों में विकास दिखवाया जा रहा है। सड़क कुछ ही समय में उखड़ना इस बात का प्रमाण है कि काम ईमानदारी से नहीं हुआ। उन्होंने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि अधिकारी समय रहते निरीक्षण करते तो जनता को यह दिन नहीं देखना पड़ता।

आवश्यकता है

मार्केटिंग हेतु स्मार्ट युवक एवं युवतियों की। अट्रैक्टिव सैलरी, संपर्क करें-
9424983717, 9765667183, 9755667183
RN-83168(6/2)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

उपनाम परिवर्तन की सूचना

मैं सुकीर्ति पटेल पुत्री श्री शम्भू प्रसाद पटेल निवासी वार्ड क्र.6 बांसघाट रीवा (म.प्र.) की हूं। सूचित करती हूं कि मेरा विवाह आनन्द शर्मा के साथ हुआ है, इसलिए मेरा उपनाम पटेल से शर्मा में परिवर्तन हो गया है। अतः शासकीय /अशासकीय व मेरे सभी अभिलेखों में पटेल की जगह शर्मा दर्ज किया जाए एवं भविष्य में मुझे सुकीर्ति शर्मा पत्नी आनन्द शर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाए।

सुकीर्ति शर्मा पत्नी आनन्द शर्मा
RN-83744

उत्तर मध्य रेलवे

झाँसी_एम_26_02
दिनांक: 29.01.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/यॉंत्रिक, झाँसी, उत्तर मध्य रेल निर्धारित निविदा प्रारूप में निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ऑनलाईन निविदायें (ई-टेण्डरिंग) आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी_एम_26_02	**कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 32,78,118.24/-
कार्य का उसके स्थान सहित नाम: "झाँसी मंडल के झाँसी और ग्वालियर कोचिंग डिपो में एलएचबी व्हील डिस्क पर एडी करंट एरे (ई सी ए) तकनीक द्वारा सतह दोष का पता लगाने का कार्य 02 वर्ष की अवधि के लिए"	
धरोहर राशि: रु. 65,600/-	**कार्य समापन की अवधि:** 02 वर्ष
निविदा बंद करने की तारीख एवं समय: 20.02.2026, बंद होने का समय 15:00 बजे।	

• निविदा दिनांक 20.02.2026 को 15:00 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा प्रस्तुत करने के लिये भारतीय रेल की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध कराया गया है।
218/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

कार्यालय नगर परिषद् सिरमौर, जिला-रीवा म.प्र.

क्रमांक 187 /निविदा आमंत्रण/2026
सिरमौर, दिनांक 30.01.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि व लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_ UAD_ 479422 _1	कार्यालय उपयोग हेतु White colour four wheeler vahicle with 07 seater, 1493 CC diesel engine with 75 HP and 210NM torque, 5 manual speed and equipped with all useful features like power windows etc. Vehicle manufacturer Mahindra Bolero Scorpio Maruti Suzuki Tata Motors etc or equivalent. वाह्न के R.T.O पंजीयन बीमा आदि जरूरी दस्तावेज के साथ कार्यालय नगर परिषद सिरमौर में प्रदाय किया जाना होगा।	01 माह लागत रू0 10.00 लाख	2000.00 एवं अमानत राशि 10000.00	30.01.2026 से 14.02.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

शर्ते :-

1. निविदा के संबंध में आवश्यक जानकारी कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
2. धरोहर राशि ऑनलाईन मान्य की जावेगी।
3. आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्य प्रदेश द्वारा जारी ऑनलाईन निविदा निर्देशों एवं म0प्र0 शासन नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा दो लिफाफा पद्धति अनुसार प्रस्तुत करना होगा। जिसमें एक लिफाफे में अमानत राशि (ऑनलाईन रसीद) एवं दूसरे लिफाफे में अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति रखनी होगी।
5. जीएसटी पंजीयन होना अनिवार्य है।
6. जीएसटी का भुगतान नियमानुसार अलग से देय होगा।
7. निविदा दर समस्त करों एवं अन्य शुल्क जोड़कर प्रस्तुत करना होगा।
8. बंधन युक्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
9. अमानत राशि एवं अन्य दस्तावेज निविदादाता को विशेष वाहक अथवा रजिस्टर्ड डाक/ स्पीड पोस्ट द्वारा दिनांक 14.02.2025 शायं 05:00 बजे तक जमा करना अनिवार्य है।
10. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निकाय के पास सुरक्षित रहेगा।
11. किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में ब्लैक लिस्टेड फर्म/कम्पनी अपात्र होगी।

अध्यक्ष
नगर परिषद् सिरमौर,
जिला-रीवा म.प्र.

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् सिरमौर,
जिला-रीवा म.प्र.

संक्षिप्त खबरें

राजभाषा को सशक्त बनाने पर हुआ मंथन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी के नवीन आयकर भवन के सभागार में शुक्रवार को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की छमाही बैठक हुई। एमपी और सीजी सर्किल के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सुमीत कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में भोपाल स्थित केंद्र सरकार के 38 कार्यालयों के प्रमुख और प्रतिनिधि समेत 80 अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। बैठक में तय हुआ कि अब सभी दफ्तरों में हिंदी कार्यशाला का आयोजन कर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा हिंदी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्यालयों को वैजयंती शील्ड से सम्मानित किया जाएगा।

वंदे मातरम से आत्मनिर्भर भारत का सफर है हिंदी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि वंदे मातरम की भावना से लेकर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तक की गौरवशाली यात्रा है। यह बात बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान कही। बीएसएनएल के मुख्य कार्यालय में आयोजित इस बैठक में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की थीम पर तैयार कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हुडको की क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. तृप्ति एम. दीक्षित के स्वागत उद्बोधन से हुई। राजभाषा समिति के सचिव आनंद कृष्ण ने इस बैठक में शामिल हुए केंद्र सरकारी के 25 उपक्रमों की छमाही रिपोर्ट भी इस दौरान पेश की। इस आयोजन में हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को इनाम भी दिए गए। इस आयोजन में प्रथम पुरस्कार एफसीआई और रेल विकास निगम लिमिटेड को मिला जबकि दूसरा पुरस्कार एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं आरईसी लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार- एफसीआई क्षेत्रीय कार्यालय और एमएसटीसी को संयुक्त रूप से दिया गया।

प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष में सरकार की प्राथमिकता को लेकर गतिविधियां तेज

मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को दिए टास्क, मिशन मोड में किसानों के हित में काम करने को कहा

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के दौरान सरकार और शासन की प्राथमिकता को लेकर राज्य सरकार ने अपनी गतिविधियों को तेज कर दिया है। शनिवार को सीएम डॉ.मोहन यादव ने कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के जरिए अधिकारियों को अपने रोडमैप से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को टास्क देते हुए मिशन मोड में काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत किया जाए। यह सरकार के लिए एक मिशन है। इस दौरान सरकार और शासन की प्राथमिकताएं होनी चाहिए। इसलिए हमें पूर्ण समर्पित भाव से मिशन मोड में बेहद प्रभावकारी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। किसान रथ चलाये जाएं। इनका शुभारंभ स्थानीय सांसद/विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से ही कराएं। अधिकारी किसानों से विभिन्न स्थानों पर को निरंतर संवाद करें। उन्हें ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर अधिकाधिक रकबे/मात्रा में मूंगफली और उड़द की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें। प्राकृतिक एवं

जैविक खेती को प्रोत्साहित करें। जलवायु, ऊर्जा एवं सतत् कृषि को बढ़ावा देने के लिए ई-विकास पोर्टल एवं किसानों को संतुलित मात्रा में भी उर्वरकों का उपयोग के लिए जागरूक किया जाए। आकांक्षी जिलों में चल रही प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना से अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। दलहनी और तिलहनी फसलों का उत्पादन क्षेत्र बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करें। कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिए हर जरूरी प्रयास किए जाएं। कृषि से जुड़े विभागों और इस क्षेत्र में प्रगतिशील स्वयं सेवी संगठनों एवं संस्थाओं के साथ मिलकर किसानों के कल्याण के लिए सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। कृषक कल्याण वर्ष मनाने में किसान कल्याण एवं कृषि विकास के नेतृत्व में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, जल संसाधन, सहकारिता, ऊर्जा, राजस्व, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कुटीर एवं ग्रामोद्योग सहित 15 से अधिक विभाग सक्रिय भूमिका निभायेंगे।

कार्य योजना को फील्ड में बेहतर तरीके से उतारें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के लिये तय की गई कार्य योजना का फील्ड में बेहतर तरीके से अमल किया जाए। इस अवधि में विशेष अभियान चलाया जाए। छोटे-बड़े कार्यक्रम भी किए जाएं। निचले स्तर पर किसानों से सघन सम्पर्क स्थापित किया जाए। सभी हितग्राहियों का सत्यापन एवं सहयोग भी लिया जाए। नए हितग्राहियों का चयन भी इस दौरान किया जाए।

पराली/नरवाई जलाने पर सख्ती से अकुंश लगाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिले में पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से अकुंश लगाएं। जिले का नरवाई प्रबंधन प्लान बनाएं। खेतों से निकलने वाली पराली/भूसे का समुचित उपयोग होना चाहिए। फसलों के अवशेष से गोबर से कंपोजिट बायोगैस संयंत्रों की स्थापना की जाए। सभी कलेक्टर्स यह तय करें कि किसानों द्वारा खेत से निकली पराली और भूसा निकटतम छोटी-बड़ी गौशालाओं में ही पहुंचाया जाए। इससे गौवंश को लाभ मिलेगा। डॉ.यादव ने कलेक्टर्स से कहा कि वे अपने जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए समन्वित प्रयास करें। पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य पर ध्यान देने से होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में जागरूक करें। मत्स्य बीज उत्पादन के लिए जिला स्तर पर अधिकाधिक मत्स्य प्रक्षेत्र विकसित किए जाएं। हर नगरीय निकाय क्षेत्र में फिश पार्लर स्थापित किए जाएं और यह सुनिश्चित करें कि मछली विक्रेता तय फिश पार्लर/मार्केट में ही मछली बेंचे।

पूर्व स्वास्थ्य संचालक मित्तल की 9.79 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

कैपिटल गेन बॉन्ड के साथ भोपाल और रायसेन में प्लॉट एवं खेती की जमीन कुर्क

मुख्य संवाददाता, भोपाल। स्वास्थ्य विभाग के पूर्व संचालक डॉ. अमरनाथ मित्तल और उनके परिवार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कस दिया है। शिनवार को ईडी की भोपाल यूनिट ने जानकारी देते हुए बताया कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई करते हुए डॉ. मित्तल और उनकी पत्नी अलका मित्तल की 9.79 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियों को अटैच कर लिया है। यह कार्रवाई लोकायुक्त भोपाल द्वारा लगभग 13 साल पहले की गई छापेमारी के बाद उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई है। इस रेड में डॉ. मित्तल पर पद का दुरुपयोग कर आय के कई गुना अधिक ज्ञा संपत्ति बनाने का खुलासा हुआ था। ईडी ने अपनी जांच में खुलासा किया है कि अपनी नौकरी के दौरान डॉ. मित्तल की कानूनी रूप से कुल आय केवल 60 लाख थी। इस दौरान उन्होंने कुल 2.98 करोड़ खर्च कर संपत्तियां खरीदीं और निवेश किए। जांच में उजागर हुआ कि उन्होंने 2.38 करोड़ की प्रॉपर्टी भ्रष्टाचार के जरिए बनाई थी। डॉ. मित्तल ने काली कमाई को छिपाने अपने अलावा पत्नी अलका मित्तल और एएन मित्तल एचयूएफ (अविवाहित हिंदू परिवार) के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदी, ताकि मालिकाना हक छिपाया जा सके।

एफआईआर के बाद भी बेची प्रॉपर्टी, 10 करोड़ की वैल्यू

ईडी की छानबीन में पता चला है कि लोकायुक्त में एफआईआर दर्ज होने के बाद भी उन्होंने पुरानी संपत्तियों को बेचकर नए निवेश किए। ईडी ने इसे भी अपराध की कमाई मानते हुए नई प्रॉपर्टी को कुर्क किया है। मित्तल ने अपने पद पर रहते हुए संपत्ति खरीदने के लिए बैंक खातों के बजाय कैश का इस्तेमाल किया। इसके अलावा उन्होंने प्रॉपर्टी बेचने से मिली राशि से कैपिटेल गैन बॉन्ड्स में भी भारी-भरकम निवेश किया। यही निवेश बढ़कर अब लगभग 10 करोड़ का हो गया है, जिसे अटैच किया गया है।

डॉ. मित्तल की ईडी ने यह संपत्तियां की कुर्क

डॉ. मित्तल ने अघोषित आय को वैध दिखवाने के लिए भारी भरकम कैश को निवेश बॉन्ड्स में बदला। इन का उपयोग टैक्स बचाने और फंड को छिपाने के लिए होता है। ईडीस ने करोड़ों रूपए के इन सभी बॉन्ड्स को अपराध की कमाई मानकर कुर्क किया है। इसके अलावा भोपाल के वीआईपी और रिहायशी इलाकों में डॉ. मित्तल और उनके परिवार के नाम पर कई प्लॉट जब्त किए गए हैं। इसके साथ ही भोपाल और उससे सटे रायसेन जिले में खेती की जमीन भी अटैच की गई है। समय के साथ इन जमीनों की मार्केट वैल्यू और री इन्वेस्टमेंट से इस प्रॉपर्टी का वर्तमान मूल्य 9.79 करोड़ तक पहुंच गया है।

हितानंद की आरएसएस में वापसी नए महामंत्री के लिए अटकलें तेज

मध्य क्षेत्र के बौद्धिक सह प्रमुख की जिम्मेदारी शर्मा को सौंपी गई

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की छह साल बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में वापसी हो गई है। शर्मा को मध्य क्षेत्र के बौद्धिक सह प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बड़े प्रशासनिक बदलाव के बाद प्रदेश भाजपा को

नया संगठन महामंत्री मिलना तय माना जा रहा है। हालांकि प्रदेशाध्यक्ष के साथ ही संगठन महामंत्री बदलने की अटकलें चल रहीं थी। माना जा रहा था कि प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा दोनों की विदाई एक साथ की जाएगी। मगर जुलाई में सांसद वीडी शर्मा की जगह विधायक हेमंत खंडेलवाल प्रदेशाध्यक्ष चुने गए, लेकिन संगठन महामंत्री का फैसला रोक दिया गया। प्रदेशाध्यक्ष बदलने के बाद भी बड़े प्रशासनिक बदलाव को लेकर अटकलें लगाई जाती रही हैं। भाजपा के संगठन महामंत्री के पद पर आरएसएस द्वारा ही अपने किसी वरिष्ठ पदाधिकारी को भेजा जाता है। बताया जाता है कि मध्य क्षेत्र की दो दिनी चली टोली बैठक में शर्मा को सह बौद्धिक प्रमुख की जिम्मेदारी देने तथा भाजपा से वापसी का निर्णय लिया गया। शर्मा को 2020 सह संगठन महामंत्री बनाकर भाजपा में भेजा गया था। दो साल बाद उन्हें सुहास भगत की जगह संगठन महामंत्री बनाया गया था। अपनी सादगी और सख्त अनुशासन के लिए पहचाने जाने वाले हितानंद शर्मा ने सबसे पहले पद संभालते ही 28 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में अपना रणनीतिक कौशल दिखाया। फिर 2023 में पार्टी की प्रचंड जीत के मूर्तिकार साबित हुए। इसके अलावा पांच सालों में उन्होंने पार्टी के अंदर मची कलह को भी बखूबी दूर करने में अहम भूमिका निभाई।

यह मानी जा रही वापसी की वजह

लंबा समय उन्हें इस पद पर हो चुका है। शर्मा मूल रूप से अशोकनगर (चंबल क्षेत्र) के हैं। विद्या भारती संगठन से जुड़े रहे हैं। संघ की रीति-नीति में रचे-बसे शर्मा की संगठन में मजबूत पकड़ है। ग्वालियर-चंबल अंचल में खासा नेटवर्क है। भाजपा की मिशन 2028 की तैयारी शुरू हो गई है। बदलाव और जमावट अगले चुनावों को देखकर किए जाना है। फिलहाल कोई बड़ा चुनाव या चुनौती भी सरकार के सामने नहीं है। इसे देखते हुए वरिष्ठ पदाधिकारी को संघ द्वारा नई जिम्मेदारी सौंपना स्वाभाविक है। शर्मा को सह बौद्धिक प्रमुख बनाने के साथ ही मध्य क्षेत्र द्वारा सुरेंद्र मिश्रा पूर्व सैनिक सेवा परिषद के प्रचारक, मुकेश त्यागी ग्राहक पंचायत के प्रचारक तथा ब्रजकिशोर भार्गव प्रचारक क्षेत्र गो सेवा प्रमुख बनाए गए हैं।

नया चेहरा तय नहीं : हितानंद शर्मा को नई जिम्मेदारी सौंपने के बाद भी भाजपा ने नए संगठन महामंत्री को लेकर निर्णय नहीं लिया है। संघ को ही फैसला लेना है। ऐसे में भाजपा का नया प्रदेश संगठन महामंत्री कौन होगा? यह सवाल सभी कर रहे हैं, लेकिन मामला संघ से जुड़ा होने के कारण किसी नाम पर कोई कयास भी नहीं लगा पा रहा है।

नियमित पद नहीं तो नियमितीकरण अधूरा: आरएसकेएएसएस

जागरण, भोपाल। राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ ने प्रदेश में कार्यरत लगभग ढाई लाख संविदा कर्मियों की सेवाएं नियमित करने की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा का स्वागत किया है, लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर आशंका भी जताई है।

आरएसकेएएसएस का कहना है कि विभागों में सीधी भर्ती के स्वीकृत और रिक्त नियमित पदों की कमी के कारण नियमितीकरण का लाभ मिलना कठिन हो सकता है।

संघ प्रमुख शील प्रतापसिंह पुंढीर, महासचिव व्यास मुनि चौबे, डॉ. देवीसिंह सनोडिया, उपाध्यक्ष भगवानसिंह ठाकुर द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि प्रदेश सरकार में पदोन्नतियां लंबे समय से बंद हैं, जिससे केवल पदोन्नति से भरे जाने वाले पद ही रिक्त हैं। ऐसे पदों पर नियमानुसार संविलियन या नियमितीकरण संभव नहीं है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि संविदा कर्मियों के नियमितीकरण और पद संवर्गों के विभेदीकरण को समाप्त करने के लिए पहले समाप्त घोषित अस्थाई संवर्गों के समतुल्य नियमित पदों को वित्त विभाग से स्वीकृति दिलाई जाए।

तीन दिन बदला रहेगा प्रदेश का मौसम, कोहरा-बारिश के आसार

उत्तर भारत में बर्फबारी का दिखेगा असर

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के उत्तरी हिस्से में मौसम ने करवट ले ली है। जबलपुर और टीकमगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने 1, 2 और 3 फरवरी को बारिश और तेज हवा का अलर्ट जारी किया गया है। ज्यादा असर ग्वालियर, चंबल, सागर और उज्जैन संभाग में रहेगा। शनिवार सुबह ग्वालियर, रीवा और दतिया में घना कोहरा रहा। रीवा में विजिबिलिटी सबसे कम रही। सतना, भोपाल, उज्जैन, सीहोर, विदिशा, देवास, रतलाम, राजगढ़, नर्मदापुरम, धार, गुना, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, बालाघाट समेत 20 से ज्यादा जिलों में मध्यम कोहरा देखा गया। मौसम बुलेटिन के मुताबिक दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। बड़े शहरों में तापमान 10 डिग्री से ज्यादा रहा। छतरपुर का खजुराहो सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी-दतिया में 7.8 डिग्री, उमरिया में 7.9 डिग्री, रायसेन में 8.2 डिग्री, सतना में 8.6 डिग्री, मंडला में 8.9 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, दमोह में 9.5 डिग्री, नौगांव में 9.6 डिग्री, मलाजखंड में 9.7 डिग्री और सीधी में तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के दौरान गुना, शाजापुर समेत 8 जिलों में आंधी, बारिश और गरज चमक होने का अलर्ट जारी किया है। शाजापुर में तो हल्की बारिश का दौर शुरू भी हो गया है। इंदौर में भी बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, विदिशा, राजगढ़, शाजापुर में बिजली चमकने के साथ तेज हवा चलने और दोपहर में गुना, राजगढ़, सागर, रायसेन के सांची में हल्की बारिश होने की संभावना है।

क्यों बदल रहा है मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) की वजह से यह बदलाव हो रहा है। 2 से 5 फरवरी के बीच यह सिस्टम फिर सक्रिय होगा, जिसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखेगा। इसी कारण 10 फरवरी तक कहीं-कहीं बारिश के आसार बने रहेंगे।

तीन किस्तों में मिलेगी पीएम आवास की राशि, जितना काम उतना पैसा

1.20 लाख की मिलती है मदद, हर बार 40 हजार देगी सरकार

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को अब 1.20 लाख रुपए की सहायता राशि तीन किस्तों में दी जाएगी। आवास निर्माण के हर चरण में प्रोग्रेस की जियो टैगिंग करना अनिवार्य होगा। निर्माण के लिए तय लेवल की पुष्टि होने के बाद ही अगली किस्त की राशि जारी की जाएगी। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि राशि का दुरुपयोग न होने पाए। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की ओर से पीएम आवास ग्रामीण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को सहायता राशि तीन किस्तों में दिए जाने के संबंध में विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि जिले स्तर पर आवासों की स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है। स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि तीन स्टेप में दी जाएगी। इसके लिए आवास सॉफ्ट पोर्टल पर एंट्री पहले ही की जा चुकी है। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि आवास स्वीकृति से पूर्व हितग्राही की जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से सत्यापित की जाए। साथ ही पहली किस्त जारी होने के साथ ही मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी भुगतान भी किया जाए।

ऐसे मिलेंगी तीन किस्तें

पहली किस्त: 40,000 रुपए आवास स्वीकृत होने पर

दूसरी किस्त: 40,000 रुपए बेस तैयार होने पर

तीसरी किस्त: 40,000 रुपए एक लेवल पूर्ण होने पर

जियो टैगिंग के बिना नहीं आएगा पैसा: निर्देशों में कहा गया है कि आवास निर्माण के हर चरण में प्रगति की जियो टैगिंग करना अनिवार्य होगा। तय कंसट्रक्शन लेवल की पुष्टि के बाद ही अगली किस्त की राशि जारी की जाएगी। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि राशि का दुरुपयोग न हो और हितग्राही का आवास समय पर बनकर तैयार हो सके।

कारोबारी जगत की मांग: इंफ्रा और सराफा सेक्टर को राहत मिलने से बढ़ेगा टैक्स कलेक्शन

आम बजट में कम की जाएं कमर्शियल टैक्स की दरें

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आज देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन बजट पेश करेंगी. इस बजट से भोपाल के कारोबारी जगत को भी काफी उम्मीदें हैं। व्यापारियों और उद्योगपतियो ने उम्मीद जताई है कि इस बार बजट स्वदेशी पर फोकस होगा और खासतौर से ई-कॉमर्स और मल्टीनेशनल कंपनियों की चुनौती का सामना करने के लिए स्थानीय व्यापारियों को खास रियायतें दी जाएंगी। भोपाल के औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों ने इस केंद्रीय बजट में जीएसटी और इंपोर्ट ड्यूटी की दरों में कमी, कमर्शियल एरिया में इंफ्रा की मजबूती, इनकम टैक्स स्लैब में सुधार जैसी रियायतें मांगी हैं। व्यापारिक प्रतिनिधियों का दावा है कि करों में कटौती से करदाताओं की संख्या बढ़ती है और इससे सरकार का खजाना भी भरता है।

ई-कॉमर्स पर प्रभावी नियंत्रण की जरूरत

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के भोपाल जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने आम बजट से जीएसटी प्रक्रिया में सरलीकरण, अनावश्यक नोटिस एवं दंडात्मक कार्रवाई से राहत और छोटे-मध्यम व्यापारियों को सस्ता, सरल और तत्काल लोन मुहैया कराने की मांग की है। स्वदेशी और स्थानीय व्यापार के लिए बजट में नई प्रोत्साहन नीति, ब्याज में सब्सिडी जैसी व्यवस्थाएं करनेके साथ ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स कंपनियों पर नियंत्रण किया जाए।बजट में कमर्शियल इन्फ्रा, थोक बाजार का आधुनिकीकरण, लॉजिस्टिक्स और पार्किंग का प्रवाधान हो।

सोने-चांदी पर घटे इंपोर्ट ड्यूटी

भोपाल सर्राफा एसोसिएशन के प्रेसिडेंट नरेश अग्रवाल ने बजट में सोने और चांदी पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को घटने की उम्मीद जताई है। फिलहाल केंद्र सरकार गोल्ड और सिल्वर पर 6-6 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी वसूल रही है। अग्रवाल की मांग है कि सोने और चांदी के दामों में आई तेजी को देखते हुए इसे घटाकर 4-4 प्रतिशत किया जाना चाहिए। इससे न केवल सर्राफा बाजार में तेजी आएगी, बल्कि ग्राहकी बढ़ने से सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा।

स्टील, सीमेंट पर घटे जीएसटी

भोपाल थोक लोहा व्यापारी संघ के अध्यक्ष बलदेव खेमानी को केंद्रीय बजट में कंस्ट्रक्शन से जुड़ी वस्तुओं पर टैक्स का स्लैब घटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार फिलहाल सीमेंट और स्टील पर 18 फीसदी जीएसटी वसूल रही है। अगर इसे घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया जाएगा तो इससे इंफ्रा सेक्टर में तेजी आएगी और टैक्स कलेक्शन भी बढ़ेगा। इसके साथ ही जीएसटी में चोरी भी कम हो जाएगी।

आवश्यक वस्तुएं हों जीएसटी फ्री

महासचिव, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एमपी अनुपम अग्रवाल ने केंद्रीय बजट से कारोबारियों को बड़ी अपेक्षा होने का दावा करते हुए आवयश्क वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से मुक्त करने की मांग की है। अग्रवाल का कहना है कि बढ़ती हुई मंहगाई की वजह से दैनिक जीवन की वस्तुओं के मूल्यों में भारी वृद्धि होने से खान-पान की वस्तुएं लगातार मंहगी हो रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार जीवन उपयोगी खाद्यान्न और उससे बनी वस्तुओं को पूरी तरह टैक्स फ्री करे।

नवाचार | पुलिस विभाग में आज से ऑनलाइन डिजिटल सिस्टम, 1 लाख से ज्यादा लॉगइन एकाउंट

ऑनलाइन मंजूर होगी छुट्टी, एक क्लिक पर सर्विस रिकॉर्ड

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों के लिए अब साहब के दफ्तर के बाहर अपनी छुट्टी के लिए अर्जी लेकर खड़े होने वाले दिन लद जाएंगे। 1 फरवरी से पुलिस विभाग में डिजिटल व्यवस्था लागू हो गई है। अब सिपाही से लेकर अफसर तक सबको छुट्टी के लिए अपना मोबाइल या कंप्यूटर उठाना होगा। पुलिस में लागू की गई इस नई व्यवस्था का नाम ई-एचआरएमएस है। इसके लागू होने के साथ अब छुट्टी की अर्जी के लिए थानों और दफ्तरों में फाइलें नहीं दौड़ेंगी। प्रदेश में लागू पुलिस का पुराना एचआर सिस्टम 2015 में ही रिटायर हो चुका था, लेकिन उससे अब तक काम चलाया जा रहा था। इस बीच पुलिस ने एमपीएसआईडीसी (इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम) से संपर्क कर नया एचआरएमएस सिस्टम बनाने को कहा था। इसके बाद एमपीएसआईडीसी ने नई सुविधाओं के साथ अपडेटेड सिस्टम तैयार कर दो माह पहले पुलिस को हैंडओवर किया था। इस पर अपडेशन का काम प्रदेश की सभी 122 पुलिस यूनिटों को सौंपा गया था। इसके लिए बकायदा सभी यूनिटो में इंचार्ज बनाए गए हैं, जिन्हें नए

सिस्टम की ट्रेनिंग दी गई है। इन नए सिस्टम की खूबी ये है कि इस पर हर पुलिसकर्मी का एक लॉगइन रहेगा जिसका पासवर्ड उसके पास ही रहेगा। कुछ चिन्हित आला अफसरों और मानव संसाधन का काम देखने वाले अधिकृत पुलिसकर्मियों के अलावा ये डाटा स्टाफ ही देख सकेगा और इससे गोपनीयता भी बनी रहेगी।

कागजों पर एप्लीकेशन लिखकर देने की जरूरत नहीं

नई व्यवस्था के तहत, प्रदेश के 1 लाख 6 हजार से से अधिक पुलिसकर्मियों का सर्विस डेटा ईएचआरएमएस पोर्टल पर शिफ्ट कर दिया गया है। इसे लागू होने के बाद कागजों पर एप्लीकेशन लिखकर देने की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए पुलिसकर्मियों को पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अब नए नियम के तहत छुट्टी की मंजूरी भी ऑनलाइन ही मिलेगी। अवकाश की मंजूरी की जानकारी भी अब फोन पर मैसेज के जरिए ही मिल जाएगी। इसके अलावा पुराना राच्य पुलिस पर्सनल इन्फॉर्मेशन सिस्टम अब रिटायर हो चुका है। उसकी जगह आए इस नए डिजिटल सिस्टम में पुलिसकर्मी अपनी सालाना गोपनीय रिपोर्ट, सजा और इनाम, सर्विस बुक की पूरी डिटेल भी एक क्लिक पर ही देख सकेंगे। इसके अलावा पीएप एकाउंट को भी इस पोर्टल से लिंक किया गया है, जिससे पीएफ की डिटेल भी तत्काल मिल जाएगी।

कर्मचारियों को सीखने में लगेगा समय

पीएचक्यू के अधिकारियों के मुताबिक इस पोर्टल पर प्रदेश के 1 लाख 6 हजार पुलिस स्टाफ का डाटा अपलोडिंग का काम पूरा हो चुका है। 1 फरवरी से ऑनलाइन लीव मैनेजमेंट भी शुरू हो जाएगा। हालांकि इस सिस्टम के लागू होने से परंपरागत तौर पर पुलिसिंग करने वाले उन पुलिस कर्मियो को थोड़ी परेशानी हो सकती है जो आमतौर पर कंप्यूटर की बेसिक जानकारी नहीं रखते हैं। इसके लिए पीएचक्यू ने सभी यूनिटों के इंचार्ज को निर्देश दिए हैं कि वे अपने स्टाफ को इस पोर्टल का उपयोग सिखाने के लिए स्पेशल कैंप या काउंटर बनाएं।

रिकवरी आदेश निरस्त, ब्याज सहित राशि लौटाने के निर्देश

जबलपुर। प्रदेश में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों से सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी निकालने के मामले में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद पेंशन अधिकारी नियमित रूप से पीपीओ जारी करते समय वसूली के आदेश पारित करते हैं। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को आदेश दिए हैं कि वे सभी जिले के पेंशन अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों से अवगत कराएं। इसके साथ ही न्यायालय ने कहा है कि मुख्य सचिव उक्त आदेश का पालन सुनिश्चित कराएं, ताकि भविष्य में अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचा जा सके।

हाईकोर्ट ने सीएस से कहा अधिकारियों को न्यायालय के आदेश से अवगत कराएं

जबलपुर निवासी रोहणी प्रसाद पटेल की ओर से दायर मामले में कहा गया कि वे वर्ष 2017 में सब-इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुऐ, सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी निकाल दी। आवेदक की ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह और हाईकोर्ट के जगदीश प्रसाद के प्रकरण में स्पष्ट आदेश हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी नहीं निकाली जा सकती, भले ही सेवा के दौरान अंडरटेकिंग भरी हो। न्यायालय ने याचिकाकर्ता के खिलाफ रिकवरी आदेश निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता से वसूली की गई है तो 6 फीसदी ब्याज के साथ उसे 60 दिन के भीतर लौटाएं।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर में बंगाल से घुसपैठिए बाहर होंगेः शाह

कोलकाता, जेएनएन। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि बंगाल सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है और दावा किया कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाया जाएगा। शाह ने कहा, 'ममता जी एसआईआर का जितना विरोध करना है करें, घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से निकालना ही पड़ेगा। जो रह जाएंगे, उन्हें भाजपा का मुख्यमंत्री आकर निकालेगा। साल 2026 टीएमसी को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है।' शाह ने कहा कि बंगाल की जनता तृणमूल कांग्रेस को उखाड़ फेंकेगी और इसकी विदाई का समय आ गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'टीएमसी तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गई है।'

कर्नाटकः संदिग्ध वस्तु में विस्फोट, 6 घायल

बीदर (कर्नाटक), जेएनएन। बीदर जिले के हुमानाबाद तालुक के एक गांव में शनिवार सुबह एक संदिग्ध वस्तु में विस्फोट होने से छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। यह घटना मोलकेरा गांव में एक सड़क पर हुई। इससे गांववालों में दहशत फैल गई है। सूचना मिलने पर, हुमानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच की। घटनास्थल से विस्फोट के नमूने लेने के लिए बाद में फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई। जिले के पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुंटी ने भी घटनास्थल का दौरा किया और विस्फोट की प्रकृति का जायजा लिया। मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने पर हैरानी जताई और घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

तिरुपतिः लड्डू मामले में किसी को क्लीन चिट नहीं

तिरुपति, जेएनएन। तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम में मिलावट के मामले पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने स्पष्ट किया है कि किसी को भी क्लीन चिट नहीं दी गई है। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि एसआईटी की चार्जशीट में श्रीवारी लड्डू बनाने में मिलावटी घी की मौजूदगी साफ तौर पर साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ समूह झूठे दावे कर भक्तों को गुमराह कर रहे हैं। सीबीआई की फाइनल चार्जशीट में यह बात सामने आई है कि लड्डुओं में पशु चर्बी नहीं, बल्कि मिलावटी घी का इस्तेमाल हुआ था।

दावाः कनाडा के दुश्मनों से मिले यूएस अधिकारी

वॉशिंगटन डीसी/ओटावा, जेएनएन। कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में एक नया विवाद उभर आया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने कनाडा के अल्बर्टा प्रांत को अलग देश बनाने की मांग कर रहे अलगाववादी समूहों के नेताओं से मुलाकात की। पिछले साल अप्रैल से अब तक अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी तीन बार अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिले। ये नेता अल्बर्टा को कनाडा से अलग कर एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की वकालत कर रहे हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा है।

गाजा में बच्चों समेत 23 फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह, जेएनएन। गाजा में शनिवार तड़के इजरायल के हमलों में कम से कम 23 फलस्तीनियों की मौत हो गई। अक्टूबर में संघर्ष रोकने के लिए हुए समझौते के बाद इजरायली हमले में मारे गये लोगों की संख्या सबसे अधिक है। विभिन्न अस्पतालों के अधिकारियों ने बताया कि इजरायल द्वारा हमास पर संघर्ष विराम उल्लंघन का आरोप लगाये जाने के एक दिन बाद गाजा में कई स्थानों पर हमले हुए, जिनमें एक इमारत और खान यूनिस में तम्बू वाले एक शिविर पर घातक हमले शामिल हैं।

हरियाणा के सूरजकुंड में 39वां अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला 'लोकल टू ग्लोबल' थीम पर आयोजित हो रहा है। इस मेले का उद्घाटन उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया। मेले में 50 से अधिक देशों के लगभग 700 प्रतिभागी शामिल हैं। 'लोकल टू ग्लोबल, आत्मनिर्भर भारत की पहचान' थीम पर आधारित यह मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा।

2028 तक भारत का होटल उद्योग

16-21 फीसदी की मजबूत वृद्धि संभव

भारत का होटल उद्योग इस समय एक 'स्वीट स्पॉट' में है और अगले तीन सालों में इसकी कमाई में 16 से 21 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखने को मिल सकती है। यह अनुमान एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में जताया गया है।

5-7 प्रतिशत की सालाना औसत रूम रेट ग्रोथ का मिलेगा समर्थन

30-45 प्रतिशत तक योगदान करते हैं कॉर्पोरेट इवेंट्स और शादियों जैसे कार्यक्रम होटल सेक्टर के कुल आमदनी में

10-30 सालों के लिए वैश्विक हॉस्पिटैलिटी उद्योग का सबसे बड़ा अवसर

17 प्रतिशत कम हैं फिलहाल सेक्टर की वैल्यूएशंस पांच साल के औसत से

ये हैं कमाई के क्षेत्र

- प्रमुख शहरों और हॉलीडे बाजारों की ऑक्यूपेंसी में सुधार
- हाई-मार्जिन मैनेज्ड रूम इन्वेंट्री का जुड़ना
- मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जिबिशन जैसे सेगमेंट्स का मजबूत योगदान

मार्जिन में भी सुधार

- 140 बेसिस पॉइंट्स का विस्तार हो सकता है मार्जिन में अगले तीन साल में

मजबूत मांगः उद्योग में मांग मजबूत, व्यापक और टिकाऊ बनी हुई है।

आपूर्ति पीछेः नई क्षमता (कमरों की आपूर्ति) मांग की बराबरी नहीं कर पा रही। बीते चार साल में रूम रेट बढ़ रहे हैं और ऑक्यूपेंसी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है।

ईरान के सात शहरों में धमाके पांच की मौत और 14 घायल

तेहरान, जेएनएन। ईरान के कम से कम सात शहरों में शनिवार को धमाकों की खबर से हड़कंप मच गया। राजधानी तेहरान, परंद, तबरीज, कोम, अहवाज, नतांज और बंदर अब्बास में विस्फोट हुए। इन धमाकों में कम से कम 5 लोगों की मौत हुई है और 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं, हालांकि ईरान सरकार की ओर से अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ये विस्फोट अमेरिकी सेना की किसी कार्रवाई से जुड़े नहीं हैं। वहीं एक इजरायली अधिकारी ने भी साफ किया कि इस घटना में इजरायल की कोई भूमिका नहीं है। ईरानी एजेंसी तसनीम ने उन खबरों को भी खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के नौसेना कमांडर को निशाना बनाया गया। सरकारी टीवी पर दिखाई गई तस्वीरों में इमारतों के अगले हिस्से पूरी तरह उड़ते और चारों ओर मलबा फैला दिखा। ब्रुक के मुताबिक बंदर अब्बास के रेस्क्यू अधिकारियों ने बताया कि घायलों को इमरजेंसी सेवाओं के जरिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। ये धमाके ऐसे वक्त हुए हैं जब ईरान में 28 दिसंबर से सरकार-विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। एक ईरानी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 5,000 लोगों की मौत का दावा है।

कहां-कहां क्या हुआ

- **अहवाजः** सरकारी अखबार तेहरान टाइम्स के मुताबिक एक रिहायशी इमारत में गैस विस्फोट हुआ, जिसमें चार लोगों की मौत हुई।
- **बंदर अब्बासः** एक इमारत में विस्फोट से उसकी दो मंजिलें ढह गईं और आसपास की दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। यहां 14 लोग घायल हुए।
- **तेहरान, परंद, तबरीजः** सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में घने धुएं के गुबार और क्षतिग्रस्त ढांचों को देखा गया।

इजरायल, सऊदी अरब को हथियार खरीद की मंजूरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में अपने प्रमुख सहयोगियों इजरायल और सऊदी अरब को भारी मात्रा में हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने इजरायल को 6.67 अरब डॉलर और सऊदी अरब को करीब 9 अरब डॉलर के हथियार बेचने की स्वीकृति दी है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब ईरान पर अमेरिका और यूरोपीय संघ का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि वह परमाणु समझौते पर वापस नहीं आता तो 'समय खत्म हो रहा है।' उन्होंने संभावित सैन्य कार्रवाई से पहले एक युद्ध डेडलाइन तय करने के संकेत भी दिए हैं। अमेरिका की शर्तों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बंद करना और प्रदर्शनकारियों पर हिंसा रोकना शामिल बताया गया है। तनाव के बीच यूरोपीय संघ ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है।

ईरान अमेरिका से 'निष्पक्ष' वार्ता के लिए तैयार लेकिन रक्षा क्षमताओं पर नहीं: विदेश मंत्री अराघची

इस्तांबुल, जेएनएन। ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका के साथ बातचीत दोबारा शुरू करने को तैयार है, बशर्ते वार्ता निष्पक्ष हो और उसमें ईरान की रक्षा क्षमताएं शामिल न की जाएं। इस्तांबुल में तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान को बातचीत से कोई समस्या नहीं है, लेकिन धमकियों की छाया में वार्ता नहीं हो सकती। निष्पक्ष और समान वार्ता के लिए रवैया बदलना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अमेरिकी अधिकारियों के साथ किसी बैठक का कार्यक्रम तय नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान की रक्षात्मक और मिसाइल क्षमताएं और उसके मिसाइल किसी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडलः नए सनसनीखेज खुलासे

मस्क, मीरा के नाम और प्रिंस एंड्रयू के फोटो सामने आए

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने शुक्रवार देर रात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं। इन फाइलों में आरोप है कि एपस्टीन नाबालिग लड़कियों का रोजाना कई बार यौन शोषण करता था। यह खुलासा 2010 में फ्लोरिडा में एक पीड़िता द्वारा दायर सिविल शिकायत के विवरणों में दर्ज है, जिनका उल्लेख अब जारी की गई फाइलों में किया गया है। नई फाइलों में प्रिंस एंड्रयू की कुछ तस्वीरों का भी जिक्र है। इनमें वे जमीन पर लेटी एक महिला के ऊपर झुके दिखाई देते हैं। महिला की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है और तस्वीरों के समय-स्थान की जानकारी भी स्पष्ट नहीं है। इन दस्तावेजों में पहली बार भारतीय फिल्म निर्देशक मीरा नायर और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का नाम भी आया है। हालांकि, फाइलों में नामों का उल्लेख किस संदर्भ में है, इस पर विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण अभी सामने नहीं आया है।

करोड़ों पन्नों का रिकॉर्ड सार्वजनिक

कोर्ट के आदेश के बाद ट्रंप प्रशासन पिछले कुछ समय से एपस्टीन से जुड़े दशकों पुराने सरकारी रिकॉर्ड सार्वजनिक कर रहा है। ताजा रिलीज में करीब 30 लाख पेज, 1.8 लाख तस्वीरें और 2,000 से अधिक वीडियो शामिल बताए गए हैं। इससे पहले भी अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी ने एपस्टीन की कुछ तस्वीरें जारी की थीं। ईमेल रिकॉर्ड्स में यह भी सामने आया है कि एपस्टीन ने एंड्रयू को 26 वर्षीय रूसी महिला से मुलाकात कराने की बात कही थी। इन खुलासों के बाद एंड्रयू पर दबाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने पहले भी किसी गलत हरकत से इनकार किया है। इन खुलासों के बाद संबंधित व्यक्तियों की प्रतिक्रियाओं पर नजर है। मामले में राजनीतिक प्रतिक्रिया आने की संभावना बनी हुई है।

क्या हैं आरोप दस्तावेजों में

फाइलों के मुताबिक, लड़कियों को एपस्टीन के पाम बीच स्थित घर तक निजी वाहन से लाया जाता था। वहां उनकी निजी जानकारी दर्ज की जाती और उन्हें ऐसे कमरे में ले जाया जाता, जहां शॉवर और मसाज टेबल होती थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, पहली बार आने वाली लड़की को प्रक्रिया समझाने के लिए एक अन्य लड़की मौजूद रहती थी। आरोप है कि शोषण के बाद पीड़िताओं को पैसे दिए जाते और बाहर भिजवा दिया जाता। यह भी कहा गया है कि उन्हें दूसरी नाबालिग लड़कियां लाने का दबाव बनाया जाता था और मना करने पर धमकियां दी जाती थीं।

दुनिया से कर्ज मांगने में आती है शर्मः पाक पीएम

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने विदेशी कर्ज पर खुलकर नाराजगी जताई है। इस्लामाबाद में कारोबारी नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बार-बार विदेश जाकर कर्ज मांगना आत्मसम्मान पर भारी पड़ता है और कई बार कर्ज देने वाले देशों की शर्तें मानना मजबूरी बन जाती है। शहबाज शरीफ ने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और मैं दुनिया भर में पैसे मांगने जाते हैं, तो हमें शर्म आती है। कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें समझौते करने पड़ते हैं और कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते।'

वैकल्पिक रास्ते तलाशने की जरूरतः प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्ज का बोझ देश की इज्जत पर भारी पड़ रहा है और अब पाकिस्तान को वैकल्पिक आर्थिक रास्ते तलाशने होंगे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान आईएमएफ से मदद लेने और पुराने कर्ज को रोलओवर कराने की कोशिश कर रहा है। शरीफ ने चीन को 'हर मौसम का दोस्त' बताया और कहा कि सऊदी अरब, यूएई और कतर ने भी अच्छे-बुरे हर वक्त में पाकिस्तान का साथ दिया है। विदेशी मुद्रा भंडार संभालने और भुगतान संतुलन के संकट से बचने में इन्हीं देशों की मदद अहम रही है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में गरीबी बढ़कर करीब 45 फीसदी तक पहुंच गई है। बेरोजगारी दर लगभग 7.1 फीसदी है और 80 लाख से अधिक लोग बेरोजगार बताए जा रहे हैं। 2018 में 21.9 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे थी, जो अब लगभग 45 फीसदी है।

कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन की मौत की जांच करेगी एसआईटी

बेंगलुरु, जेएनएन। बेंगलुरु पुलिस ने शनिवार को बताया कि 57 साल के रियल एस्टेट टाइकून सीजे रॉय की मौत की पूरी और बारीकी से जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है। रॉय कंपनी से जुड़े इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तलाशी के दौरान अपने ऑफिस में मृत पाए गए थे। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि एसआईटी को वेस्ट जोन के जॉइंट पुलिस कमिश्नर सी. वामशी कृष्णा लीड करेंगे और साउथ डिवीजन के डीसी लोकेश जगलासर को इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बनाया गया है। कॉन्फिडेंट ग्रुप के फाउंडर और स्लोवाक रिपब्लिक के ऑनरेरी कॉन्सुल डॉ. राय ने कथित तौर पर शुक्रवार को शहर में अपनी फर्म के ऑफिस में सुसाइड कर लिया। कॉन्फिडेंट ग्रुप के एमडी टीए जोसेफ के पुलिस को दिए गए बयान के मुताबिक, रॉय टैक्स अधिकारियों को बयान देने के लिए लैंगफोर्ड रोड ऑफिस गए थे।

अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में उथल-पुथल जारी

एनसीपी के विलय व शरद के एनडीए में जाने की अटकलें

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए निकाय चुनावों के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों ने एक साथ चुनाव लड़ा, जिसके बाद उनके फिर से एक होने की अटकलें तेज हो गई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी की शुरुआत में दोनों गुटों के विलय का ऐलान होना था, लेकिन बुधवार को विमान हादसे में अजित पवार के निधन के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2023 में विभाजित हुई एनसीपी जिसका एक गुट भाजपा के साथ गया और दूसरा उसके खिलाफ अब क्या फिर एकजुट होगी?

इस बीच पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने यह भी कहा कि पवार परिवार के सदस्य 2-3 दिनों में बैठकर आगे की दिशा तय करेंगे और अहम फैसले सामूहिक रूप से लिए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक पवार परिवार के साथ कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई है और नेता केवल सुनेत्रा पवार और अजित पवार के बेटों से शोक-संवेदना के लिए मिले हैं।

दोनों एनसीपी का विलय तय थाः एकनाथ खडसे

एनसीपी (शरद गुट) के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे ने कहा कि दोनों एनसीपी का एक साथ आना तय हो चुका था। विलय की प्रक्रिया अंतिम चरण में थी और पंचायत चुनावों के बाद इसके होने की पूरी संभावना थी। खडसे ने कहा कि फिलहाल एनसीपी (एसपी) का चुनाव चिह्न प्रभावी रूप से मौजूद नहीं है और केवल घड़ी का चिन्ह सामने है, जिससे संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक स्पष्टता के लिए विलय की इच्छा और मजबूत हुई।

क्या शरद पवार एनडीए में जाएंगे?

शरद पवार के एनडीए में शामिल होने की अटकलों पर खडसे ने कहा कि अभी इस विषय पर फैसला लेना सही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'घटना को हुए केवल तीन दिन हुए हैं, यह समय अटकलों का नहीं है।'

अजित की अंतिम इच्छा थी एकजुटताः देशमुख

एनसीपी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि अजित पवार की दिली इच्छा थी कि एनसीपी के दोनों गुट एक हों। उन्होंने बताया कि अजित पवार ने इसे अपनी अंतिम इच्छा के रूप में भी व्यक्त किया था और इसके लिए कदम उठाने शुरू कर दिए थे, हालांकि प्रक्रिया में कुछ देरी हुई।

प्रदेश के नगरीय निकायों में तैनात होंगी 10 हजार अमृत महिला मित्र

जागरण, भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में हर माह जल प्रदाय और सीवरेज प्रोजेक्ट्स की बारीकी से समीक्षा की जाएगी। इसके लिए शनिवार को एमपी अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के एमडी और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने निर्देश जारी कर दिए। इसके अलावा प्रदेश में 10 हजार महिला मित्र को भी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। यह सभी अमृत मित्र जल स्वच्छता की जांच करेंगी और इनकी नियुक्ति एमपीयूडीसी के माध्यम से की जाएगी। बता दें कि एमडी 35 नगरीय निकायों में पूरी हो चुकी और 52 नगरीय निकायों में प्रगतिरत वाटर सप्लाई और सीवरेज प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि एमपीयूडीसी की सभी परियोजनाओं की हर माह होने वाली समीक्षा के काम की मॉनिटरिंग एमडी स्वयं करेंगे। ताकि काम में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए। हर परियोजना की साप्ताहिक कार्य योजना बनाई जाएगी और इन्हें समय सीमा में पूरा करने पर जोर रहेगा। इसके अलावा सभी परियोजनाओं के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को तकनीक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह ठेकेदार होंगे ब्लैक लिस्टेड : बुधनी के ठेकेदार वाज इंडिया को टर्मिनेट करने और ब्लैक लिस्ट करने, पसान के मुख्य ठेकेदार द्वारा नियुक्त सब कॉन्ट्रेक्टर कात्यानी, शहडोल सीवरेज में मुख्य ठेकेदार द्वारा नियुक्त सब कॉन्ट्रेक्टर ईफिल तथा सांची सीवरेज परियोजना के ठेकेदार 3 आरएम को ब्लैक लिस्ट करने को कहा है। साथ ही ईपीसीएल को प्रदर्शन न सुधरने पर टर्मिनेट करने की चेतावनी दी गई।

चर्चा में

54 साल पहले एलिजाबेथ टेलर के 5वें पति ने जन्मदिन पर गिफ्ट दिया था डायमंड

रॉबी ने पहना 400 साल पुराना नूरजहां का हार

कैलिफोर्निया, जेएनएन। हॉलीवुड एक्ट्रेस मार्गोट रॉबी ने बेगम नूरजहां का 400 साल पुराना नेकलेस (हार) पहना जिसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। वह अपनी आगामी फिल्म 'वुथरिंग हाइट्स' के प्रचार के लिए बुधवार को रेड कार्पेट पर ग्लैमरस लुक में दिखीं। रॉबी ने लॉस एंजिल्स में फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर पर एक शानदार गाउन पहना था।

यह लुक बेहद खूबसूरत और विंटेज स्टाइल का था, लेकिन असली सुर्खियां बटोरीं उनके नेकलेस ने। यह 69.42 कैरेट का हार्ट शेप का टेबल-कट डायमंड है और इसे गोल्ड और रूबी से बनी कार्टियर चेन में सेट किया गया है। इस नेकलेस की कीमत लगभग 8 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपए) बताई जा रही है। यह नेकलेस 54 साल पहले, 1972 में अमेरिकी एक्ट्रेस एलिजाबेथ टेलर के पांचवें पति रिचर्ड बर्टन ने उनके 40वें जन्मदिन पर गिफ्ट किया था। नूरजहां मुगल साम्राज्य की सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली बेगम थीं। कहा जाता है कि वह मुगल सम्राट जहांगीर की 20वीं पत्नी थी। उन्होंने 1611 में मुगल सम्राट जहांगीर से शादी की। जहांगीर ने उन्हें पहले नूर महल (महल की रोशनी) और बाद में नूरजहां (दुनिया की रोशनी) का खिताब दिया। वह मुगल इतिहास में इकलौती ऐसी बेगम थीं जिनके नाम पर सिक्के ढाले गए, फरमान जारी किए गए और उन्होंने दरबार में जहांगीर के साथ बैठकर शासन चलाया। नूरजहां मुगल दरबार में फैशन और स्टाइल की रानी मानी जाती थीं। उन्होंने खुद डिजाइनर की तरह काम किया और कई नए फैशन ट्रेंड शुरू किए।

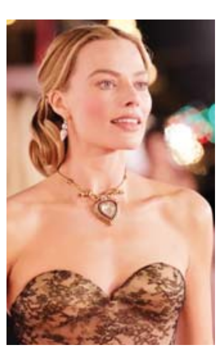

जहांगीर ने दिया था तोहफा

ताज महल डायमंड की असली कहानी और भी रोचक है। इसे मुगल सम्राट शाह जहांगीर ने अपनी पत्नी नूरजहां को गिफ्ट किया था। यह दिल के आकार का डायमंड 17वीं सदी का है, जिस पर फारसी भाषा में 'प्यार हमेशा बना रहता है' लिखा है। इस पर नूरजहां का नाम भी उकेरा गया है। बाद में यह उनके बेटे शाहजहां के पास पहुंचा, जिन्होंने इसे अपनी पत्नी मुमताज महल को दिया। मुमताज की मौत के बाद शाहजहां ने ताजमहल बनवाया, जिसके कारण इस डायमंड को ताज महल डायमंड कहा जाने लगा।

पत्नी के लिए 'ताजमहल' खरीदना चाहते थे रिचर्ड

यह नेकलेस एलिजाबेथ टेलर और रिचर्ड बर्टन की जुनूनी लव स्टोरी का प्रतीक बन गया, जो क्लियोपेट्रा फिल्म के सेट पर शुरू हुई थी। रिचर्ड बर्टन ने मजाक में कहा था, मैं तो ताजमहल खरीदना चाहता था, लेकिन ट्रांसपोर्ट में बहुत खर्चा होता! इसलिए उन्होंने यह डायमंड चुना, जो ताजमहल की लव स्टोरी से जुड़ा है। एलिजाबेथ ने इसे एक बार ऑस्कर में पहना था। 2011 में एलिजाबेथ की मौत के बाद उनकी ज्वेलरी की नीलामी में यह नेकलेस 8.8 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपये) में बिका। पैसे एलिजाबेथ टेलर एड्स फाउंडेशन को गए।

सजा देना पुलिस का अधिकार नहीं: हाईकोर्ट

प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उप्र में बढ़ती पुलिस मुठभेड़ों, खासकर आरोपियों के पैरों में गोली मारकर उन्हें 'एनकाउंटर' बताने की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता जताई है। प्रयागराज में जस्टिस अरुण कुमार देशवाल की सिंगल बेंच ने साफ शब्दों में कहा कि पुलिस कानून से ऊपर नहीं है और अपराधी को सजा देना न्याय पालिका का काम है, न कि पुलिस का। अदालत ने कहा कि प्रमोशन, वाहवाही या सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के लिए गोली चलाने की प्रवृत्ति न केवल गलत बल्कि खतरनाक भी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी के शरीर के किसी गैर-जरूरी हिस्से पर गोली मारना भी कानून अस्वीकार्य है। किसी भी एनकाउंटर में यदि फायरिंग या गंभीर चोट होती है तो सख्त नियम स्वतः लागू होंगे। हाईकोर्ट ने पुलिस के लिए 6-पॉइंट गाइडलाइंस जारी करते हुए इनके पालन को अनिवार्य बताया और सुप्रीम कोर्ट के पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र मामले में तय दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया।

बजट 2026: महज खर्च का हिसाब नहीं, 'विकसित भारत 2047' की दिशा में निर्णायक कदम

सस्ते हो सकते हैं सोना-चांदी, घट सकती है ड्यूटी

नई दिल्ली, जेएनएन। रविवार एक फरवरी को पेश होने वाले बजट के बाद सोना-चांदी खरीदना सस्ता हो सकता है। सरकार इस पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 6 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो सोना प्रति 10 ग्राम करीब 3 हजार और चांदी 6 हजार रुपए सस्ती हो सकती है। 2025 में सोना 75 फीसदी और चांदी 167 फीसदी बढ़ी है। अभी यानी जनवरी 2026 में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.50 लाख और एक किलो चांदी 3.50 लाख रुपए में मिल रही है। फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक साथ बड़ी खरीदारी की बजाय किस्तों में निवेश का तरीका अपनाना चाहिए, ताकि कीमतों में होने वाले भारी उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम किया जा सके। बाजार की अनिश्चितता और ऊंचे स्तरों को देखते हुए निवेशकों को 'तेजी के पीछे भागने के बजाय गिरावट पर खरीदारी' करनी चाहिए।

खर्च और संसाधन: दो बड़े सवाल

हर बजट की तरह इस बार भी दो मूल प्रश्न केंद्र में रहेंगे कि सरकार पैसा कहां खर्च करेगी और खर्च के लिए संसाधन कैसे जुटाएगी। बजट 2026 में इन दोनों पहलुओं के साथ-साथ सरकार अपनी लंबी अवधि की संरचनात्मक प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट कर सकती है।

ग्रोथ को बढ़ावा देने वाले सेक्टर्स पर जोर: खर्च के मोर्चे पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर्स और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में रणनीतिक निवेश की उम्मीद है। इन क्षेत्रों में निवेश से भारत की वैश्विक तकनीकी भागीदार के रूप में स्थिति मजबूत होगी, साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित होंगे और वैश्विक पूंजी आकर्षित होगी।

'मेक इन इंडिया' को गति: इसके अलावा भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने के लिए भी कई घोषणाएं संभव हैं। इससे 'मेक इन इंडिया' मिशन को नई गति मिलेगी। नीति-सरलीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट और रेगुलेटरी स्पष्टता के जरिए उद्योग जगत की बाधाएं कम करने पर जोर रहेगा। टैक्सेशन और श्रम कानूनों में पहले हुए बड़े सुधारों के बाद अब सोशल और कॉर्पोरेट रेगुलेशंस को आधुनिक बनाने और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं।

टैक्स और रेवेन्यू की तस्वीर

टैक्सेशन के लिहाज से 1 अप्रैल 2026 से लागू होने जा रहा नया इनकम टैक्स एक्ट अहम रहेगा, जो 1961 के पुराने कानून की जगह लेगा। नए कानून में टैक्स प्रावधानों को सरल बनाने, अप्रासंगिक धाराओं को हटाने और प्रक्रियाओं को आसान करने पर जोर दिया गया है। साल 2025 में लागू हुए जीएसटी 2.0 सुधारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इससे खासकर ऑटोमोबाइल और इंश्योरेंस जैसे सेक्टर्स में मांग बढ़ी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिली। उम्मीद है कि वित्त मंत्री अपने बजट भाषण में इन सुधारों का जिक्र करेंगी और जीएसटी सुधारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई जाएगी। दरों के तर्कसंगतकरण से मार्केट सेंटिमेंट और उपभोग दोनों को मजबूती मिल सकती है।

कहां से, कितना आता है कर राजस्व

केंद्र को वित्तीय वर्ष 26 में 13.6 ट्रिलियन इनकम टैक्स इकट्ठा करने की उम्मीद है। जिसके बाद आयकर देने वाले लोग और परिवार कर राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देने वाले बन जाएंगे। यह सकल कर राजस्व का लगभग 32 फीसदी है।

वित्तीय वर्ष 26 के लिए केंद्र का अनुमानित सकल कर राजस्व

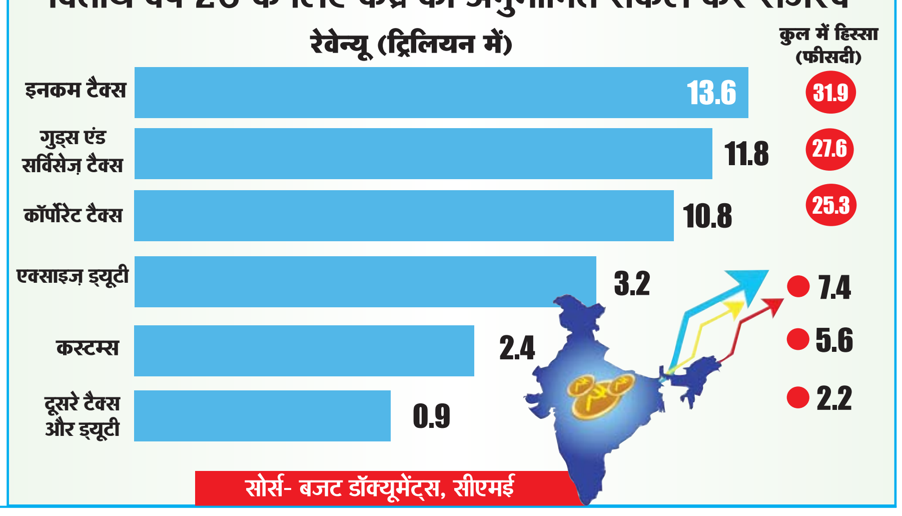

सोर्स- बजट डॉक्यूमेंट्स, सीएमई

संक्षिप्त खबरें

कांफ्रेंस में महिला डॉक्टर को आया कार्डियक अरेस्ट

जागरण, इंदौर। शनिवार को एक इंटरनेशनल यूरोलॉजी कॉन्फ्रेंस के दौरान महिला डॉक्टर को कार्डियक अरेस्ट आ गया। प्रेजेंटेशन देते समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे मंच पर ही गिर पड़ीं। मौके पर मौजूद डॉक्टरों और डेलिगेट्स ने तुरंत सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सांसें लौट आईं। हालांकि, उनकी हालत अभी गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें दूसरे निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। मैंगलोर से डॉक्टर श्रीन बुटोले कांफ्रेंस में शामिल होने इंदौर आई थीं और घटना के वक्त वे कांफ्रेंस को संबोधित कर रही थीं। फिलहाल महिला डॉक्टर आईसीयू में है। डॉक्टरों की टीम उन पर नजर बनाए हुए है।

बहाल होते ही फिर नशे में स्कूल पहुंचे हेडमास्टर

जागरण, सतना। जिले के उचेहरा विकासखंड अंतर्गत परसमनिया पहाड़ी स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल कुरेही के हेडमास्टर जयपाल दिनकर एक बार फिर विवादों में हैं। बहाली के तुरंत बाद ही उनका शराब के नशे में स्कूल पहुंचने का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो शुक्रवार का बताया जा रहा है, जो शनिवार शाम को सामने आया। वीडियो में प्रधानाध्यापक नशे की हालत में अन्य शिक्षकों से बहस करते दिख रहे हैं। हेडमास्टर को बीते साल भी नशे में धुत होकर सड़क पर बेसुध पड़े रहने के एक वीडियो के वायरल होने के बाद निलंबित किया था।

डोंगर परासिया नपाध्यक्ष 6 साल के लिए भाजपा से निष्कासित

जागरण, छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में छिंदवाड़ा जिले की डोंगर परासिया नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद मालवी को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर की गई है। पार्टी का कहना है कि मालवी की गतिविधियों से संगठन की छवि को नुकसान पहुंचा है, जिसे गंभीर अनुशासनहीनता माना गया। भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव द्वारा जारी पत्र में निष्कासन की पुष्टि की गई है। पत्र में स्पष्ट लिखा है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नपाध्यक्ष के निष्कासन के बाद छिंदवाड़ा जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इस फैसले का स्थानीय सियासत पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

भोपाल मंडल में सिर्फ 37% काम पूरा, कोटा ने इससे दोगुना किया

भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन प्रोजेक्ट का 20 साल से चल रहा काम

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल से रामगंज मंडी तक नई रेल लाइन बिछाई जा रही है। वर्ष 2001 में इस परियोजना की घोषणा हुई थी और 2005 से काम शुरू हुआ था। बीते 20 साल से इस पर काम जारी है। कुल 276 किलो मीटर लंबी रेल लाइन की वर्क रिपोर्ट पर बात करें तो इसमें भोपाल रेल मंडल लक्ष्य से बहुत पीछे है। जबकि कोटा रेल मंडल ने इसी अवधि में अपना टारगेट बहुत हद तक पूरा कर लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे से मिली जानकारी अनुसार कुल 276 किमी के इस प्रोजेक्ट में भोपाल रेल मंडल के अंतर्गत 111 किमी का काम होना है। इस 111 किमी में से भोपाल रेल मंडल द्वारा अभी तक 42 किमी की रेल लाइन को पूरा किया है। जो कि कुल लक्ष्य का 37 प्रतिशत है। इसके विपरीत यदि कोटा मंडल की बात करें तो कोटा मंडल के अंतर्गत इस रेल प्रोजेक्ट का 165 किलो मीटर हिस्सा आता है। इस 165 किमी में से कोटा रेल मंडल द्वारा अभी तक 127 किमी की रेल लाइन का काम पूरा कर दिया गया है। जो कि कुल लक्ष्य का 77 प्रतिशत है। वर्क प्रोग्रेस को यदि प्रतिशत के हिसाब से देखें तो कोटा मंडल ने भोपाल के मुकाबले दोगुना काम किया है।

अब 2027 तय की गई डेडलाइन, बजट बढ़कर 3500 करोड़ तक पहुंचा

- **भोपाल के हिस्से में यह स्टेशन:** ब्यावरा, पीपलखेड़ा, सोनकच्छ, नरसिंहगढ़, जमुनियागंज, कुरावर, श्यामपुर, दुराहा, जरखेड़ा, मुगलियाहाट, संत हिरदाराम नगर एवं निशातपुरा डी केबिन शामिल हैं।
- **कोटा के हिस्से में यह स्टेशन:** रामगंज मंडी, जुल्मी, झालावाड़, झालरापाटन, जूनाखेड़ा, अमेठा, अकलेरा, पचोला, घटोली, नयागांव, भोजपुर, देवपुरा, खिलचीपुर, राजगढ़, नरसिंहपुर।
- **भूमि अधिग्रहण सबसे बड़ी बाधा:** भोपाल रेल मंडल द्वारा धीमी गति से काम करने का सबसे बड़ा कारण इस मंडल के अंतर्गत जमीन अधिग्रहण सबसे बड़ी चुनौती है। राजगढ़ जिले में खासकर ब्यावरा के पास कई किसानों की जमीन इस प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहित की जाना है। भोपाल संभागायुक्त भी कई बार संबंधित जिला कलेक्टर को निर्देशित कर चुके हैं कि जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई तेजी से पूरा किया जाए, लेकिन अभी भी कई ब्लॉक में यह काम अटका हुआ है।
- **ट्रायल और निरीक्षण:** अगस्त 2025 में जरखेड़ा से श्यामपुर के बीच 11 किमी के नए खंड पर 125 किमी/घंटा की रफ्तार से सफल ट्रायल किया गया था।

500 करोड़ से 3500 करोड़ रुपए पहुंची लागत

वर्ष 2001 के रेल बजट में सबसे पहले इस परियोजना की घोषणा की गई थी। तब इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 500 करोड़ रुपए बजट का ऐलान किया गया था। प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए डेडलाइन 2012 तय की गई थी। लेकिन समय बढ़ता गया और समय के साथ परियोजना की लागत भी। अब रेल मंत्रालय ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 2027 की डेडलाइन तय की है। बजट बढ़कर 3500 करोड़ तक पहुंच गया है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

- मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के 5 जिले (कोटा, झालावाड़, राजगढ़, सीहोर एवं भोपाल) प्रत्यक्ष रूप से जुड़ेंगे।
- राजस्थान के झालावाड़ स्थित कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयले की ढुलाई में यह मार्ग अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। नया मार्ग 42 किलोमीटर कम होगा।
- रूठियाई-कोटा-रामगंज मंडी-झालावाड़ (257 किमी) मार्ग के माध्यम से जयपुर से दक्षिण भारत की ओर चलने वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट लगभग 115 किलोमीटर कम हो जाएगा। जिससे 3 घंटे की बचत होगी।

इनका कहना है

भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन परियोजना के पूर्ण होने से यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी, माल परिवहन में सुविधा तथा क्षेत्र में रोजगार एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

सौरभ कटारिया
सीनियर डीसीएम भोपाल रेल मंडल

भारत में डिजिटल भुगतान की अगली वृद्धि को गति दे रहा है यूपीआई

नई दिल्ली। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) रोज़मर्रा के भुगतान में अपनी पहुंच और भूमिका को लगातार बढ़ा रहा है और देश की सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली डिजिटल भुगतान प्रणालियों में से एक के रूप में उभर चुका है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ग्रोथ) सोहिनी राजोला ने कहा, यूपीआई ने पैमाने और गहराई—दोनों में उल्लेखनीय विस्तार किया है। यह अब हर महीने 20 अरब से अधिक लेनदेन प्रोसेस करता है और 50.4 करोड़ से अधिक भारतीय इसका उपयोग करते हैं, जो देश की वयस्क आबादी का लगभग आधा है। यूपीआई को अपनाने की गति अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा, नवंबर 2025 में मासिक लेनदेन की रन रेट पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक थी, जो दर्शाता है कि यह रफ्तार कायम है। उच्च लेनदेन मात्रा के साथ-साथ उपयोग के पैटर्न में भी बदलाव आ रहा है। उन्होंने आगे कहा, व्यवहार में बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नए उपयोगकर्ता कम टिकट साइज के साथ जुड़ रहे हैं, जो डिजिटलीकरण के लोकतंत्रीकरण का संकेत है, लेकिन प्रति उपयोगकर्ता खर्च लगातार बढ़ रहा है। व्यक्तियों के बीच होने वाले ट्रांसफर की तुलना में व्यापारियों को किए जाने वाले भुगतान तेज़ी से बढ़ रहे हैं। राजोला ने कहा, पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) भुगतान लगातार तीन वर्षों से पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की तुलना में तेज़ी से बढ़े हैं। यह रुझान दैनिक जरूरतों के लिए क्ष्ह्व की बढ़ती स्वीकार्यता से प्रेरित है। उन्होंने बताया, इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण पहले कम पहुंच वाले क्षेत्रों—जैसे किराना और सुपरमार्केट, रेस्त्रां, सर्विस स्टेशन और दवा की दुकानों—में यूपीआई का तेजी से अपनाया जाना है। व्यापारी स्वीकार्यता में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा, अब लगभग 6.5 करोड़ टचपॉइंट्स पर यूपीआई स्वीकार किया जा रहा है, जिससे उपभोक्ता-व्यापारी इकोसिस्टम और मजबूत हुआ है। डिजिटल भुगतान अब भारत की खुदरा अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा बन चुका है। उन्होंने बताया, वित्त वर्ष 2025 में सभी खुदरा भुगतानों में से लगभग 40 प्रतिशत डिजिटल थे, और उनमें से 84 प्रतिशत मूल्य यूपीआई के माध्यम से हुआ—जो 2021 की तुलना में 1.6 गुना अधिक है, उनके अनुसार, यह अधिक औपचारिकीकरण, व्यापक श्रेणी में पैठ और रोज़मर्रा की खुदरा गतिविधियों में डिजिटल भुगतान के गहरे एकीकरण को दर्शाता है। यूपीआई देशभर में वित्तीय समावेशन को भी मजबूती प्रदान कर रहा है। राजोला ने कहा, यदि हम क्ष्ह्व के माध्यम से समावेशन को देखें, तो तीन स्तंभ स्पष्ट रूप से सामने आते हैं।भौगोलिक पहुंच पर उन्होंने कहा, यूपीआई की क्यूआर उपस्थिति अब भारत के लगभग सभी 19,000 पिन कोड तक पहुंच चुकी है, जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जहां बुनियादी बैंकिंग ढांचा अभी सीमित है।

पटवारी से रेप करने वाले डिप्टी कलेक्टर को 10 साल की जेल

सेंधवा एसडीएम रहते किया दुष्कर्म, बड़वानी कोर्ट का फैसला

जागरण, बड़वानी। महिला पटवारी से दुष्कर्म मामले में तत्कालीन एसडीएम सेंधवा और वर्तमान उज्जैन डिप्टी कलेक्टर अभय सिंह खराड़ी को तृतीय जिला एवं सत्र न्यायालय बड़वानी ने दोषी ठहराया है। कोर्ट ने खराड़ी को 10 साल की सजा और 1 लाख 1 हजार रुपए का अर्थदंड सुनाया है। खराड़ी महिला को बेहोश कर उसकी मांग भरकर फोटो खींचता था और उसे अपनी पत्नी बताता था। महिला पटवारी ने साल 2024 में दर्ज शिकायत में बताया था कि खराड़ी ने वर्ष 2016 से 2024 तक अपने बंगले पर और बाद में 22 दिसंबर 2023 को रात करीब 10 बजे गायत्री कॉलोनी जुलवानिया स्थित उसके घर पर कई बार दबाव बनाकर शारीरिक संबंध बनाए। खराड़ी ने एसडीएम के पद पर रहते हुए प्राधिकारी का दुरुपयोग किया। 22 दिसंबर 2023 की रात को फरियादी के घर पर उसके साथ मारपीट की, गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी थी। न्यायालय ने इन सभी आरोपों में खराड़ी को दोषी पाया। अभियोजक शिवपाल सिंह सिसोदिया ने बताया कि महिला कर्मचारी ने 29 अप्रैल को शिकायत की थी। इसमें यह भी बताया कि खराड़ी उसे ब्लैकमेल कर उसका कई बार यौन शोषण करता था।

इंदौर के रिहायशी इलाके में पहुंचा तेंदुआ, सफल रेस्क्यू

जागरण, इंदौर। जिले के देव गुराडिया इलाके के पास सनावदिया क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय दहशत फैल गई, जब रिहायशी इलाके में तेंदुए की मूवमेंट देखा गया। स्थानीय लोगों ने खेत और मकानों के आसपास जंगली जानवर जैसा मूवमेंट देखा, जिसके बाद तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया गया।

विलुप्त हो गए थे बांधवगढ़ से गौर, अब बढ़कर हुए 160

जंगल की बायोलॉजी को सुधारते हैं बायसन इनके बढ़ने के साथ बढ़ेगी बाघों की भी संख्या

जागरण संवाददाता, भोपाल। 1990 के दशक में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में भारतीय गौर (इंडियन बायसन) पूरी तरह से विलुप्त हो गए थे। लेकिन मध्य प्रदेश वन विभाग के प्रयासों से बांधवगढ़ में गौर की संख्या बढ़कर 160 के पार हो गई है। इसके लिए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से समय-समय पर गौर की शिफ्टिंग करवाई गई। हाल ही में 25 जनवरी से 31 जनवरी के बीच 27 गौर को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से लाकर बांधवगढ़ में छोड़ा गया है। बायसन की शिफ्टिंग के साथ इनके अनुवांशिक सुधार का काम भी किया जा रहा है। इसके लिए मध्य प्रदेश वन विभाग ने वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर काम करना शुरू किया है। दरअसल ताकि आने वाले समय में स्वस्थ नस्ल के बायसन पैदा हों। जिससे जंगल के अंदर फूड चेन (भोजन श्रृंखला) मजबूत हो, जिससे बड़े वन्य प्राणियों को भोजन के लिए जंगल से बाहर न निकलना पड़े। बता दें कि वन विभाग ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बीच दो चरणों में बायसन की शिफ्टिंग की है। पहले चरण में 23 और दूसरे में 27 गौर को शिफ्ट किया गया है। बता दें कि बायसन बड़ी घास को खाकर छोटी घास को हिरण व अन्य वन्य प्राणियों के लिए छोड़ देते हैं।

इस तरह बड़ी बांधवगढ़ में बायसन की संख्या

गौर के विलुप्त होने के बाद 2011-2012 में दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों की मदद से 50 गौरों को ट्रांसलोकेट किया था। इसके बाद बांधवगढ़ में इनकी संख्या बढ़ने लगी और अब 2025 में 50 बायसन को पुन: ट्रांसलोकेट कर दिया है। वर्तमान में यहां बायसन की संख्या 160 पहुंच गई है। बांधवगढ़ के अलावा 2023-24 में संजय टाइगर रिजर्व में भी 50 गौरों को ट्रांसलोकेट किया गया था। यदि प्रदेश में इसी तरह गौर की संख्या बढ़ती रही तो आने वाले समय में प्रदेश टाइगर और लेपर्ड के साथ बायसन स्टेट के रूप में भी पहचाना जाएगा।

"बांधवगढ़ में बायसन के ट्रांसलोकेशन का काम सफलता के साथ पूरा कर लिया गया है। अब इनकी संख्या 160 तक पहुंच गई है। ट्रांसलोकेशन से इनके अनुवांशिक सुधार का काम किया जा सकेगा।

सुभरंजन सेन
पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

मकान के सेप्टिक टैंक में गिरे दो भाइयों की मौत

जागरण, टीकमगढ़। टीकमगढ़ की शिवनगर कॉलोनी में किराये से रहने वाले सचिन यादव के बेटे नरेंद्र और आशीष शाम को मां से खेलने का बोलकर घर से निकले। दोनों भाई कॉलोनी में मुकुंद यादव के निर्माणाधीन मकान में चले गए, जहां दोनों की खुले सेप्टिक टैंक में गिरने से मौत हो गई। कॉलोनी के लोगों ने मिलकर सभी सीसीटीवी खंगालने शुरू किए तो एक सीसीटीवी फुटेज में बच्चे निर्माणाधीन मकान के अंदर जाते दिखे।

दूषित पानी से मौतों के बाद लिया सबक 85 वार्डों में बनेंगी वॉटर टेस्टिंग लैब

जागरण, इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर और मप्र की आर्थिक राजधानी इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 31 मौत हो चुकी हैं। इस मामले ने देशभर में इंदौर शहर की छवि को पलीता लगाया है, जिससे सबक लेकर नगर निगम ने अब पानी की गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया है। निगम ने निर्णय लिया है कि शहर के सभी 85 वार्डों में वाटर टेस्टिंग लैब स्थापित की जाएंगी, ताकि हर वार्ड स्तर पर पानी की नियमित जांच हो सके और दूषित जल की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, अब तक पानी की जांच सीमित स्तर पर होती थी, लेकिन भागीरथपुरा की घटना के बाद यह साफ हो गया कि वार्ड स्तर पर निगरानी जरूरी है। निगम ने निजी एजेंसी के माध्यम से वाटर टेस्टिंग और वाटर ऑडिट कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया है।

मौतों के बाद भय, लोगों ने लगवाया आरओ सिस्टम : भागीरथपुरा में गंदे पानी से हुई मौतों के बाद इलाके में भय का माहौल है। लोग टैंकर से मिलने वाले पानी को भी उबालकर पीने को मजबूर हैं, जिन इलाकों में सीमित जलप्रदाय शुरू किया था, वहां भी रहवासी नल का पानी पीने से कतरा रहे हैं। कई परिवारों ने आरओ सिस्टम लगवा लिए हैं। रहवासियों का कहना है जब तक पानी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से नहीं दी जाती और निगम पानी को सुरक्षित घोषित नहीं करता, तब तक नल का पानी नहीं पिएंगे।

सप्लाई में कोई कटौती नहीं

निगम ने साफ कर दिया है कि भागीरथपुरा इलाके में अभी कुछ दिनों तक नल से पानी की नियमित सप्लाई शुरू नहीं की जाएगी, जब तक पाइपलाइनों की पूरी जांच, लीकेज और सीवेज मिक्सिंग की संभावना को पूरी तरह खत्म नहीं कर दिया जाता, तब तक क्षेत्र के रहवासियों को टैंकरों के माध्यम से ही पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने निर्देश दिए हैं कि टैंकरों की संख्या कम न हो और पानी की सप्लाई में किसी तरह की कटौती न की जाए। सुरक्षित पानी मिलना प्राथमिकता है, भले ही अस्थायी व्यवस्था कुछ और समय चलानी पड़े।

बदलाव | सोलो ट्रैवलर ट्रैवल कंपनियों के लिए बन रहे हैं सबसे प्रॉमिसिंग सेगमेंट में से एक

नया ट्रेंड- तेजी से बढ़ रहा है सोलो ट्रैवल का ट्रेंड

जेएनएन, नई दिल्ली। 26 साल की अन्नपूर्णा मैडी ने तीन साल तक सॉफ्टवेयर डेवलपर के तौर पर काम किया। इसके बाद परंपरागत तरीके से करियर को आगे बढ़ाने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स जाने के बजाए उन्होंने एक साल का ब्रेक लिया और कोलंबिया की यात्रा की। जब वह वापस काम पर लौटने की तैयारी कर रही थीं, तो उन्हें ट्रैवल फिनटेक कंपनी स्कैपिया के फ्लैगशिप लीप आउट ईयर इनिशिएटिव प्रोग्राम के बारे में पता चला। इस ट्रैवल कंपनी ने दो युवा ट्रैवलर्स के लिए चार कॉन्टिनेंट्स में 12 महीने की यात्रा का प्रोग्राम शुरू किया था। कंपनी ही इस यात्रा का पूरा खर्च उठाने वाली थी। स्कैपिया ने कहा कि इस इनिशिएटिव का मकसद नई पीढ़ी के लिए पारंपरिक गैप ईयर को फिर से प्रचारित करना था। मैडी ने इस प्रोग्राम के लिए सिलीगुड़ी की 27 साल की तनुका अग्रवाल के साथ क्वालिफाई किया। तनुका अग्रवाल ने बताया, जिंदगी के एक संघर्ष पूर्ण दौर में, राहत भरी सांसे लेने और सुकून पाने के लिए मैंने अपनी पहली सोलो ट्रिप की। उस यात्रा ने सब कुछ बदल दिया। इस ट्रैवल ने मुझे तकलीफ देने वाली बातों को भूलने की हिम्मत दी।

सोलो ट्रैवलिंग में महिलाएं आगे

आज के दौर में मैडी और अग्रवाल जैसे सोलो ट्रैवलर तेज़ी से इंडियन ट्रैवल कंपनियों के लिए सबसे प्रॉमिसिंग सेगमेंट में से एक बन रहे हैं, और कंपनियां इस सेगमेंट को और ज्यादा जोड़ने के नए तरीके ढूंढ रही हैं। वीज़ा स्टार्टअप एटलाइस में सोलो ट्रैवलर्स के वीज़ा एप्लीकेशन 2024 के मुकाबले लगभग तीन गुना हो गए।

लंबी दूरी की यात्राएं भी

स्पेन के लिए वीज़ा एप्लीकेशन प्रोसेस करने वाले बीएलएस इंटरनेशनल कंपनी के जॉइंट एमडी शिखर अग्रवाल ने कहा- कोविड-19 महामारी के बाद भारत से स्पेन जाने वाले सोलो एप्लिकेंट में 25-30फीसद की बढ़ोतरी हुई है। कंपनियों ने कहा कि सोलो ट्रैवलर्स के बीच वियतनाम और श्रीलंका जैसे रीजनल पसंदीदा जगहों के साथ-साथ साउथ अफ्रीका जैसी लंबी दूरी की डेस्टिनेशन भी बढ़ रही हैं, जिससे पता चलता है कि सोलो ट्रैवल का ट्रेंड अब सिर्फ़ छोटी छुट्टियों से कहीं आगे निकल गया है। मेक माय ट्रिप में छुट्टियों और एक्सपीरियंस के चीफ कमर्शियल ऑफिसर जसमीत सिंह ने कहा कि इस सेगमेंट में ज़्यादातर युवा ट्रैवलर हैं, जिनमें से लगभग 60फीसद 20-39 एज ग्रुप के हैं। जो बात सबसे अलग है, वह है उनका प्रीमियम ओरिएंटेड बिहेवियर। सोलो ट्रैवलर दूसरे ग्रुप के मुकाबले लगभग 28 फीसद ज़्यादा खर्च करते हैं और कम एक्टिविटी चुनने के बावजूद, हर एक्सपीरियंस पर काफी ज़्यादा खर्च करते हैं, जो चीट और बंडल्ड ऑफर को पसंद करने का संकेत है। स्टेपिया के सीईओ अनिल गोटेती ने कहा कि पिछले साल स्टेपिया पर टिकट बुक करने वाले लगभग 40फीसद पैसेंजर ने अकेले यात्रा की। उन्होंने कहा, इसमें, अकेले यात्रा करने वालों में जेन जी का हिस्सा साल-दर-साल 10फीसद से ज़्यादा बढ़ा, जो अकेले यात्रा करने की बढ़ते ट्रेंड का प्रमाण है। कंपनियों का मानना है कि कोविड 19 महामारी के बाद योलो यानी 'यू ओनली लिव वंस' जैसी सोच बढ़ने से अकेले यात्रा करने में लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है।

साहित्य सृजन

गणतंत्र पर आभास

सतहत्तरवां गणतंत्र मनाये, हमनें जिस उल्लास से।
दृश्यावलोकन शब्द नहीं हैं, कह सकें हम खास से।।
सैन्य शौर्य का दिखें प्रदर्शन, संस्कृति के विन्यास से।
हो आह्लादित चित्र था ऐसे, निकल गये थे पास से।।
हर्ष समाया हियो के अंदर, लिखें कर्म आकाश से।
देखों हमारी शक्ति साधना, शत्रु हिय कांपे त्रास से।।
ऐसे विकास लिखवें गाथा, खुद अनुभव प्रयास से।
दुनियाँ हुई आश्चर्य में देखें, लागी भरी है उदास से।।
वंदेमातरम् गीत है ताकत, भरें शक्ति ये निरास से।
साहस की ये गौरव गाथा, संघर्षी ज्ञान प्रकाश से।।
सभ्यताएं विरासत झाँकी दिखवे थी इतिहास से।
उत्साहों में हर्षित थे चेहरे,अद्भुत हुए आभास से।।

वीरेन्द्र प्रसाद सोनी, अमरपाटन

दरकता दर्पण

मन दरकता दर्पण सा, टुकड़े हुए हजार,
अलग-अलग छवियाँ बनी, करिए दूर विकार।
दरके दर्पण में रहे, असली की पहचान,
मुख उजले कहते सदा, मन में छिपे वितान।
संवेदन मरते रहे, बढ़े खूब व्यापार,
दरकता दर्पण मौन हो, सुने समय पुकार।
दरके दर्पण चेतना, निश्छल बन इंसान,
जो जैसा वैसा दिखे, मन चाहे वीरान।
दरकता दर्पण देखके, नजर झुकाता कौन,
अपने ही प्रतिबिंब से, डर जाता है मौन।
रकता दर्पण पूछता, कहाँ गई पहचान,
लगा मुखौटा घूमते, कैसे हो कल्यान।

रश्मि शुक्ला, पूर्व संयुक्त संचालक रीवा

रिश्ते बस मतलब के हैं

अब तो मतलब के रिश्ते हमारे हुए
सिर्फ कहने को हम तो तुम्हारे हुए।
ख्वाब में दीद उनकी हमेशा हुई
रूबरू न हुए यूं जमाने हुए।
आज सैराब हूं हर खुशी पास है
फाक़ो के दिन बहुत है गुजारे हुए।
देख कर ये घटाएं भी शरमा गई
जब वो जुल्फों को निकले संवारे हुए।
ये गरीबों की बस्ती है साहिर यहां
लोग मिल जाएंगें गम के मारे हुए।

साहिर रिवानी रीवा

आँखी का देखैं

आँखी देखैं उअत ते अथवत सुरुज सरूप।
ललित ललामी का लखयँ, छिन-छिन बदलत रूप।
कर्रा कोमर बदरिहा, मेर-मेर के घाम।
जरत बरत चिचुआत अउ, छांह करत आराम।
आँखी देखां सांझ ते, छोपत घन अँधियार।
राति डेरामनि होति फे, फूटत पउ उजियार।
आँखी देखां दिया के, पउरुख अपरमपार।
बाती-घिउ के होम जिउ, स्वारथ छांड़ि करार।
धाबत देखां राति-दिन, नदी नार बिन काम।
बाउ बँड़ेबर बइहरा, बिना किहे आराम ।
एक आबत एक जात अउ, एक धाबत अँखिमुंद।
सँइति धरत उजरत बरत, घटत न बढ़त समुंद।
कउआ बकुलाबरन अउ, हंस लथापथ कीच।
सावन लकत लुआरि ते, जेठ जुड़ाबत सींच ।
अनसोहत -सोहत लखइ, लखइ कुमेल-सुमेल।
चाहे-अनचाहे लखइ, नट-जादू के खेल ।
कुनमुनाति कोइया लखइ, आँखी बरसत लोरि।
रीत-रीत आँखिनि बसी, उम्मीदन के डोरि ।
आँखी का-का लखति हयँ, कलमि न सकी गनाइ।
एक जनम के बाति का, जुग भर कम परि जाइ।
आँखी खोजइ राति-दिन, थकइ न कबउँ अघाइ।
सगुन सुदिन सावन सुफल, जानी कब होइ जाइ।
भरम-भरम भरमति रहइ, तरसति दिन अउ राति।
पूर लखति सावन भरति, बस दाया के बाति।

रमाकान्त द्विवेदी सावन सीधी

क्या लिखूँ

ज़िंदगी में क्या खोया है, क्या पाया है।
क्या लिखूँ, कुछ पाने के लिए क्या भुलाया है
क्या लिखूँ, रहे तो हम भी थे शानो-शौकत से,
पर वक्त ने भी ऐसे रुलाया है, क्या लिखूँ ।
लोग साथ नहीं देते, बुरा वक्त आने पर
सभी को आजमाया है, क्या लिखूं।
जिन पर था भरोसा साथ चलेंगे हरदम
उनसे ही दगा पाया है, क्या लिखूं।

प्रिन्सू अनिरूद्ध दुबे, रीवा

गांवों में नहर पार करने नहीं बनाए पुल

सफाई नहीं होने से माइनर नहर ले रहीं नाली का रूप

फाइल फोटो

चाकघाट, नि.प्र.। रीवा जिले के तराई आंचल में हरित क्रांति के तहत जिस प्रकार नहरों का विस्तार किया गया उन मुख्य नहरों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सिंचाई विस्तार हेतु शाखा नहर का भी निर्माण किया गया है किंतु उसमें नहर पार करने के लिए पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया है। जिससे किसानों को नहर के पार अपनी ही भूमि पर जाने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के नहरों के विस्तार से स्वाभाविक रूप से जमीन दो हिस्सों में बट गई। जिस किसी व्यक्ति की जमीन नहर के दोनों तरफ है वह अपने ही खेत के दूसरे हिस्से में सहज नहीं जा पा रहा है। संवाददाता को ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि कई कई किलोमीटर तक नहरों को पार करने के लिए कोई पुल नहीं बनाया गया है। नहर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से एवं मध्य प्रदेश शासन के सिंचाई विभाग नहर निर्माण से जुड़े अधिकारियों से ग्रामीणों ने आग्रह किया है कि वह नहरे के ऊपर किसानों को आने-जाने के लिए जगह-जगह पर पुल का निर्माण करायें। जिससे किसानों को आने-जाने में असुविधा न हो। साथ ही नहर के साइड में इस तरह से मजबूती और विस्तार प्रदान किया जाना चाहिए कि लोगों को अपने वाहन एवं पैदल आने जाने में असुविधा का सामना न करना पड़े। चाकघाट से लगे उत्तर प्रदेश की सीमा में जिस तरह नहर की पटरी व्यवस्थित और पक्की बनाई जाती है जिस पर किसान अपने ट्रैक्टर चार पहिया वाहन आसानी से ले जाते हैं कुछ इस तरह की अंचल के विशेष तौर पर पूर्वांचल क्षेत्र में व्यवस्था की जानी चाहिए। इतना ही नहीं, आरोप यह भी है कि इन शाखाओं (माइनरों) की कभी मरम्मत, और सफाई का कार्य नहीं होनें से जगह-जगह नहर टूटने, कटाव, मिट्टी, घास आदि की अधिकता के कारण शाखा का मूल स्वरूप समाप्त होकर नाली का रूप ले रही है, यह चिंता का विषय है । किसानों द्वारा यह भी बताया गया कि आवश्यकता पर कभी भी पानी नहीं छोड़ा जाता है, यह भी गंभीर समस्या है । इस नहर के हितग्राही किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिसे तत्काल निदान किया जाना चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर वरिष्ठजनों को किया सम्मानित

आंचलिक डेस्क। ग्राम पंचायत सलैया के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बालक सलैया के प्रांगण में 77वें गणतंत्र दिवस पर प्रधानाध्यापक राम निरंजन मिश्रा, शिक्षक स्टाफ एवं ग्रामीण जन की उपस्थिति में बच्चों के द्वारा राष्ट्रीय गीत एवं विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं पुरस्कार वितरण किया गया। साथ ही भूतपूर्व सैनिक लालमणि तिवारी एवं उपसरपंच संतोष कुमार तिवारी (भूतपूर्व सैनिक)ग्राम पंचायत सलैया के द्वारा 10 वयोवृद्ध मेवालाल तिवारी, बालबिहारी तिवारी, बालमुकुंद तिवारी, केशरी प्रसाद तिवारी, रामचरण द्विवेदी, गिरीश प्रसाद द्विवेद्वी, रामजी तिवारी, वैद्यनाथ पटेल, रामनरेश चौबे, पप्पू साकेत आदि को साल एवं श्री फल से सम्मानित किया गया। उपस्थित सदस्यों विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, मुन्नी लाल तिवारी, राजकुमार तिवारी, राकेश तिवारी एवं प्रीतम तिवारी एवं विद्यालय के शिक्षक रामदास प्रजापति ,विवेक चतुर्वेदी एवं प्रमोद त्रिपाठी, अरुणा तिवारी के द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया कि भविष्य में इस प्रकार से कार्यक्रम होते रहने से एक सकारात्मक संदेश समाज में जायेगा।

आयुष को न्याय दिलाने अतरैला बाजार में निकाला गया कैंडल मार्च

अतरैला, नि.प्र.। उत्तरप्रदेश के बरगड़ बजार में 22 जनवरी को मासूम बच्चे आयुष गुप्ता की अपहरण के साथ साथ की गई थी निर्मम हत्या के विरोध में अतरैला बाजार में आयुष को न्याय और इंसानियत के लिए अतरैला बाजार में शांति पूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया। जिसमें अतरैला नगरवासी व्यापारियो ने पूरे अतरैला बाजार में कैंडल मार्च निकालकर अपराधियों को फांसी देने की मांग की है, आपको बता दें कि 22 जनवरी को उत्तरप्रदेश के बरगड़ में एक मासूम बच्चे आयूष का अपहरण के बाद निर्मम हत्या से आस पास के क्षेत्र में दुख के साथ साथ आक्रोश भी व्याप्त है। वरिष्ठ भाजपा नेता सर्जेश पाण्डेय ने कहा कि आज मासूम की हत्या से हर कोई दुखित है निः शब्द है, हम लोग मासूम आयुष के लिए त्वरित न्याय की मांग करते हुए अपराधियों को फांसी की सजा की मांग कर रहे हैं। कैंडल मार्च मे गुलाब गुप्ता, राजमणि गुप्ता, अजीत गुप्ता, रावेन्द्र गुप्ता, अनिल गुप्ता, बीरेंद्र गुप्ता, शिवशंकर गुप्ता, अशोक मिश्रा, उमेश तिवारी, विदेशी गुप्ता सहित सैकड़ों लोगों ने कैंडल मार्च मे भाग लिया।

मऊगंज क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, बढ़ती नशाखोरी और अन्याय के विरुद्ध एकजुट हों : लक्ष्मण तिवारी

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना निवासी समाजसेवी इंद्रमणि द्विवेदी मुन्ना (झरी) ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि तपेश्वर धाम में पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी के कोर ग्रुप समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता इंद्रमणि द्विवेदी (मुन्ना) झरी पूर्व जनपद सदस्य, सरपंच एवं सोसाइटी अध्यक्ष ने की, जिसमें क्षेत्र के वर्तमान राजनैतिक हालात और बढ़ती समस्याओं पर गंभीर चर्चा की गई। भ्रष्टाचार और नशाखोरी पर प्रहार करते हुए पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी ने कहा कि मऊगंज क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, बढ़ती नशाखोरी और अन्याय के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इन बुराइयों के खिलाफ जनसभाएं या आंदोलन नहीं किए गए, तो आने वाले समय में जनता को भारी यातनाएं झेलनी पड़ेंगी। कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि लक्ष्मण तिवारी क्षेत्र के हित में जो भी राजनैतिक या सामाजिक फैसला लेंगे, पूरा संगठन एकजुट होकर उनका साथ देगा। फरवरी में 10 बड़े कार्यक्रम आयोजित करने समक्ष अपनी रणनीति साझा करते हुए श्री तिवारी ने बताया गया कि आगामी फरवरी माह में मऊगंज और हनुमना (विशेषकर 84 क्षेत्र) में 10 विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना एवं उनकी प्रशासनिक समस्याओं का निराकरण करना। एकता और समरसता के लिए जन सम्मान यात्रा निकाली जाएगी तथा समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द को मजबूत करने के लिए जल्द ही पूरे जिले और विधानसभा क्षेत्र में जन सम्मान यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा का मूल मंत्र सामाजिक समरसता और अखंडता होगा। यात्रा के माध्यम से सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और जनजाति सहित सभी समुदायों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास किया जाएगा। इसका उद्देश्य समाज में विखंडन पैदा करने वाली विचारधाराओं को समाप्त कर एक समावेशी और एकजुट मऊगंज की नींव रखना है।

इनकी रही उपस्थिति

बैठक में मनोज मिश्रा, विजयशंकर द्विवेदी, मुद्रिका प्रसाद गर्ग, रामदरश पटेल दुवगवां, मनोज चतुर्वेदी बारहटा, अनिरुद्ध द्विवेदी चाहला, श्यामलाल शुक्ला गौरी, बबलू द्विवेदी बरसों, विश्वनाथ कोरी दादर, श्यामलाल यादव दादर, कृष्णगोपाल तिवारी पैपखार, शिवप्रसाद साकेत अगरही, रुद्र प्रसाद तिवारी मझियार सहित निष्ठावान कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खारा-कुम्हरा की प्रधानमंत्री सड़क पर सिस्टम की धूल

2023 में टेंडर, 2026 में भी अधूरी जान जोखिम में डालकर सड़क पर चल रहे ग्रामीण

सेमरिया, नि.प्र.। सेमरिया मुख्यालय से लगें ग्राम पंचायत खारा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत रीवा-मानिकपुर मार्ग से कुम्हरा तक की 3.88 किलोमीटर लंबी सड़क आज भी निर्माण की आस लगा रही है। वर्ष 2023 में टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद तीन साल बीत जाने के बाद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं हो सका,जिससे खारा और कुम्हरा गांव के हजारों ग्रामीण गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। यह मार्ग खारा- कुम्हरा दोनों गांवों को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग है वर्तमान में सड़क की हालत अत्यंत खराब है गहरे गड्ढे, उखड़ी सतह और उड़ती धूल ने आवागमन को खतरनाक बना दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और मरीज सबसे अधिक प्रभावित हैं। कई बार आपात स्थिति में एम्बुलेंस समय पर गांव तक नहीं पहुंच पाती जिससे जान का जोखिम बढ़ जाता है ।बरसात के मौसम में हालात और विकराल हो जाते हैं। सड़क पर जलभराव और कीचड़ के कारण आवागमन लगभग ठप हो जाता है, इससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और रोज़मर्रा की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होती हैं। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि सड़क की बदहाली के चलते व्यापार और मजदूरी भी प्रभावित हो रही है जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि टेंडर मिलने के बाद भी ठेकेदार द्वारा कार्य शुरू नहीं किया गया जबकि संबंधित विभागीय अधिकारी अब तक प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस पहल न होना प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य को तत्काल प्राथमिकता दी जाए। ठेकेदार को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए जाएं और निर्माण की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए साथ ही, गुणवत्ता से समझौता न करते हुए मानकों के अनुरूप सड़क निर्माण कराया जाए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का मुख्य उद्देश्य होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों को सुरक्षित और टिकाऊ संपर्क मार्ग उपलब्ध कराना लेकिन खारा-कुम्हरा सड़क का वर्षों से लंबित रहना योजना की भावना पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब देखना यह है कि प्रशासन कब इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेकर निर्माण कार्य शुरू कराता है ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

शकुंतला नीरत की बहाली के लिये अजाक्स ने सौंपा ज्ञापन

मऊगंज ब्यूरो। शकुन्तला नीरत उच्च श्रेणी शिक्षक शास. कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय मऊगंज सह वार्डन छात्रावास मऊगंज को कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज को आदेश क्रमांक /333/स्थापना/2026, मऊगंज 22 जनवरी 2026 के आदेशानुसार निलंबित कर दिया गया है। जिसके निरस्तगी एवं बहाली हेतु अजाक्स संघ के जिलाध्यक्ष मऊगंज अर्जुन रावत की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों ने कलेक्टर मऊगंज को ज्ञापन पत्र सौंपकर महिला शिक्षक की बहाली कार्यवही की मांग की है। साथ ही कहा गया कि, निलम्बन आदेश निरस्त न होने पर एक सप्ताह के बाद संघ/संगठनों/शिक्षकों/सामाजिक संगठनों द्वारा व्यापक जनान्दोलन किया जावेगा, जिसके लिए जिम्मेदार जिला प्रशासन होगा।

धान से लोड ट्रकों को किसानों ने रोका

कांग्रेस नेता कमांडो अरुण गौतम के नेतृत्व में प्रदर्शन

त्योंथर ब्यूरो। जिले के त्योंथर तहसील क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब खरीदी केंद्र से परिवहन के लिए निकले धान लोड पांच ट्रकों को कांग्रेस नेता कमांडो अरुण गौतम के नेतृत्व में एवं किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, एडवोकेट हाईकोर्ट प्रयागराज के. के. मिश्रा की अध्यक्षता में किसान संगठनों एवं किसानों ने खरीदी केंद्र परिसर में ही ट्रैक्टर अड़ाकर रोक दिया। यह मामला धान खरीदी केंद्र परसिया क्रमांक-01 से जुड़ा है, जहां समिति द्वारा करीब 40 किसानों के लगभग 4000 क्विंटल धान की तौल तो कर ली गई, लेकिन अब तक फीडिंग नहीं हो पाई। किसानों का धान बारदानों में सील-पैक होकर खरीदी केंद्र परिसर में रखा हुआ है। किसानों का आरोप है कि वे पिछले एक माह से धान की फीडिंग और भुगतान को लेकर खरीदी केंद्र व अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। ज्ञापन और धरना-प्रदर्शन के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिले हैं, ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हो पाई। इससे किसानों को भुगतान में देरी सहित कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ट्रकों को रोके जाने की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। मौके पर जिला फूड कंट्रोलर कमलेश टांडेकर, जनरल मैनेजर ज्ञानेंद्र पांडे, डीआरसीएस लेखराम द्विवेदी, एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम पी.एस. त्रिपाठी, तहसीलदार, थाना प्रभारी एवं भारी पुलिस बल पहुंचा। करीब तीन से चार घंटे तक चली बातचीत में किसानों की समस्याएं सुनी गईं, लेकिन मौके पर मौजूद अधिकारियों के पास किसानों के सवालों का कोई ठोस जवाब नजर नहीं आया। अधिकारी आपस में ही जिम्मेदारी तय करते दिखाई दिए। बताया गया कि भोपाल स्तर पर पोर्टल को लेकर चर्चा चल रही है, और पोर्टल खुलने के बाद ही धान की फीडिंग संभव हो पाएगी। अंततः प्रशासन द्वारा किसानों को पुनः आश्वासन दिया गया कि खरीदी केंद्र परिसर में रखी किसानों की धान को प्रशासन अपने सुपुर्द में ले रहा है तथा पोर्टल खुलते ही फीडिंग की जाएगी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की अर्धवर्षिकी आयु पूर्ण होने पर भावपूर्ण विदाई

सिरमौर, नि.प्र.। महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना कार्यालय सिरमौर में शहरी क्षेत्र नगर परिषद सिरमौर के वार्ड क्रमांक 15 की आगनवाड़ी कार्यकर्ता की अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर विभाग द्वारा माध्यमिक सदहना विद्यालय में प्रभारी परियोजना अधिकारी स्निग्धा सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित विदाई समारोह में भाव पूर्ण विदाई दी गई। आगनवाड़ी कार्यकर्ता संगीता शुक्ला के द्वारा 18 वर्ष की सेवा देने के वाद 62 वर्ष की आयु पर 31 जनवरी को आयोजित विदाई कार्यक्रम में सभी अतिथियों एवं परिजनों के द्वारा पुष्प गुच्छ, बुके एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्रभारी परियोजना अधिकारी सिरमौर स्निग्धा सिंह ने कहा की कर्मचारी कभी भी दायित्वों से विमुख नहीं होता। कर्मचारी जब तक नौकरी में रहता है तब तक विभाग द्वारा मिली जबाबदारी का ईमानदारी से विषम परिस्थितियों में भी निर्वहन करता है। सिविल अस्पताल सिरमौर के पूर्व बीएमओ डॉ प्रशांत शुक्ला, पूर्व पार्षद राजकुमार शुक्ला, एड संध्या शुक्ला, सीएसी डॉ गोविंद शुक्ला ने अपने अंदाज में विचार व्यक्त किए। सेवा निवृत्त आगनवाड़ी कार्यकर्ता संगीता शुक्ला ने अपने अनुभव को सांझा किया एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नीलू विश्वकर्मा आगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिक्षक अलौकिक पांडेय, राम प्रसाद प्रजापति, किरण पांडेय, नीलू विश्वकर्मा, नीलम सिंह, आरती पांडेय, आगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, सुपरवाइजर सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे।

फार्मेसी के विद्यार्थियों ने सीखा औषधि निर्माण प्रक्रिया

त्योंथर ब्यूरो। सोहागी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में औषधि निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कॉलेज के विंध्य सभागार में चेयरमैन डॉ. रघुराज सिंह द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पअर्चन करके कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। डॉ सिंह ने कार्यक्रम के आयोजन एवं प्रायोगिक ज्ञान के प्रयोग की उपयोगिता बताते हुए अपनी शुभकामना दी। फार्मेसी के प्रवक्ता राज अर्पित मसीह, राहुल वर्मा एवं भवनी कांत सिंह द्वारा प्रयोगशाला में टैबलेट निर्माण कि रासायनिक विधि का ज्ञान व अभ्यास कराया गया। फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य विनोद कुमार पटेल व कॉलेज के प्राचार्य डॉ. श्रीलाल ने कार्यशाला का अवलोकन किए।

गोविन्दगढ़ में विशाल हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

गोविन्दगढ़ ब्यूरो । गोविंदगढ़ में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन शनिवार को किया गया जिसमें मुख्य रूप से संयोजक केशव प्रसाद सोंधिया सह संयोजक संतोष गुप्ता मातृशक्ति से सहसंयोजक देववती सिंह के कुशल नेतृत्व पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंचासीन रहे। कथावाचक दीप नारायण शास्त्री मातृशक्ति मनोरमा विश्व हिंदू परिषद मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान हरि नारायण का उद्बोधन मिला। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक मातृशक्ति की विशाल भीड सम्मिलित हुई कार्यक्रम में नगर पंचायत के अध्यक्ष अभिषेक सिंह, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि सौरभ सिंह, पार्षद ज्ञानेंद्र सिंह, विजय गुप्ता एवं सभी कार्यकर्ता जिसमें नीतिश गुप्ता, देव कुमार पांडे, शत्रुघ्न पाल एडवोकेट कृष्णपाल राजीव गुप्ता, विनोद पहेलियां सुनील वर्मा, संजय गुप्ता मोहन जगदीश गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, पप्पू द्वारिका राजेंद्र गुप्ता फोटोग्राफर चंद्रिका सोनी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

मऊगंज की घटनाओं को लेकर संभागायुक्त को सौंपा ज्ञापन

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज जिले में बीते कुछ समय के अंतराल में हुये घटनाक्रमों को लेकर संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें मांग उठाई गई है कि समस्याओं का समाधान किया जाए। देश बचाओ आध्यात्मिक राष्ट्रीय पुनर्जागरण अभियान की ओर से सौंपे गये। ज्ञापन में कहा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली शिक्षिका शकुंतला नीरत को मनमानी रूप से निलंबित किया गया है। रिश्वत लेने वाले पंकज श्रीवास्तव जैसे कर्मचारियों के वीडियो वायरल होने के बाद भी कार्यवाही नहीं हुई। जिलहड़ी पंचायत में कार्यवाही के बाद अधिकारी ने कलेक्टर पर आरोप लगाए। इसके अलावा कई मामले ऐसे आये जिसमें वरिष्ठ अधिकारी सीधे जिम्मेदार माने गये फिर भी कार्यवाही नहीं हुई।

संस्कार विद्यालय में आयोजित हुई तनाव प्रबंधन और कैरियर गाइडेंस पर कार्यशाला

सिरमौर एसडीएम दृष्टि जायसवाल एवं तहसीलदार सेमरिया अर्जुन बेलवंशी की रही उपस्थिति

सेमरिया, नि.प्र.। संस्कार शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी विद्यालय सेमरिया में तनाव प्रबंधन और करियर गाइडेंस पर कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमे मानसिक तनाव को कैसे संभाले इस विषय पर चर्चा की गई, छात्रों को बोर्ड परीक्षा में सफलता के मूल मंत्र से अवगत कराया गया, छात्र-छात्राओं को लक्ष्य बनाकर अपनी विशेष तकनीक से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। प्रक्रिया पर ध्यान दें परिणाम पर नहीं और डर को आत्मविश्वास में बदल कर गलतियों से सीखने के लिए प्रेरित किया गया। एसडीएम ने बताया कि बच्चों आप स्वयं के तरीके से बिना तनाव के तैयारी करे, साथ ही उन्होंने अपने पढ़ाई के समय के अनुभवों को साझा कर छात्रों का मार्ग दर्शन किया। तहसीलदार ने मुख्य रूप से छात्रों को स्व अवलोकन का महत्व बताया और स्वयं पर विश्वास रख कर तैयारी के लिए प्रेरित किया उन्होने कहा बस पास शिक्षकों की पढ़ाई और सिखाई बातों को ध्यान रखे नंबर आ ही जायेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक प्रिंस तिवारी, चेयरमैन प्रदीप केशरवानी भी उपस्थित रहे। अंत में प्राचार्य कुलदीप पांडेय ने एसडीएम और तहसीलदार का आभार व्यक्त किया।

सूर्या-ईशान के तूफान में उड़े कीवीज, शानदार फार्म के साथ वर्ल्डकप में उतरेगी टीम इंडिया

ईशान ने ठोका भारत का पांचवा सबसे तेज शतक, सीरीज पर 4-1 से कब्जा

तिरूवनंतपुरम, जेएनएन। ईशान किशन के पहले टी20 शतक ने स्थानीय सितारे संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली। भारत के लिये ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाये जिसमें छह चौके और दस छक्के शामिल थे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई । भारत के लिये तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिये और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर चार विकेट चटकाये। न्यूजीलैंड के लिये फिन एलेन ने 38 गेंद में 80 रन बनाये लेकिन लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। एलेन ने अर्शदीप को पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद अर्शदीप के दूसरे ओवर में चार चौके और एक छक्के समेत 23 रन निकाले। वह बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए, जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट लिये।

ईशान किशन के टी20 में एक हजार रन पूरे

ईशान ने भी टी20 क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिये। उन्होंने सोढी को 12वें ओवर में चार चौके और दो छक्के लगाकर 29 रन दिये। इस बीच सूर्यकुमार को बायें हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर की गेंद पर टिम सीफर्ट ने स्टम्प आउट किया। ईशान ने 42 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और सेंटनेर को छक्का लगाकर इस आंकड़े को छुआ। उन्होंने दूसरा अर्धशतक सिर्फ 14 गेंद में पूरा कर डाला। डफी की गेंद पर हालांकि वह स्क्वेयर लेग में ग्लेन फिलिप्स को कैच देकर लौटे। पंड्या ने आखिरी ओवरों में 17 गेंद में 42 रन बनाकर भारत को उसके टी20 इतिहास में चौथी बार 250 रन के पार पहुंचाया।

लगातार नाकाम रहे संजू: इससे पहले इस श्रृंखला में लगातार पांचवीं बार नाकाम रहे सैमसन (छह) की टी20 विश्व कप की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। वह लॉकी फर्ग्युसन की गेंद पर आउट हुए। अभिषेक शर्मा (16 गेंद में 30 रन) ने शुरुआत तो अच्छी की लेकिन फर्ग्युसन की तेज रफ्तार गेंद पर विकेट गंवा बैठे । भारत का स्कोर पावरप्ले के बाद दो विकेट पर 54 रन था। इसके बाद सूर्यकुमार और ईशान ने मोर्चा संभाला।

आस्ट्रेलिया ओपन की नई चैंपियन एलिना रायबकिना

मेलबर्न, जेएनएन। कजाकिस्तान की रिबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। शनिवार (31 जनवरी) को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल में पांचवीं वरीयता हासिल रिबाकिना ने वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। रिबाकिना को खिताबी मुकाबला जीतने में 2 घंटा और 18 मिनट लगे। खिताबी मुकाबले में एलेना रिबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला सेट जीत लिया था। फिर सबालेंका ने वापसी की और दूसरा सेट जीत स्कोर 1-1 किया। आखिरी सेट में एक समय सबालेंका 3-0 से आगे थीं, लेकिन फिर उनका मोमेंटम टूटता चला गया और रिबाकिना ने सेट के साथ-साथ मैच पर कब्जा जमाया। रिबाकिना पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन बनी हैं। इससे पहले रिबाकिना ने 2023 में यहां पर फाइनल में जगह बनाई थी। तब उन्हें सबालेंका ने ही हरा दिया था। बता दें कि रिबाकिना ने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब 2022 में जीता था। तब वो विम्बलडन चैम्पियनशिप में महिला सिंगल्स चैम्पियन बनी थीं। अब रिबाकिना दूसरी बार ग्रैंड स्लैम जीतने में कामयाब रहीं। उधर आर्यना सबालेंका के पास तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने का मौका था, लेकिन वो इस बार कामयाब नहीं हो पाईं।

एलेना रायबाकिना को मिले 25 करोड़ रुपए

पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर इतिहास रचने वाली एलेना रायबाकिना को इनाम के तौर पर करीब 25 करोड़ रुपये मिले। अगर 2024 में हुए टी20 वर्ल्ड कप से तुलना करें तो ये रकम काफी ज्यादा है। टी20 वर्ल्ड चैंपियन भारत को प्राइज मनी के तौर पर 20.37 करोड़ रुपये मिले थे।

सबालेंका को 13 करोड़

ऑस्ट्रेलियन ओपन में लगातार दूसरी बार फाइनल में हारने वाली विश्व नंबर 1 एरीना सबलेंका को इनाम के तौर पर लगभग 13 करोड़ रुपये मिले हैं। हार के बाद सबलेंका कहा जब आप 3-0 से आगे चल रहे हों और उसके बाद हारना दुखद है। उसने शानदार खेल दिखाया।

6-4, 4-6, 6-4 से सबालेंका को हराया

फाइनल में भिड़ेंगे जोकोविच और अल्कारेज

मेलबर्न, जेएनएन। थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरेट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रॉड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ। ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्कारेज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया। स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्कारेज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद जोकोविच ने कोर्ट को धन्यवाद दिया कि वह सिनर के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला खत्म करने और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार सेमीफाइनल हार का सिलसिला तोड़ने के दौरान उनके साथ थीं। जोकोविच ने कहा, कुछ दिग्गज सुबह दो बजे तक जागते रहे। उन्होंने कहा, यहां आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

खेल एक नजर

मिलर को टी20 विश्व कप खेलने के लिए मंजूरी मिली

जोहानिसबर्ग, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज डेविड मिलर को अगले सप्ताह शुरू हो रहा टी20 विश्व कप खेलने के लिये मेडिकल मंजूरी मिल गई। मिलर को एसए 20 के दौरान मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि वह रविवार को दक्षिण अफ्रीका टीम के साथ मुंबई रवाना होंगे। सीएसए ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ,'' दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर को भारत और श्रीलंका में आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप 2026 खेलने के लिये मेडिकल मंजूरी मिल गई है। इसमें कहा गया। एसए 20 में पार्ल रॉयल्स के लिये खेलते हुए मिलर की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था लेकिन इस सप्ताह उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है । वह रविवार को टीम के साथ जोहानिसबर्ग से मुंबई रवाना होंगे।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम से पेट कमिंस बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहे टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी फाइनल स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही ऑस्ट्रेलिया को तगड़ा झटका पैट कमिंस के रूप में लगा है। कमिंस बैक इंजरी की वजह से टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। पैट कमिंस समेत ऑस्ट्रेलिया ने अपने 15 खिलाड़ियों के फाइनल स्क्वॉड में कुल 2 बदलाव किए हैं। टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बेन द्वार्शियस ने ली है। बिग बैश में धमाल मचाने वाले स्टीव स्मिथ को स्क्वॉड में नहीं चुना गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन द्वार्शियस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ ऑस्ट्रेलिया की 15 खिलाड़ियों की टीम में शामिल हुए हैं और सेलेक्टर टोनी डोडमाइड का मानना है कि यह जोड़ी 7 फरवरी को भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। जोश हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस सभी वर्ल्ड कप के लिए फिट घोषित कर दिए गए हैं। हेजलवुड एशेज से पहले हैमस्ट्रिंग और अकिलीज में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं। डेविड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बीबीएल के ज्यादातर मैच और पाकिस्तान सीरीज नहीं खेल पाए थे, जबकि एलिस हैमस्ट्रिंग में हल्की चोट के कारण बीबीएल फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर रहे थे बेन डोडेमाइड ने कहा, पैट को अपनी पीठ की चोट से उबरने के लिए ज्यादा समय चाहिए, इसलिए बेन एक अच्छा रिप्लेसमेंट हैं जो लेफ्ट-आर्म पेस बॉलिंग के साथ-साथ शानदार फील्डिंग और निचले क्रम में अच्छी बैटिंग भी कर सकते हैं। हमें विश्वास है कि अच्छी गति से गेंद को स्विंग कराने की उनकी क्षमता और चतुर वेरिएशन उन परिस्थितियों के लिए बहुत उपयुक्त होंगे जिनकी हम उम्मीद करते हैं और टीम के ओवरऑल स्ट्रक्चर के लिए भी।

पाक के खिलाफ एशिया कप फाइनल की हार का बदला लेने उतरेगा भारत

बुलावायो, जेएनएन। पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को यहां आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पाकिस्तान के साथ अपनी 'हाथ नहीं मिलाने की नीति' भी जारी रख सकता है। भारतीय अंडर-19 टीम ने अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के साथ मैच के बाद हाथ मिलाने से परहेज किया। उस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण मैच के दौरान भी भारत ने ऐसा ही किया था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी। किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसलाअफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा, मौजूदा अंडर-19 विश्व कप में खेल रही भारत की अंडर-19 टीम ने विश्व क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के साथ वर्चुअल बातचीत की।

अंडर-19 विश्व कप

भारत- आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडु, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

पाकिस्तान- फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलूच, हमजा जहूर, हुजैफा अहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिन्हास, अहमद हुसैन, अब्दुल सुभान, अली रजा, दानियाल अली खान, मोहम्मद सैयाम, मोमिन कमर, नकाब शफीक, उमर जैब।

डब्ल्यूपीएल: यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में दिल्ली कैपिटल्स

वडोदरा, जेएनएन। कुछ शीर्ष बल्लेबाजों की खराब फॉर्म की समस्या से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां वुमेंस प्रीमियर लीग मैच के आखिरी लीग मैच में यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में होगी। दिल्ली की जीत उन्हें सीधे गुजरात जाइंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर में जगह दिला देगी। टीम ऐसी स्थिति में आठ अंक के साथ लीग में तीसरे स्थान पर रहेगी और गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर निचले पायदान पर मौजूद यूपी वारियर्स की जीत मुंबई की टीम के लिए रास्ता खोल सकती है। उस स्थिति में तीन टीम मुंबई, दिल्ली कैपिटल्स और वारियर्स तीनों के समान छह अंक रहेंगे और नेट रन रेट (एनआरआर) तय करेगा कि फाइनल में जगह बनाने के लिए एलिमिनेटर में गुजरात जाइंट्स का सामना कौन सी टीम करेगी। इन तीन टीम में से माइनस 1.146 के साथ वारियर्स का नेट रन रेट सबसे खराब है। दिल्ली का माइनस 0.164 जबकि मुंबई का प्लस 0.059 है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम आठ मैच में छह जीत के साथ पांच टीम की तालिका में शीर्ष पर रहते हुए पहले ही सीधे फाइनल में जगह बना चुकी है। दिल्ली की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों ने मौजूदा सत्र में अधिक रन नहीं बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली सात मैच में 230 रन के साथ टीम की सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनकी हमवतन स्टार लॉरा वोल्वार्ट ने सात मैच में 194 रन बनाए हैं जो उम्मीद से कम है। शेफाली वर्मा सात मैच में 179 रन ही बना पाई हैं। दिल्ली को इस अहम मैच में इस भारतीय सलामी बल्लेबाज से बड़े योगदान की उम्मीद होगी।

टी20 वर्ल्ड कप

बुमराह बनेंगे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: चहल

नई दिल्ली, जेएनएन। टी20 वर्ल्ड कप 2026 को शुरू होने में कुछ ही दिन का समय रह गया है। ऐसे में क्रिकेट एक्सपर्ट्स टूर्नामेंट को लेकर बड़ी-बड़ी भविष्यवाणियां कर रहे हैं। इस कड़ी में टीम इंडिया के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बेस्ट बैटर, बेस्ट बॉलर, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाला खिलाड़ी और टूर्नामेंट के हाईएस्ट स्कोर को लेकर कई भविष्यवाणी की है। बता दें, चहल ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए ना तो अभिषेक शर्मा का नाम लिया है और ना ही सूर्यकुमार यादव का। टी20 वर्ल्ड कप को लेकर युजवेंद्र चहल की बड़ी भविष्यवाणियां- टॉप बैटर ऑफ द टूर्नामेंट- अभिषेक शर्मा, टॉप बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट- जसप्रीत बुमराह, कौन सबसे ज्यादा छक्के मारेगा- अभिषेक शर्मा, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट- जसप्रीत बुमराह।

इंग्लैंड ने पहले मुकाबले में श्रीलंका को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

नई दिल्ली, जेएनएन। इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी-20 मुकाबले में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 11 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण मुकाबला तय समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके चलते ओवरों में कटौती कर इसे 17-17 ओवर का मैच कर दिया गया। शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 15 ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने फिर से खलल डाल दिया और आगे का खेल संभव नहीं हो सका। डकवर्थ-लुईस नियम के अनुसार इंग्लैंड उस समय टारगेट से आगे था, जिसके चलते मुकाबला इंग्लैंड के नाम रहा। गेंदबाजी में सैम करन और आदिल रशीद ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें करन ने हैट्रिक ली। इंग्लैंड के लिए ओपनर फिलिप सॉल्ट ने 35 गेंदों में 46 रन, वहीं टॉम बैंटन ने 15 गेंदों में 29 रन की पारी खेली। श्रीलंका के लिए ईशान मलिंगा ने 2 विकेट, महीश तीक्षणा और कप्तान दसुन शनाका ने 1-1 विकेट लिया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 1 फरवरी को पल्लेकेले में ही खेला जाएगा।

सैम करन की हैट्रिक

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद श्रीलंका की टीम 16.2 ओवरों में 133 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस ने 37 जबकि पाथुम निसांका ने 23 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें आदिल रशीद और सैम करन ने तीन-तीन विकेट चटकाए। सैम करन ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर दासुन शनाका, महीश तीक्षणा और माथीश पथिराना को आउट करते हुए हैट्रिक पूरी की।

सिटी स्पोर्ट्स

वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट में भावनगर यूनिवर्सिटी 45 रन से हारी

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), भोपाल की पुरुष क्रिकेट टीम ने वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने दूसरे नॉकआउट मुकाबले में महाराजा कृष्ण कुमार सिंह जी भावनगर यूनिवर्सिटी, गुजरात को 45 रनों से पराजित किया। मैच में आरएनटीयू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। विश्वविद्यालय की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 204 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आरएनटीयू की ओर से विकेटकीपर गीतांश राठौर ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 5 छक्कों और 2 चौकों की मदद से शानदार 63 रन बनाए। वहीं मोहम्मद तासीन आजाद ने 21 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 40 रन बनाए। इसके अतिरिक्त संजय मानिक ने 23 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्के, कुणाल भरूरे ने 16 गेंद में 3 चौके और 1 छक्का लगाते हुये 24 रन, मयंक पंचाल ने 18 गेंद में 1 चौके और 2 छक्के लगाते हुए नाबाद 26 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महाराजा कृष्ण कुमार सिंह जी भावनगर यूनिवर्सिटी की टीम को आरएनटीयू के गेंदबाजों ने 20 ओवर में 8 विकेट लेकर 159 रनों समेट दिया।

खेलो एमपी यूथ गेम्स का समापन, इंदौर ओवरऑल चैंपियन, भोपाल उपविजेता और जबलपुर तृतीय स्थान पर

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 का भव्य समापन समारोह शनिवार शाम कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में संपन्न हुआ। समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल पटेल ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीते दिनों प्रदेश के विभिन्न खेल मैदानों पर बना खेल वातावरण यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश तेजी से खेलों का केंद्र बन रहा है। इस अवसर पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि खेलो एमपी यूथ गेम्स ने प्रदेश के युवाओं को प्रतिभा प्रदर्शन का ऐतिहासिक मंच दिया है।

खेलों के क्षेत्र में मध्यप्रदेश बनेगा नंबर एक: मंत्री सारंग

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों के क्षेत्र में निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। खेल अकादमियों का सशक्त संचालन, रेजिडेंशियल एकेडमी मॉडल और योग्य प्रशिक्षकों की उपलब्धता से खिलाड़ियों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश खेलों के मामले में देश में नंबर-1 बने। आने वाले समय में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक खेल अधोसंरचना विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

मैदान चरित्र निर्माण की कार्यशाला : राज्यपाल

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि खेल का मैदान केवल हार-जीत का स्थान नहीं होता, बल्कि यह चरित्र निर्माण की कार्यशाला होता है। खेल से अनुशासन, धैर्य, संघर्ष और आत्मविश्वास विकसित होता है। जीत का संकल्प और हार के बाद फिर से खड़े होने की क्षमता खेल ही सिखाता है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि खेलो एमपी यूथ गेम्स के माध्यम से गांव-गलियों में छिपी प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें मंच देना एक सराहनीय पहल है।

अमनदीप की स्वर्णिम ड्रैग-फ्लिक्स ने उभरते हॉकी सपने को नई रोशनी दी

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। साई एनसीओई भोपाल के उभरते हुए हॉकी खिलाड़ी अमनदीप लकरा ने हाल ही में संपन्न हॉकी इंडिया लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय हॉकी में एक उल्लेखनीय अध्याय जोड़ा है। हैदराबाद तूफान का प्रतिनिधित्व करते हुए अमनदीप लकरा ने 9 गोल दागकर अपनी टीम को कांस्य पदक दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया। ओडिशा के सुंदरगढ़ में जन्मे अमनदीप लकरा हॉकी से गहराई से जुड़े परिवार से आते हैं। उनका सफर समर्पण, अनुशासन और त्याग से प्रेरित रहा है। उनके पिता श्री विजय के. लकरा, स्वयं एक हॉकी कोच हैं, जो खिलाड़ी के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना पूरा नहीं कर सके। इसी अधूरे सपने को साकार करने के संकल्प के साथ अमनदीप ने भारत के लिए खेलने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अमनदीप लकरा ने वर्ष 2013 में हॉकी खेलना शुरू किया और उन्हें पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं पद्म श्री सम्मानित दिलीप तिर्की से प्रेरणा मिली। तभी से वह निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने खेल को निखार रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय जूनियर स्तर पर भी अमनदीप लकरा ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है।

बीएलबीसी बैठकों की तिथियां निर्धारित

रीवा। विकासखण्ड स्तर पर आयोजित होने वाली बीएलबीसी बैठकों की तिथियाँ निर्धारित कर दी गयी हैं। अग्रणी जिला प्रबंधक जगमोहन ने बताया कि रायपुर कर्चुलियान में 2 फरवरी को, सिरमौर में 3 फरवरी को, जवा में 4 फरवरी को, गंगेव में 9 फरवरी को, रीवा में 10 फरवरी को तथा त्योंथर में 11 फरवरी को बीएलबीसी बैठक होंगी।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पर पद्मधर पार्क में कार्यक्रम आज

रीवा। जय गुरु रविदास समाज युवा संघ के तत्वाधान में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का 649वां प्रकाश पर्व 1 फरवरी को सुबह 11.00 से पद्मधर पार्क रीवा में बड़े श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विविध सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जंगली सुअर के हमले से तीन घायल

11 वर्षीय किशोरी की हालत गंभीर, एसजीएमएच में चल रहा उपचार

जागरण, रीवा

मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 8 बजे जंगली सुअर के हमले से गांव में हड़कंप मच गया। घर के सामने खेल रही 11 वर्षीय किशोरी पर सुअर ने अचानक हमला कर दिया। बच्ची को बचाने दौड़े परिजन भी उसकी चपेट में आ गए। इस घटना में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। जिनमें किशोरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर किया गया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। घटना नईगढ़ी थाना क्षेत्र के बंधवा कोठार गांव की है। बताया गया है कि अपने ननिहाल आई सोनम पटेल 11 वर्ष शनिवार सुबह घर के सामने खेल रही थी। इसी दौरान जंगल से भटककर आए जंगली सुअर ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और शोर मचाते हुए सूअर से उसे बचाने का प्रयास किया। इस दौरान अशोक पटेल 40 वर्ष और रंजीत पटेल 23 वर्ष भी सुअर के हमले में घायल हो गए। घटना के बाद तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी लाया गया। प्राथमिक जांच में सोनम पटेल की हालत गंभीर पाई गई, जिसके चलते चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया।

चोरी करने घुसे आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए की थी हत्या

नौ महीने पहले हुई अंधी हत्या का जवा पुलिस ने किया खुलासा

जागरण, रीवा। जिले के जवा थाना अंतर्गत नेदुरा गांव में नौ माह पूर्व हुई वृद्ध की अंधी हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। यह हत्या चोरी करने घर में घुसे लोगों द्वारा वृद्ध के जाग जाने के कारण अपनी पहचान छिपाने के लिए कुल्हाड़ी मारकर की गई थी। इस मामले में दो नाबालिग बालकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना की जानकारी देते हुए एसडीओपी नारायण सिंह कुम्हरे ने बताया कि मुख्य आरोपी दिलकुश कोल को सिविल न्यायालय के आदेश से जेल भेजा गया जबकि दोनो नाबालिग बालकों को बाल न्यायालय के आदेश से बाला कारागार में भेजा गया है। थाना प्रभारी कमलेश कुमार साहू ने घटना के बारें में बताया कि 70 वर्षीय वृद्ध रामखेलावन कोल पिता बहोरी कोल निवासी नेदुरा थाना जवा की हत्या 27-28 मई 2025 की दरम्यानी रात में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के नाती सुरेश कुमार कोल पिता शोभनाथ कोल द्वारा 28 मई 2025 को की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अप.क्र. 151/25 धारा 103 (1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मृतक के कोई पुत्री नहीं थे, केवल चार बेटिया थी। मृतक ने अपनी बड़ी बेटी को ग्राम नेदुरा में ही अपने घर के पास जमीन दिया था जो अपने परिवार के साथ घर बनाकर रहती थी। 70 वर्षीय वृद्ध की हत्या क्यों हुई थी इस पर पुलिस द्वारा हत्या के अपराध घटित होने के संभावित सभी बिन्दुओं पर विवेचना की गई परन्तु हत्या की गुत्थी नहीं सुलझ पायी थी कि 70 वर्षीय वृद्ध की हत्या क्यों हुई है। हत्या के दिन मृतक के कमरे में कुछ कागजात भी बिखरे पड़े थे और मृतक के परिजन भी गर्मी का दिन होने के कारण पास के बने मकान के छत में एवं बगल के आंगन में सोये थे। उनको इस घटना के बारे में थोड़ी सी भी भनक नहीं लगी थी। सघन विवेचना के दौरान मृतक के घर के आस पास के कुछ आवारा लड़कों के मोबाइल चेक किया गया। उसी दौरान मृतक के घर के पास एक लड़का दिलकुश कोल पिता नचके कोल उम्र 19 वर्ष निवासी नेदुरा के मोबाइल से कुछ संदेहास्पद होने के सबूत मिले। उसे अभिरक्षा में लेकर कड़ी पूछताछ की गई तो उनसे बताया कि घटना के 03-04 दिन पहले मृतक रामखेलावन कोल के साथ त्योंथर (पचामा) बैंक में पैसा रामखेलावन का निकलवाया था और उसने पैसा रखते देख लिया था। घटना के दिन 27 मई की रात करीबन 10.00 बजे अपने अन्य दो साथियो के साथ चोरी की योजान बनायी और रात के करीबन 01.00 बजे रामखेलावन के घर में जाकर उसके कमरे में लगा ताला तोड़ने लगा। दिलकुश ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए अपने साथ दो नाबालिग बालकों को साथ में लिया। एक नाबालिग बालक को चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए अपने पास मे रखा था एवं दूसरे नाबालिग बालक को घर के बाहर की सड़क में किसी भी व्यक्ति को आने जाने की निगरानी के लिए लगा रखा था। दिलकुश और उसके एक साथी जो कुल्हाड़ी लिये थे ताला तोड़ने लगे। ताला तोड़ने के दरवाजे की आवाज से वृद्ध जाग गया और आवाज लगाने लगा। तभी दिलकुश और उसके एक साथी ने कुल्हाड़ी से गला काटकर वृद्ध की हत्या कर दी और उसके संदूक में रखे 8000/- रुपये व उसके पत्नी के दस्तावेज उठा ले गये। हत्या के आरोपी दिलकुश कोल को गिरफ्तार कर दोनों नाबालिग बालकों को अभिरक्षा में लिया गया।

एसएस मेडिकल कॉलेज के रेसीडेंट डॉ. हरिबाबू मीणा को 4 वर्ष की सजा

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए थे डॉ मीणा, 10 साल बाद फैसला

जागरण, रीवा। एसएस मेडिकल कॉलेज में पदस्थ रहे तत्कालीन रेसीडेंट डॉक्टर हरिबाबू मीणा को रिश्वत के एक प्रकरण में विशेष अदालत रीवा द्वारा चार साल की बमसक्कत सजा व जुर्माने से दंडित किया गया है। 10 साल पूर्व डॉ मीणा को लोकायुक्त पुलिस रीवा ने दो हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। लिहाजा सुनवाई के उपरांत कोर्ट ने 4 साल की सजा व 7 हजार जुर्माने से दंडित किया है। जिला अभियोजन संचालनालय रीवा के सहायक निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतकर्ता रामसिया तिवारी के द्वारा 04 जुलाई 2015 को आरोपी डॉ. हरिबाबू मीणा, रेसीडेंट डॉक्टर के विरुद्ध 2 हजार रूपये रिश्वत मांगने की शिकायत विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त रीवा में की गई थी। शिकायत प्राप्त होने पर लोकायुक्त द्वारा शिकायतकर्ता को रिश्वत संबंधी वार्तालाप को टेपांकित करने हेतु डिजिटल वायस टेप रिकार्डर दिया गया, जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा रिश्वत संबंधी वार्तालाप को गोपनीय ढंग से रिकार्ड कर शिकायत का द्वितीय आवेदन प्रस्तुत किया था।

शिकायतकर्ता द्वारा आहत मनीष के इलाज (अस्थिभंग) के संबंध में आरोपी डॉ. हरिबाबू मीणा से बातचीत की थी, जिसमें आरोपी द्वारा आहत मनीष के इलाज हेतु 2000 की मांग की गई थी, लेकिन वार्तालाप के दौरान 500 छोड़ देने की बात कर 1500 रुपए रिश्वत की मांग को रिकॉर्डर में टेपांकित कर लिया गया था। रिकॉर्डर सुनने के पश्चात लोकायुक्त रीवा द्वारा आरोपी डॉ. हरिबाबू मीणा के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई थी। 06 जुलाई 2015 को वार्तालाप की इनस्क्रिप्ट, प्राथमिक कार्यवाही पूर्ण कर ट्रैप दल द्वारा ट्रैप कार्यवाही के दौरान आरोपी को श्यामशाह मेडिकल कॉलेज में रंगे हाथ रिश्वत राशि 1500 के साथ पकड़ा गया था। लोकायुक्त द्वारा आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही पूर्ण कर विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रीवा के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था। शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक आलोक श्रीवास्तव ने किया। इन सुसंगत तर्कों एवं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायदृष्टांतों से सहमत होते हुये विशेष न्यायालय (पीसी एक्ट) डॉ अंजली पारे, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीवा म.प्र. द्वारा दोषसिद्धि का दण्डादेश पारित किया गया।

दूसरे दिन भी चली सर्चिंग, नहीं मिला किशोर

साथ में घूमने गए दो दोस्तों ने दी थी नहर में डूबने की जानकारी

जागरण, रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलपरा नहर में घूमने गए तीन दोस्तों में से एक दोस्त गायब है, दो दोस्तों ने जानकारी दी कि किशोर का चश्मा सिलपरा नहर में गिरा और उसे निकालने के चक्कर में किशोर भी सिलपरा नहर में डूब गया। जिसे बचाने का प्रयास भी किया गया लेकिन दोनों दोस्त सफल नहीं हो सके। जिसके बाद से लगातार किशोर को ढूढ़ने एसडीआरएफ की टीम लगी हुई है, शुक्रवार को चली सर्चिंग के बाद शनिवार को सुबह से ही टीम देर शाम तक किशोर की सर्चिंग में लगी रही। नहर का पानी भी बंद कर दिया गया है। इस दौरान परिजन व पुलिस प्रशासन सिलपरा नहर में मौजूद रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ज्ञानस्थली स्कूल में पढ़ने वाले बजरंग नगर निवासी 16 वर्षीय श्रेयस कुशवाहा पिता राकेश कुशवाहा अपने दो दोस्तों के साथ सिलपरा नहर में घूमने गया था, ऐसा उसके दोनों दोस्तों ने बताया कि श्रेयस की मौत सिलपरा नहर में डूबने से हो गई। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई तो एसडीआरएफ की टीम ने छात्र को खोजना शुरू किया लेकिन दो दिन चली सर्चिंग के बाद भी किशोर अब तक नहीं मिला। शनिवार के अंक में त्रुटिवस किशोर के शव बरामद होने की जानकारी प्रकाशित हो गई थी। श्रेयश के दोनो दोस्तो के अनुसार श्रेयस कुशवाहा का चश्मा नहर में गिर जाने के बाद वह उसे निकलने का प्रयास कर रहा था, इस बीच पैर फिसलने से छात्र श्रेयस नहर में जा समाया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद दूसरे छात्र ने पानी में उतरकर उसे बचाने का प्रयास किया और उसे किनारे तक लेकर भी आया, लेकिन नहर के दोनों और फिसलन होने के कारण वह उसे बाहर निकालने में असफल रहा और देखते ही देखते एक छात्र गहरे पानी में समा गया।

कबाड़ व्यापारियों पर फिल्मी स्टाइल से हमला - वारदात का वीडियो वायरल, घायल की हालत गंभीर

रीवा। पुराने विवाद के चलते आधा दर्जन युवकों ने रीवा जिले के पनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत रामबाग के समीप कबाड़ व्यवसाई दो भाइयों के ऊपर प्राण घातक हमला कर दिया। घटना के दौरान दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें उपचार के लिए परिजनों द्वारा लखनऊ में भर्ती कराया गया है। जहां वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक अतीक अहमद और सफीक अहमद दोनों भाई हैं, जो कबाड़ का व्यवसाय करते हैं। 27 जनवरी की रात्रि तकरीबन 8 बजे दोनों भाई पिकअप वाहन में कबाड़ लेकर बिक्री करने जा रहे थे। इसी दौरान रामबाग के समीप आधा दर्जन की संख्या में युवको ने पिकअप को रोक लिया और दोनों भाइयों को वाहन से उतर कर फिल्मी स्टाइल में जमकर मारपीट की और दोनों भाइयों को पुलिया के नीचे फेंक दिया। इस दौरान वारदात में एक भाई गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे उपचार के लिए लखनऊ में भर्ती कराया गया है जहां वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। वारदात के दौरान कुछ लोगों द्वारा वीडियो भी बनाया गया जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि आरोपियो ने दोनों भाइयों के ऊपर किस तरह प्राण घातक हमला किया हैं, घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कर दी गई।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com